नई दिल्ली
बुधवार 18 फरवरी 2026
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 29, अंक : 306
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 29
न्यून. 16

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

जटिल सैन्य एप्लीकेशन के मामले में विदेशी एआई मॉडल पर निर्भर नहीं रख सकते

राजधानी में चल रहे एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन में बोलीं डीआरडीओ महानिदेशक डॉ.चंद्रिका कौशिक

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश की पश्चिमी सीमा पर बनी हुई सुरक्षा चुनौती के बीच देश को तत्काल रूप से रक्षा क्षेत्र के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वाले स्वदेशी सिस्टम की दरकार है। इसके लिए हम विदेशों में विकसित किए गए मॉडल पर ज्यादा दिनों तक भरोसा नहीं रख सकते हैं। यह जानकारी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की महानिदेशक (उत्पादन समन्वय एवं सेवा संपर्क) डॉ.चंद्रिका कौशिक ने राजधानी में चल रहे एआई इंपैक्ट सम्मेलन के दौरान मीडिया से बातचीत में दी है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में हम विदेशों से आने ⏭शेष पेज 5 पर

सम्मेलन से होगा ये लाभ

उन्होंने कहा कि एआई सम्मेलन से हमें एक ऐसा मंच मिल गया है। जिससे हम सामूहिक प्रयासों के माध्यम से एक भरोसेमंद और स्वदेशी एआई क्षमता विकसित कर सकते हैं। सम्मेलन हमें आगे का रास्ता दिखाता ⏭शेष पेज 5 पर

अब नौसेना के जहाजों का बाल भी बांका नहीं कर पाएंगी दुश्मन की समुद्री बारूदी सुरंगें

नौसेना के एआई आधारित 'ट्राइडेंट समुद्र-ओसियन सर्विलांस सिस्टम' ने प्रदान किया अचूक सुरक्षा कवच

राजधानी में आयोजित किए जा रहे 'एआई इंपैक्ट सम्मेलन' में नौसेना ने अपनी प्रदर्शनी में दिखाई सिस्टम की ताकत

अलग खबर

कविता जोशी ⏭नई दिल्ली

दुनिया के कई भागों में चल रही जंग की वजह से जमीन से लेकर समुद्र या आकाश तक बेहद खतरनाक बने हुए सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारतीय नौसेना के जहाजों के एक अच्छी खबर है। जिसमें खासकर समुद्री या महासागरीय क्षेत्र में बल के जहाजों को दुश्मन द्वारा बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों से बचाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक अनोखा 'ट्राइडेंट समुद्र-ओसियन सर्विलांस सिस्टम' तैयार किया गया है। जिसे राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे 'एआई इंपैक्ट सम्मेलन' में बल द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है। नौसेना अपने जहाजों से जुड़े समुद्री और तटीय दोनों क्षेत्रों को एआई तकनीक से जोड़ने को लेकर मिशन मोड ⏭शेष पेज 5 पर

बैठक के बाद दोनों देशों के बीच हुए कुल 21 एमओयू और समझौते

सामरिक से 'विशेष वैश्विक सामरिक साझेदारी' में तब्दील हुई भारत-फ्रांस साझेदारी: प्रधानमंत्री मोदी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मुंबई में हुई द्विपक्षीय-प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक के बाद पीएम मोदी ने दी यह जानकारी

दोनों नेताओं की वार्ता में शामिल किए गए यूक्रेन, पश्चिम-एशिया, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और आतंकवाद जैसे मुद्दे

दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने वर्चुअल माध्यम से किया कर्नाटक के वेमगल में स्थापित की गई एच-125 हेलीकॉप्टर सुविधा का वर्चुअल उद्घाटन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई जटिल चुनौतियों के बीच मंगलवार का दिन भारत और फ्रांस की सामरिक साझेदारी के लिए किसी मील के पत्थर से कम नहीं कहा जा सकता है। कारण, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की द्विपक्षीय-प्रतिनिधिमंडल स्तर की महत्वपूर्ण बैठक रही। जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक स्वर में यह घोषणा की है कि अब भारत-फ्रांस साझेदारी को सिर्फ सामरिक साझेदारी के नाम से नहीं जाना जाएगा। बल्कि इसे 'विशेष वैश्विक सामरिक साझेदारी' में तब्दील कर एक नए रूप में जाना जाएगा। शीर्ष नेताओं की वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों में सहयोग को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के अलावा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जुड़े कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जिसमें यूक्रेन, पश्चिम-एशिया, हिंद-प्रशांत क्षेत्र से लेकर आतंकवाद का मामला मुख्य है। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा, अर्थव्यवस्था, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, कौशल, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, तकनीक और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कुल 21 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने वर्चुअल माध्यम से बटन दबाकर कर्नाटक के वेमगल में स्थापित की गई एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन का उद्घाटन भी किया। इस दौरान वास्तविक ⏭शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी ने फ्रांस सहित दुनिया से की अपील...

भारत संग मिलकर मानवता की सेवा करने वाली तकनीक और समावेशी प्रगति वाला भविष्य बनाएं

मुंबई में भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली(ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को मुंबई में आयोजित किए गए 'भारत-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' कार्यक्रम का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम ने अपने संबोधन में एक ओर नवाचार के क्षेत्र में अब तक की देश की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने फ्रांस के साथ समूची दुनिया के नेताओं, वैश्विक कंपनियों के सीईओ और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए यह आह्वान किया कि सभी भारत के साथ मिलकर एक ऐसा भविष्य बनाएं। जहां तकनीक मानवता की सेवा करे और प्रगति समावेशी हो। साथ ही उन्होंने मौजूदा साल 2026 को दोनों देशों के संबंधों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया और ⏭शेष पेज 5 पर

संबंधित इंटरव्यू पेज 7 पर

भारत-फ्रांस ने किया रक्षा सहयोग समझौते का अगले दस वर्षों के लिए नवीनीकरण

नई दिल्ली(ब्यूरो)। भारत और फ्रांस ने मंगलवार को अपने रक्षा सहयोग समझौते को आगामी दस वर्षों के लिए नवीनीकृत कर दिया है। जिसकी घोषणा बेंगलुरु में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन के बीच हुए छठे वार्षिक रक्षा संवाद के बाद की गई है। इसके अलावा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और फ्रांस के सेफ्रॉन समूह के बीच देश में हैमर मिसाइलों के संयुक्त उत्पादन को लेकर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। दोनों देशों ने पारस्परिक आधार पर अपनी-अपनी थल-सेनाओं में अधिकारियों की तैनाती को लेकर भी सहमति प्रदान की है। संवाद की दोनों रक्षा मंत्रियों ने सह-अध्यक्षता की। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दी है। रक्षा सहयोग समझौते के एक दशकीय विस्तार पर भारत की तरफ से रक्षा मंत्री ⏭शेष पेज 5 पर

- बेंगलुरु में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच हुए छठे वार्षिक रक्षा संवाद से निकला यह महत्वपूर्ण निष्कर्ष

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ-ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया

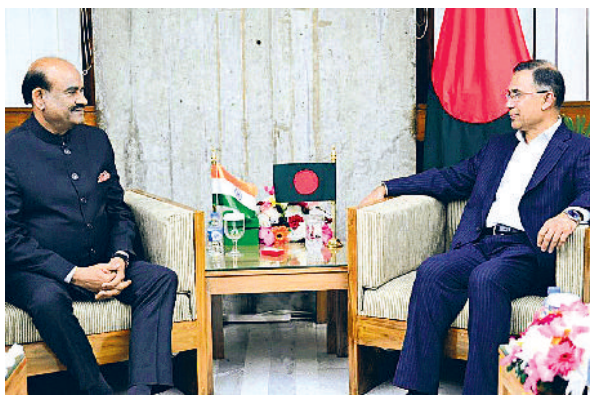

पड़ोसी देशों के बीच सुदृढ़ साझेदारी करने की प्रतिबद्धता

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज ढाका में प्रधानमंत्री श्री तारिक रहमान के नेतृत्व में गठित बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ-ग्रहण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बिरला ने भारत की नागरिकों की ओर से तारिक रहमान को हार्दिक बधाई दी।

लोकसभा अध्यक्ष ने ढाका में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री रहमान से भेंट भी की तथा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत पत्र सौंपा, जिसमें प्रधानमंत्री श्री रहमान को सुविधानुसार शीघ्र भारत यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है। बिरला ने पुनः दोहराया कि भारत बांग्लादेश के लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सहयोग हेतु सदैव तत्पर है। उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच स्थायी और सुदृढ़ साझेदारी को और गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। समारोह के अवसर पर बिरला ने मालदीव के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. मोहम्मद मुइज्जू तथा भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम शेरिंग तोबगे सहित अन्य नेताओं से भेंट की।

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा 22 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे: सरमा

मुख्यमंत्री बोले, कांग्रेस अब मुख्यधारा के असमिया लोगों की पार्टी नहीं रही

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को यह बयान देकर कांग्रेस को चौंका दिया कि प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा 22 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष दिलीप सैकिया भूपेन बोरा के साथ बैठक कर उनके पार्टी में शामिल होने से जुड़े अंतिम विवरण तय करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उन कारणों पर ध्यान देना चाहिए था, जिनकी वजह से बोरा को 32 साल बाद पार्टी छोड़ने का फैसला करना पड़ा। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि कांग्रेस को ऐसी परिस्थितियों को रोकने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए थे। सरमा ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पहले ही भूपेन बोरा के पार्टी में शामिल होने को मंजूरी दे दी है और उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होना भूपेन बोरा के लिए घर वापसी जैसा होगा, क्योंकि यह ऐसी पार्टी है जहां साधारण पृष्ठभूमि से आए लोगों को सम्मान मिलता है। सीएम सरमा ने यह भी कहा कि बोरा के भाजपा में आने से यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि कांग्रेस अब मुख्यधारा के असमिया लोगों की पार्टी नहीं रही है। असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनैतिक टकराव चरम पर है। ऐसे में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने को लेकर चल रही सियासत और अटकलों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का बड़ा बयान सामने आया है। सरमा ने बताया कि इस संबंध में औपचारिक तैयारियां की जा रही हैं और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया इसकी प्रक्रिया तय करेंगे। उन्होंने कहा कि भूपेन बोरा के साथ कांग्रेस के कई अन्य नेता भी गुवाहाटी और नॉर्थ लखीमपुर में भाजपा का दामन थामेंगे।

ओला के सीईओ को दिया गिरफ्तार करने का आदेश

पणजी। ओला इलेक्ट्रिक की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कई जगहों पर ओला स्कूटी में आग लगने की घटनाओं के बीच अब ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भविष अग्रवाल को गिरफ्तार करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश कंफ्यूमर फोरम की ओर से जारी किया गया है। जारी आदेश में उपभोक्ता आयोग ने अग्रवाल के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। यह आदेश गोवा के मडगांव स्थित जिला उपभोक्ता आयोग ने दिया है।

निगम ने शालीमार पार्क में विकसित की 'फ्लावर वैली'

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के उद्यान विभाग ने 'ग्रीन दिल्ली - विकसित दिल्ली' अभियान के तहत मॉडल टाउन स्थित शालीमार पार्क (बाटेश्वर गोटेवाला, वार्ड-68) में सुंदर "फ्लावर वैली" का विकास किया गया है। इस कार्य के अंतर्गत पार्क में आकर्षक फूलों की क्यारियां विकसित की गई हैं, जिससे पार्क की सुंदरता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विभिन्न रंगों और प्रजातियों के मौसमी फूलों के माध्यम से पार्क को एक नया सौंदर्यात्मक रूप प्रदान किया गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों, वरिष्ठ नागरिकों एवं बच्चों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण में भ्रमण एवं विश्राम का अवसर मिलेगा। निगम प्रशासन ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा लगातार किए जा रहे हरित विकास कार्यों के अंतर्गत इस प्रकार की गतिविधियां आगे भी जारी रहेंगी, जिससे दिल्ली को और अधिक हरा-भरा एवं सुंदर बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने 802 करोड़ रुपये की व्यापक सड़क सुधार परियोजना को दी मंजूरी

उन्नत तकनीक से दिल्ली की 241 से अधिक सड़कों का किया जाएगा पुनर्विकास : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उन्नत तकनीक के माध्यम से दिल्ली की 241 से अधिक प्रमुख सड़कों का पुनर्विकास किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली सरकार ने 802 करोड़ रुपये की व्यापक सड़क सुधार परियोजना को मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय ने दी है। इस बाबत मुख्यमंत्री का कहना है कि इस परियोजना में केंद्र सरकार का भरपूर सहयोग है। सभी सड़कों को 'वॉल-टू-वॉल कारपेटिंग' मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा, ताकि सड़क निर्माण का काम आधा-अधूरा न रह जाए, बल्कि पूरी चौड़ाई में समान गुणवत्ता सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल राजधानी को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। योजना के तहत, 45 से ज्यादा विधानसभाओं की लगभग 400 किलोमीटर की प्रमुख सड़कें सुधारी जाएंगी। मुख्यमंत्री का कहना है कि अक्सर सड़कों पर केवल बीच का हिस्सा ठीक किया जाता है या जहां गड्ढे होते हैं वहीं पैचवर्क कर दिया जाता है। इससे कुछ समय बाद सड़क फिर खराब हो जाती है। नई प्रणाली में पूरी सड़क को एक समान रूप से 'वॉल-टू-वॉल' तैयार किया जाएगा, जिससे उसकी मजबूती और आयु दोनों बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि पूरी चौड़ाई में समतल और सील बंद सतह बनने से धूल और वायु प्रदूषण में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। टूटी-फूटी सड़कों से वाहनों की आवाजाही के दौरान मिट्टी और बारीक कण हवा में उड़ते हैं, जो प्रदूषण का बड़ा कारण बनते हैं। अब नए तरीके से सड़कों को बनाने से हवा में उड़ने वाले पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) के स्तर को कम करने में मदद मिलेगी और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व वायु गुणवत्ता बेहतर होगी। मुख्यमंत्री के अनुसार सड़क की बेस लेयर की जांच, आवश्यकतानुसार सुदृढ़ीकरण, जल निकासी की व्यवस्था और अंतिम कारपेटिंग जैसे सभी चरणों को तकनीकी मानकों के अनुसार पूरा किया जाएगा। इससे बरसात में जलभराव की समस्या कम होगी और सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगी। हम ऐसी सड़कें बनाना चाहते हैं जो वर्षों तक टिकें और लोगों को सुरक्षित यात्रा का भरोसा दें। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले साल भी दिल्ली सरकार ने इसी तकनीक से करीब 150 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत सड़कें किसी भी शहर की विकास यात्रा की रीढ़ होती हैं। बेहतर सड़कें होंगी तो यातायात सुगम होगा, दुर्घटनाएं कम होंगी और लोगों का समय बचेगा। हमारी सरकार दिल्ली को आधुनिक और व्यवस्थित राजधानी बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस पूरी परियोजना को साल के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। काम को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा ताकि ट्रैफिक पर कम से कम असर पड़े और लोगों को असुविधा न हो। यह कार्य दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा करीब 45 विधानसभाओं में किया जाएगा। परियोजना की कुल लागत 802 करोड़ 18 लाख रुपये है। इसमें से 643 करोड़ 36 लाख रुपये केंद्र सरकार के सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) से प्राप्त होंगे, जबकि 158 करोड़ 82 लाख रुपये दिल्ली सरकार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य के सहयोग से दिल्ली के बुनियादी ढांचे को नई मजबूती मिल रही है।

डीयू ने बैठकों, जुलूस, धरना प्रदर्शन पर लगाई एक माह की रोक

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में एक महीने के लिए किसी भी तरह की पब्लिक मीटिंग, जुलूस, धरना और प्रदर्शन पर पूरी तरह से रोक लगाई गई है। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार ने विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों और स्टाफ को इस संबंध में सूचना हेतु एक आदेश जारी किया है जोकि 17 फरवरी 2026 से अगले एक महीने तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने बताया कि यह आदेश इस जानकारी के आधार पर जारी किया गया है, कि डीयू परिसर में बिना रोक-टोक के सार्वजनिक समारोहों, जुलूस या प्रदर्शन से ट्रैफिक में रुकावट, इंसानी जान को खतरा और जनशांति भंग हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहले भी, आयोजक अक्सर ऐसे ऐसे विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने में असफल रहे हैं, जिससे विश्वविद्यालय परिसर में कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है प्रॉक्टर ने अपने आदेश में यह भी बताया कि असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, सब-डिवीजन सिविल लाइंस ने भी 26 दिसंबर, 2025 को इस आशय में एक आदेश जारी किया है, जिसमें मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स, गवर्नमेंट भारत सरकार, के एक नोटिफिकेशन का हवाला दिया गया है। इसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी पब्लिक मीटिंग, रैली, धरने, प्रदर्शन, आंदोलन अथवा किसी भी ऐसी गतिविधि पर रोक लगाई गई है जिससे कि आम लोगों की शांति या ट्रैफिक की सुगम आवाजाही पर असर पड़ सकता है।

मौसम ने ली करवट, अधिकतम तापमान 30 डिग्री पार पहुंचा, आज बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में मौसम तेजी से करवट ले रहा है, जिसके चलते फरवरी के पहले पखवाड़े में ही अधिकतम तापमान पसीने निकालने वाला दर्ज हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार मंगलवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। यानी फरवरी में ही सूरज ने आंखें दिखानी शुरू कर दी है। लेकिन रात के समय न्यूनतम तापमान ने मामूली राहत दी और 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.4 डिग्री ज्यादा है। आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी करते हुए अनुमान जताया है कि बुधवार को दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। आसमान पर सुबह से बादलों का जमावड़ा दिखाई दे सकता है। करीब 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। दोपहर के समय कुछ क्षेत्रों में आसमानी बिजली की चमक के साथ हल्की बारिश की प्रबल संभावना हो सकती है। अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की कमी की संभावना है, जिससे सूरज के तेवरो में नरमी आ सकती है। जबकि न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। जबकि गुरुवार से सुबह के समय हल्का कुहासा दिल्ली को घेरे दिखाई देगा। अधिकतम तापमान 25-26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

डीडीए ने बढ़ाई प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2026 की डेडलाइन, अब 20 फरवरी तक करें पंजीकरण

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपने घर का सपना देख रहे लोगों को एक और मौका देते हुए अपनी प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2026 की डेडलाइन को बढ़ाकर 20 फरवरी 2026 कर दिया है। यानी जो लोग किन्हीं कारणों से इस योजना में शामिल नहीं हो पाए थे अब वह चाहे तो 20 फरवरी 2026 तक अपना पंजीकरण करा सकते है। इस बारे में डीडीए के संबंधित विभाग के एक आला अधिकारी ने बताया कि लोगों की भारी मांग के चलते इस योजना का समय बढ़ाया गया है, जिससे की जो लोग रह गएउ है वह आवेदन कर सके। अधिकारी के इस योजना में विभिन्न जगहों पर एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी और जनता तथा ईएचएस कैटेगरी के 582 फ्लैट्स उपलब्ध है। यह स्कीम ई-ऑक्शन के आधार पर होगी। योजना के तहत कार और स्कूटर गैराज भी शामिल हैं। यह स्कीम 6 जनवरी को लॉन्च की गई थी लेकिन, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि को करीब देखकर लोग इसे बढ़ाने की डिमांड कर रहे थे। लोगों ने स्कीम के तहत अपने अधूरे रजिस्ट्रेशन को पूरा करने के लिए भी अतिरिक्त समय मांगा था ताकि वह ई-ऑक्शन में हिस्सा ले सकें। अधिकारी ने बताया कि अब इस स्कीम में हिस्सा लेने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 20 फरवरी की शाम छह बजे तक पूरा करना होगा। फाइनल सबमिशन 23 फरवरी तक किया जा सकता है। इस दौरान अर्नेस्ट मनी भी जमा करवानी होगी। जानकारी अनुसार यह फ्लैट द्वारका, नरेला, जसोला आदि जगहों पर है, इनकी इनकी कीमत 10 लाख रुपये से शुरू होकर 2.14 करोड़ तक हो सकती है।

एआई समिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान का सफलतम प्रतिरूप बनाः कैट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

व्यापारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा है कि दिल्ली में चल रहा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान का सफलतम प्रतिरूप बन गया है। दिल्ली में चल रहा एआई शिखर सम्मेलन भारत की डिजिटल यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों—उद्योग, व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्त, लॉजिस्टिक्स और शासन में एआई के प्रभावी उपयोग का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इस बारे में कैट के राष्ट्रीय महामंत्री व भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इस समिट का एक अवलोकन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भविष्य टेक्नोलॉजी का ही ,है फिर वो चाहे कोई भी सेक्टर क्यों न हो। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी एवं प्रगतिशील नेतृत्व में भारत ने डिजिटल क्रांति की शुरुआत 1 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया लांच करते हुए की थी। खंडेलवाल ने कहा कि उस शुरुआत से आज भारत वैश्विक एआई परिदृश्य में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल इंडिया के संकल्प के साथ नवाचार, स्टार्टअप और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देकर भारत ने एआई को समावेशी विकास का सशक्त माध्यम बनाया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब देश के व्यापारियों को भी अपने व्यापार के वर्तमान स्वरूप को एआई टेक्नोलॉजी से जोड़ना आवश्यक है तभी व्यापार में वृद्धि संभव होगी। यह शिखर सम्मेलन डिजिटल तकनीक के नए अवतार को प्रदर्शित करता है।

ग्रीष्म ऋतु की फसलों की वैज्ञानिक खेती पर कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), उज्वा में ग्रीष्म ऋतु की फसलों की वैज्ञानिक खेती पर एक दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को आयोजन किया। यह कार्यशाला दिल्ली सरकार की आत्मा योजना के अंतर्गत प्रायोजित की गई। केवीके अध्यक्ष डॉ. डी. के. राणा ने सभी अतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए इस कार्यशाला की शुरूआत की। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु की फसलों में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन (आईपीएम) विषय पर विस्तार से जानकारी दी तथा कीट एवं रोग नियंत्रण के वैज्ञानिक उपायों पर प्रकाश डाला। दिल्ली सरकार में कृषि प्रसार अधिकारी मुकेश शर्मा एवं रविंदर कुमार ने दिल्ली सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रीष्म ऋतु की फसलों को जैविक एवं प्राकृतिक तरीकों से उगाने की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। केंद्र के बागवानी विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार, केंद्र के पादप सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. बी. एल. फगोडिया, कृषि प्रसार विशेषज्ञ कैलाश ने किसानों को जानकारी दी। बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और वैज्ञानिक खेती के माध्यम से ग्रीष्म ऋतु की फसलों की उत्पादकता एवं लाभप्रदता बढ़ाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रेखा सरकार का 'ट्रैश टू ट्रांसफॉर्मेशन' मॉडल — स्वच्छ, स्वस्थ और आत्मनिर्भर दिल्ली की ओर ऐतिहासिक कदम

कूड़े के पहाड़ों से हरित ऊर्जा तक

नई दिल्ली

दशकों तक गाजीपुर, भलस्वा और ओखला के कूड़े के पहाड़ दिल्ली की पहचान पर एक बदनुमा दाग बने रहे। ये केवल कचरे के ढेर नहीं थे, बल्कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और शहरी प्रबंधन की विफलताओं के प्रतीक थे। लेकिन आज राजधानी एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली ने पहली बार कूड़ा प्रबंधन को संकट नहीं, संसाधन के रूप में देखने का साहसिक निर्णय लिया है। नई सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि कूड़े के पहाड़ हटाना केवल सफाई अभियान नहीं, बल्कि तकनीक, समयबद्ध लक्ष्य और पारदर्शी व्यवस्था का संयुक्त मिशन है।

मिशन मोड में लैंडफिल मुक्त दिल्ली

दिल्लीवासियों से किया गया वादा अब धरातल पर दिख रहा है। सरकार ने 2026-27 तक भलस्वा और ओखला लैंडफिल से लेगेसी वेस्ट समाप्त करने का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए "थ्री-टी मॉडल — टेक्नोलॉजी, ट्रांसपेरेंसी और टारगेट" पर युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। जहाँ पहले प्रतिदिन केवल 7,500 मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण होता था, वहीं अब यह क्षमता बढ़कर 35,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन से अधिक हो चुकी है। इसका अर्थ है कि दिल्ली केवल नए कचरे का ही निस्तारण नहीं कर रही, बल्कि वर्षों से जमा पुराने कूड़े को भी तेजी से खत्म करने की और भी कदम बढ़ा रही है।

निरंतर बायो-माइनिंग से तीनों लैंडफिल साइटों पर अबतक लगभग 76.65 लाख मीट्रिक टन कचरे को रीसायकल किया जा चुका है और 45 एकड़ भूमि को खली कर दिया गया है। भलस्वा और ओखला में जो कूड़े के पहाड़ कभी 60 मीटर ऊँचे थे, उनका कद अब घटकर 30-40 मीटर रह गया है — यह बदलाव केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि दिल्ली के आसमान में साफ दिखाई देता है।

कचरे से कंचन : ऊर्जा और अर्थव्यवस्था का नया मॉडल

रेखा सरकार की नीति का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि कचरे को समाप्त करने के साथ-साथ उससे ऊर्जा और रोजगार भी पैदा किया जा रहा है। नरेला-बवाना का आधुनिक वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट प्रतिदिन 3,000 टन कचरे का प्रसंस्करण कर रहा है, जबकि ओखला प्लांट की क्षमता बढ़ाकर 2,950 टन प्रतिदिन करने की दिशा में कार्य शुरू हो चुका है।

गीले कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए बायोगैस और सीबीजी प्लांट पर कार्य है। नजफगढ़ के नंगली में स्थापित देश का पहला 200 टीपीडी गोबर आधारित बायोगैस प्लांट न केवल स्वच्छ ऊर्जा पैदा कर रहा है, बल्कि आसपास के गांवों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रहा है। डेयरी संचालकों को 65 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से गोबर का मूल्य मिलना ग्रामीण आय का नया स्रोत बना है। यही नहीं, इससे यमुना में जाने वाले अपशिष्ट पर भी नियंत्रण किया जा रहा है।

मंडियों में भी 'ट्रैश टू ट्रांसफॉर्मेशन'

सरकार ने ठोस कचरा प्रबंधन को शहर के हर हिस्से तक विस्तारित किया है। आजादपुर, गाजीपुर, ओखला और नरेला जैसी प्रमुख मंडियों में कम्प्रेस्ड बायोगैस और ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर यूनिट स्थापित करने की योजना इस दिशा में बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं — कचरा जलाना नहीं, उसका वैज्ञानिक निस्तारण करना है ।यह मॉडल प्रदूषण कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ईंधन और जैविक खाद का उत्पादन करेगा।

वेस्ट-टू-एनर्जी

*नरेला-बवाना प्लांट – 3,000 TPD क्षमता

*ओखला प्लांट – 2,950 TPD (प्रस्तावित)

रेखा सरकार में पहली बार घटने लगे कूड़े के पहाड़

पीएम नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत विजन को दिल्ली ने बनाया अपना मिशन

दिल्ली में स्वच्छता अब एक जनआंदोलन बन चुकी है। मुख्यमंत्री से लेकर पूरी कैबिनेट, विभागीय अधिकारी, विधायक और जनप्रतिनिधि निरंतर अपने क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को गति दे रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छ भारत संकल्प के साथ यह सामूहिक प्रयास, स्वच्छ और विकसित दिल्ली की नई पहचान बना रहा है।

प्रमुख उपलब्धियाँ एक नज़र में

लैंडफिल मुक्ति मिशन

* प्रतिदिन 35,000+ मीट्रिक टन कचरा निस्तारण (पहले 7,500 MT)
* 76.65 लाख मीट्रिक टन कचरे का उपचार
* 45 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त

बायोगैस क्रांति

* नंगली – 200 TPD देश का पहला गोबर आधारित संयंत्र
* घोघा डेयरी – 100 TPD सीबीजी प्लांट
* डेयरी संचालकों को गोबर का आर्थिक मूल्य

मंडी मॉडल : फ्रॉम ट्रैश टू ट्रांसफॉर्मेशन

* सभी प्रमुख मंडियों में CBG और ऑर्गेनिक फर्टिलाइज़र यूनिट
* कचरा जलाने पर रोक
* स्रोत स्तर पर गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण

स्वच्छता से आगे — पर्यावरण, स्वास्थ्य और रोजगार

इस परिवर्तन का प्रभाव बहुआयामी है।

1. लैंडफिल कम होने से प्रदूषण घट रहा है
2. स्थानीय स्तर पर कचरे का निस्तारण हो रहा है
3. हरित ऊर्जा का उत्पादन बढ़ रहा है
4. ग्रामीण और डेयरी अर्थव्यवस्था को आय का नया स्रोत मिल रहा है

यह मॉडल दिल्ली को 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर ले जा रहा है, जहाँ कचरा बोझ नहीं, संपत्ति बनता है।

स्वच्छता से आत्मनिर्भरता तक

आज दिल्ली का बदलता क्षितिज यह संदेश दे रहा है कि सही नीति और मजबूत नीयत से दशकों पुरानी समस्याओं का समाधान संभव है। कूड़े के पहाड़ अब हरित ऊर्जा, पुनः प्राप्त भूमि और स्वच्छ हवा में बदल रहे हैं।

यह केवल सफाई नहीं — यह दिल्ली की पहचान का पुनर्निर्माण है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति से प्रशासनिक परिणाम तक

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लगातार समीक्षा बैठकों, सम्बंधित एजेंसियों को स्पष्ट समयसीमा और जमीनी निरीक्षण ने इस मिशन को गति दी है। पहली बार कचरा प्रबंधन फाइलों से निकलकर लक्ष्य आधारित कार्य में बदला है।
यह बदलाव केवल सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि दिल्ली के नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार का आधार है।

DIP/Shabdarth/Advertorial/0141/25-26

केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री रेखा ने सरोजिनी नगर स्थित 'सीएम श्री स्कूल' का किया उद्घाटन

सीएम श्री स्कूलों से बच्चों को मिलेगी निजी स्कूल जैसी शिक्षा : धर्मेंद्र प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीएम श्री स्कूलों में गरीब, सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों जैसी आधुनिक सुविधाएं और तकनीकी रूप से उन्नत शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। यह बात मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सरोजिनी नगर में बने सीएम श्री स्कूल का उद्घाटन करने के अवसर पर कही। इस दौरान उनके साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मौजूद रहीं।

इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में 75 सीएम श्री स्कूल परियोजनाओं की शुरुआत की। इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद को बधाई देते हुए कहा कि सरकार ने एक साल के अंदर शिक्षा से जुड़े अपने वादों को पूरा करने की दिशा में अच्छा काम किया है। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सीएम श्री स्कूल सिर्फ नए भवन नहीं हैं, बल्कि यह दिल्ली के बच्चों को बेहतर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की पहल है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि दिल्ली में लाखों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और शोध-केंद्रित शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में दिल्ली सरकार भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने विशेष रूप से 75 सीएम श्री विद्यालयों की स्थापना को उल्लेखनीय उपलब्धि बताया और कहा कि इन्हें उच्च मानक के रूप में विकसित कर दिल्ली सरकार ने उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डिजिटल और एआई के माध्यम से होगी पढ़ाई : रेखा

सरोजनी नगर में सीएम श्री स्कूल के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि अब सरकारी स्कूलों में डिजिटल और एआई के माध्यम से पढ़ाई होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सीएम श्री स्कूलों स्कूलों में एआई से जुड़े स्मार्ट क्लासरूम बनाए जा रहे हैं। इनमें इंटरैक्टिव पैनल, डिजिटल पढ़ाई सामग्री और आधुनिक लर्निंग टूल्स होंगे। इससे हर छात्र को उसकी क्षमता के अनुसार पढ़ाई कराई जा सकेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए खास पोर्टल भी बनाया गया है।

इसके जरिए जेईई, नीट, सीयूईटी, सीएलएटी और एनडीए जैसी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मल्टी-सेक्टोरियल स्किल लैब्स में छात्रों को रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन और मेकाट्रॉनिक्स जैसे आधुनिक विषय शुरू से ही सिखाए जाएंगे। इससे उन्हें आगे चलकर नौकरी पाने या अपना काम शुरू करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शिक्षा मॉडल अब तक किसी भी राज्य में इस तरह लागू नहीं हुआ है। इसमें एआई की मदद से पढ़ाई को आधुनिक और तकनीक से जुड़ा बनाया जा रहा है। बहुभाषी शिक्षा के जरिए छात्रों को विदेशी विश्वविद्यालयों और उद्योगों से जोड़ने की तैयारी की गई है। साथ ही, स्कूल स्तर पर उद्योगों से जुड़ाव के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप भी शुरू की गई है।

प्रवेश ने पंडारा रोड स्थित 'सीएम श्री स्कूल' बच्चों को किया समर्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को 75 नए सीएम श्री स्कूलों के शुभारंभ की कड़ी में नई दिल्ली विधानसभा के पंडारा रोड स्थित सीएमश्री स्कूल का उद्घाटन कर बच्चों को समर्पित किया। इस अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब के साथ एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इन स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब और 7 हजार स्मार्ट बोर्ड वाली क्लास जैसी आधुनिक सुविधाएं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक-सक्षम शिक्षा प्रदान करेंगी। आज से दिल्ली के बच्चे आधुनिक तकनीक और श्रेष्ठ शिक्षण पद्धति के साथ भविष्य के लिए तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली का हर बच्चा, आधुनिक शिक्षा से सशक्त हो यही हमारी सरकार का संकल्प है।

भाजपा व आप पार्टी ने करोड़ों खर्च किए, लेकिन यमुना आज भी गंदी : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगा है कि दिल्ली में वर्तमान भाजपा सरकार और पिछली केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार ने यमुना सफाई के नाम पर हजारों करोड़ रुपये बर्बाद कर दिए, बावजूद आज भी यमुना गंदी है। यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में यमुना सफाई पर जहां 6800 करोड़ रुपये खर्च करने का दावा किया था। वहीं भाजपा द्वारा एक वर्ष में 500 करोड़ रुपये यमुना सफाई पर खर्च करने के बावजूद यमुना नदी में आज भी माईक्रोप्लास्टिक के सूक्ष्म कण और जैविक अवशेष के कारण घरों में आपूर्ति हो रहा पानी पूरी तरह से दूषित है जो लोगों की जिंदगी के लिए एक बड़ा खतरा बन रहा है। यादव ने कहा कि मानसून से पहले यमुना में माइक्रोप्लास्टिक के 5 मिमी से छोटे विषाक्त कणों का औसत 6,375 कण प्रति घन मीटर रहा। जबकि मानसून के बाद इसमें 50 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह 3080 कण प्रति घन मीटर रही। उन्होंने कहा कि मानसून में यमुना में माइक्रोप्लास्टिक सांद्रता कम होने के बाद भी यह गंभीर अनुपात में है। उन्होंने कहा कि 42 स्थानों से एकत्रित भूजल के नमूने लिए गए। मानसून से पहले और मानसून के बाद में यमुना जल में 1200 कण प्रति घन मीटर पाया जाना यमुना और भूजल का पानी अत्यंत दूषित है।

बुराड़ी के 100 फुटा मार्ग पर जनसुविधाओं की मांग को लेकर सांकेतिक धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- सड़क, सीवर, जलनिकासी, स्ट्रीट लाइट और यातायात प्रबंधन सुधारने की उठाई मांग

दिल्ली के बुराड़ी क्षेत्र के 100 फुटा मार्ग पर बुनियादी जनसुविधाओं की मांग को लेकर स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों ने सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लंबे समय से क्षेत्र में सड़क की बदहाल स्थिति, जलभराव, सीवर की समस्या, अपर्याप्त स्ट्रीट लाइट और अव्यवस्थित यातायात के कारण आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धरने में शामिल लोगों ने बताया कि 100 फुटा मार्ग क्षेत्र की मुख्य सड़कों में से एक है, जहां प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, टूटी फुटपाथ और जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या और भी गंभीर हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्रीय विधायक संजीव झा, सांसद मनोज तिवारी सहित संबंधित विभागों को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी के चलते जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह सांकेतिक धरना आयोजित किया गया। धरना शांतिपूर्ण तरीके से किया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। धरना प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने कहा कि सड़क की तुरंत मरम्मत और पुनर्निर्माण किया जाए। सीवर लाइन और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाई जाए ताकि रात में सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अवैध पार्किंग और जाम की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन लागू किया जाए।

क्रिकेट जीत का जश्न मनाने के लिए कर रहा था स्टंटबाजी, पुलिस ने आरोपी राइडर को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजेंद्र नगर इलाके में 15 फरवरी की रात क्रिकेट मैच में पाकिस्तान पर भारत की जीत की खुशी एक बाइक सवार के दिल और दिमाग पर इस कदर हावी हुई कि उसने सड़क पर स्टंटबाजी शुरू कर दी। पेट्रोलिंग स्टाफ को इसकी जानकारी मिली तो तुरंत कार्रवाई करते हुये उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया।

पुलिस के अनुसार रात करीब 11:30 बजे इलाके में रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान एक स्टंट राइडर के बारे में जानकारी मिली थी कि बड़ा बाजार रोड, ओल्ड राजेंद्र नगर पर खतरनाक स्टंट कर रहा है। वह तेज और लापरवाही से बाइक चला रहा था, जिससे पब्लिक सेफ्टी को गंभीर खतरा हो रहा था। जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए एसआई धर्मेंद्र, सिपाही कुणाल के साथ मौके पर पहुंचे और राइडर को मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया। राइडर की पहचान मोहित शर्मा निवासी ओल्ड राजेंद्र नगर के रूप में हुई।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह क्रिकेट मैच में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए मोटरसाइकिल स्टंट कर रहा था। यह भी पाया गया कि घटना के समय उसने हेलमेट नहीं पहना था, जो मोटर व्हीकल एक्ट के सेक्शन 129 का उल्लंघन है। इस बीच मौके पर बहुत सारे लोग जमा हो गए और हालात बिगड़ने लगे। कई लोगों ने इस लापरवाही भरे काम पर गुस्से में राइडर पर मारपीट करने की कोशिश की। जान को खतरा और भीड़ की हिंसा की संभावना को भांपते हुए पुलिस ने तुरंत दखल दिया।

राइडर को गुस्से वाली भीड़ से बचाया और होशियारी से भीड़ को तितर-बितर किया। राजेंद्र नगर थाने की पुलिस आरोपी युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है। उसकी मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस का कहना है कि स्टंट राइडिंग, रैश ड्राइविंग और ट्रैफिक नियम तोड़ने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सड़क सुरक्षा और पब्लिक ऑर्डर बनाए रखने के लिए नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पंजाबी बाग में हादसा, एक युवक की मौत, एक घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पंजाबी बाग स्थित भारत दर्शन पार्क के सामने मंगलवार को हुए सड़क हादसे में 24 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। सुबह करीब 8:10 बजे घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी, जहां एक स्कूटी क्षतिग्रस्त हालत में मिली। घटनास्थल पर घायल अवस्था में मिले दो युवकों को तुरंत आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल ले जाया गया था, जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पहचान रोहिणी के सेक्टर 20 निवासी विजय के रूप में हुई है। वहीं घायल का नाम मोनू है। उसे गंभीर चोटों के कारण सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है।

पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। क्षतिग्रस्त वाहन को निरीक्षण के लिए कब्जे में लिया गया है। पुलिस आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा चश्मदीदों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पता चला कि मोनू विजय का दोस्त है और वे सुबह करीब 5:30 बजे नारायणा में विजय की बहन के घर पहुंचे थे और 30 मिनट बाद घर से निकलकर रोहिणी वापस जा रहे थे। क्राइम टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। केस दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

यातायात पुलिसकर्मियों से वसूली करने वाले गिरोह के सरगना समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। यातायात पुलिसकर्मियों को फर्जी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वसूली करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। इस सिलसिले में कथित महिला सरगना समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, 19 जनवरी को दिल्ली यातायात पुलिस के एक अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर उनका आपत्तिजनक और फर्जी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उनसे 1.2 लाख रुपये की उगाही की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपियों का पता लगाया। पुलिस की टीम ने हरियाणा के समालखा निवासी 32 वर्षीय महिला, जिसे गिरोह का सरगना बताया जा रहा है को उसके सहयोगियों सचिन (35) और आमिर चौधरी के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों क्रमशः हरियाणा और दिल्ली के रहने वाले हैं। पूछताछ में पता चला कि यह महिला पहले अशोक कुमार नामक व्यक्ति द्वारा संचालित गिरोह से जुड़ी थी। वह इस तरह के अपराध को अंजाम देता था। दिसंबर 2025 में अशोक की मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद महिला ने इस तरह के आपराधिक गतिविधि को अपना अलग गिरोह बनाकर स्वतंत्र रूप से अंजाम देना शुरू किया।

पांच साल से फरार हत्यारोपी गिरफ्तार

हत्या केस में हुई थी उम्रकैद, 2021 में फर्लो ले हो गया था फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने मर्डर केस में उम्रकैद की सजा पाने के बाद 2021 से फरार आरोपी को आनंद विहार से गिरफ्तार किया है। रॉबिन तमांग उर्फ जोजो उर्फ पंछी (45) को सितंबर 2020 में तीन हफ्ते की फरलो पर मंडोली जेल से रिहा किया गया था, लेकिन उसने सरेंडर नहीं किया और फरार हो गया था।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार फरलो पर रिहा होने के बाद वह पश्चिम बंगाल में अपने गांव, नागालैंड, हरियाणा और एनसीआर के दूसरे राज्यों के बीच छिपकर गिरफ्तारी से बचता रहा। उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए सड़क किनारे खाने की दुकानों और खाने के स्टॉल पर हेल्पर का काम किया। हाल ही में दिल्ली लौटने पर उसे खास ह्यूमन इंटेलिजेंस और लगातार टेक्निकल और ग्राउंड सर्विलांस के जरिए ट्रैक किया गया। आखिरकार उसे आनंद विहार रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया गया। हत्या का यह मामला 2013 में बुराड़ी थाना एरिया में सामने आया था। उसमें आरोपी अपनी जान-पहचान वाली लड़की के घर पहुंचा और अपने दोस्त नीरज को बाहर बुलाया। मोबाइल सिमकार्ड और एक लड़की को लेकर झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान रॉबिन तमांग ने नीरज के सीने में 3-4 बार चाकू मारा और भाग गया। नीरज को हिंदू राव हॉस्पिटल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। ट्रायल के बाद रॉबिन तमांग निवासी जिला जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल को आईपीसी की धारा 302 के तहत दोषी ठहराया गया और उम्रकैद की सजा सुनाई गई। उसे मंडोली जेल में रखा गया था। 3 सितंबर 2020 को तीन हफ्ते की फर्लो पर इसे रिहा किया गया था। उसे समय-समय पर 15 मार्च 2021 तक बढ़ाया गया था, लेकिन उसने तय तारीख पर सरेंडर नहीं किया और तब से फरार था।

देश के युवा विकसित भारत के हैं शिल्पकार : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। युवा केवल विकसित भारत के लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि इस परिवर्तन के प्राथमिक शिल्पकार भी हैं। यह बात मंगलवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के 35वें वार्षिकोत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। विजेंद्र कहा कि यह संस्थान केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं है, बल्कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के उन सपनों का प्रतीक है, जिन्होंने शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की परिकल्पना की थी। छात्रों को प्रेरित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्तमान युग प्रतिभा और नवाचार का है। उन्होंने उल्लेख किया कि युवा एक पुनरुत्थानवादी भारत का हिस्सा हैं जो दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमेशा याद रखें, आपकी डिग्री केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं है, बल्कि समाज के प्रति आपकी जिम्मेदारी की घोषणा है। बाबासाहेब अंबेडकर के प्रतिष्ठित आह्वान शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने जोर दिया कि आधुनिक संदर्भ में इसका अर्थ राष्ट्रीय चुनौतियों को हल करने और समावेशी विकास को गति देने के लिए शिक्षा का उपयोग करना है। इस कार्यक्रम में कॉलेज प्रशासन, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। समारोह के दौरान अध्यक्ष विजेंद्र ने मेधावी छात्रों को शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

महिला समेत दो गिरफ्तार, बच्चा बरामद

आंबेडकर अस्पताल से नवजात शिशु अगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रोहिणी स्थित डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल के प्रसव कक्ष से मंगलवार को तीन दिन के एक नवजात शिशु का अपहरण कर लिया गया। मामला सामने आने के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया और कुछ ही घंटों के भीतर बच्चा बरामद कर लिया गया। इस सिलसिले में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार घटना की सूचना पीसीआर कॉल के माध्यम से सुबह करीब नौ बजे उत्तरी रोहिणी थाने को दी गई थी। कॉलर ने बताया कि अस्पताल से एक नवजात शिशु का अपहरण कर लिया गया है। शिकायतकर्ता नरेला निवासी शाहीन ने पुलिस को बताया कि उसे 12 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसने 14 फरवरी को एक लड़के को जन्म दिया था। प्रसव कक्ष में भर्ती रहने के दौरान लगभग 30 वर्ष की एक अज्ञात महिला अक्सर उसके पास आती और बातें करती थी। इस तरह उसने मां का विश्वास धीरे-धीरे जीत लिया। 17 फरवरी को सुबह लगभग पांच बजे, महिला ने कथित तौर पर दूध पिलाने के बहाने शाहीन से नवजात शिशु को ले लिया। उसकी बात पर विश्वास करते हुए मां ने बच्चे को उसे सौंप दिया। बाद में वह सो गई। जब शाहीन सुबह करीब आठ बजे उठी तो उसने पाया कि महिला और उसका बच्चा दोनों वार्ड से गायब थे। उसने तुरंत अपने पति को सूचना दी और पीसीआर कॉल की गई।

पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर उत्तरी रोहिणी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (2) अपहरण के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। महिला और बच्चे का पता लगाने के लिए कई टीमें गठित की गई। संदिग्ध की गतिविधियों का पता लगाने के लिए अस्पताल के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच की गई। फुटेज की प्रारंभिक जांच में शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए विवरण से मेल खाने वाली एक महिला को नवजात शिशु को गोद में लिए हुए अस्पताल परिसर से बाहर निकलते हुए देखा गया है।

अस्पताल के कर्मचारियों, सुरक्षा गार्डों और वार्ड परिचारकों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि महिला वार्ड में कैसे पहुंची और क्या वह किसी की रिश्तेदार या तिमारदार बनकर वार्ड में घुसी थी। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे से बच्चा बरामद कर लिया है। महिला और एक पुरुष को पकड़ा गया है। पकड़े गए एक आरोपी का नाम अहिबरन सक्सेना बताया गया है। वह नोएडा की पत्थर मार्केट में काम करता था।

भाजपा बताए, शिक्षा मंत्री आशीष सूद का एपीजे स्कूल से क्या है रिश्ता : सौरभ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने बच्चों के एडमिट कार्ड को लेकर देर रात तक शिक्षा मंत्री आशीष सूद के घर में बैठे मिले एपीजे स्कूल के प्रिंसिपल और मैनेजर को लेकर सवाल खड़ा किया है। 'आप' के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भाजपा से पूछा कि शिक्षा मंत्री आशीष सूद का एपीजे स्कूल से क्या रिश्ता है। स्कूल का काम बच्चों को एडमिट कार्ड देने का होता है, लेकिन एपीजे स्कूल के प्रिंसिपल बच्चों का एडमिट कार्ड लेकर सोमवार देर रात तक शिक्षा मंत्री के घर क्यों बैठे रहे। आशीष खुद को 18 लाख बच्चों का अभिभावक बताते हैं। अगर ऐसा सच में होता तो वे एडमिट कार्ड रोकने पर एपीजे स्कूल पर एफआईआर कराते, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मंगलवार को 'आप' विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार के साथ प्रेस वार्ता कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सोमवार को बच्चों के एडमिट कार्ड को लेकर दिन भर आम आदमी पार्टी ने एपीजे स्कूल के बाहर धरना दिया।

द्वारका सड़क हादसा : एसयूवी के अंदर से बनाई क्लिप में टक्कर के आखिरी क्षण कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

फरवरी महीने की शुरुआत में द्वारका में एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने वाली 'एसयूवी' के अंदर से शूट किया गया कथित वीडियो ऑनलाइन सामने आया है। उसमें टक्कर का वह पल देखा जा सकता है जिसमें 23 वर्षीय साहिल धनेशरा की मौत हो गई थी।

बाइक सवार साहिल की मां ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया है कि 17 वर्षीय लड़के के पास लाइसेंस नहीं था और वह लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण तीन फरवरी को अपराह्न 12 बजे के आसपास लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के निकट उस कार से दुर्घटना हुई। एसयूवी चालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था, जहां से उसे सुधार गृह भेज दिया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। वायरल वीडियो में किशोर चालक गाड़ी को मोड़ते हुए एक ऐसी सड़क पर आते हुए दिखाया गया है, जो दोनों तरफ खड़ी गाड़ियों से घिरी हुई है, जिससे रास्ता संकुचित हो जाता है। कथित तौर पर कार में मौजूद किशोर चालक की बहन ने यह क्लिप बनाई। वीडियो में दूसरी लेन पर एक पीली बस नजर आती है और जब कार तथा बस एक दूसरे के पास से निकल रहे हैं, तभी बस के पीछे से एक बाइक आती है और कार एवं बाइक की आमने-सामने से टक्कर हो जाती है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में धनेशरा की मां ने दावा किया कि 17 साल का लड़का सोशल मीडिया पर मशहूर होने के लिए लापरवाही से गाड़ी चला रहा था।

उन्होंने अपने बेटे के लिए न्याय की मांग की, जबकि पुलिस ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस ने कहा कि वीडियो की जांच एक अहम सबूत के तौर पर की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि दुर्घटना की वजह क्या थी। पुलिस ने बताया कि 10 फरवरी को उसकी दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं का हवाला देते हुए उसे अंतरिम जमानत दी गई थी।

खबर संक्षेप

शोध आधारित मरीज देखभाल पर राष्ट्रीय मंथन

फरीदाबाद। अमृता विश्व विद्यापीठम के अमृता कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा अमृता हॉस्पिटल में

नेशनल कॉन्फ्रेंस एंड नर्सिंग रिसर्च समिट का आयोजन क्लिनिकल नर्सिंग रिसर्च सोसाइटी (नॉर्थ ज़ोन) के सहयोग से किया गया। देश के 21 राज्यों से 750 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लेकर मरीज सुरक्षा, नर्सिंग स्टाफ की चुनौतियों और डिजिटल स्वास्थ्य पर विचार-विमर्श किया।

पीएम को शिकायत कर की जांच कराने की मांग

गुरुग्राम। लोक निर्माण विभाग में चल रही गड़बड़ व घालमेल को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री व

भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकी राम कंवर ने पीएम से पीडब्ल्यूडी के अभियंता की शिकायत कर जांच की मांग की। कंवर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्रीय एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कंवर ने कहा कि विभाग में पदों पर रहते हुए नियमों की अनदेखी कर चुनिंदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया।

फोर्टिज ने सर्जरी के बाद महिला को दी नई जिंदगी

गुरुग्राम। करीब 40 साल से मोबिलिटी की समस्या से जूझ रही 47 वर्षीया महिला को फोर्टिस

एस्कॉर्ट्स अस्पताल हिप रिवीजन सर्जरी कर नई जिंदगी दी है। महिला किशोरावस्था में गिरी तो उसके दाएं-कूल्हे की सर्जरी की गई थी। अगले करीब 35 वर्षों तक वह कूल्हे में प्लेटों और स्क्रू के साथ जीने के लिए मजबूर थी। उन्हें दर्द सहना पड़ रहा था।

पेड़ से लटका मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

फरीदाबाद। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र में अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिलने से

सनसनी फैल गई। लोगों ने सुबह 8 बजे जेसीबी कंपनी के पीछे जंगल की ओर एक व्यक्ति को गमछे के सहारे फंदे पर लटका देखा। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। एएसआई भूपेंद्र कुमार ने बताया कि घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया और फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया।

बंद दुकान में घुसी कार दो व्यक्ति घायल

फरीदाबाद। जिले की संजय कॉलोनी में सोमवार तड़के करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार कार बंद पड़ी

दुकान में जा घुसी। हादसे के समय दुकान के बाहर आग ताप रहे दो लोगों में से एक व्यक्ति कार की चपेट में आकर घायल हो गया। उसे तुरंत बीके अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। अचानक तेज धमाके की आवाजः स्थानीय निवासी राहुल ने बताया कि वह सुबह वहां से गुजर रहे थे, तभी जोरदार आवाज सुनाई दी।

मैरिज सर्टिफिकेट के नाम पर रिश्वत लेते काबू

फरीदाबाद। नगर निगम में कार्यरत एक महिला क्लर्क को मैरिज सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर दो

हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने की। आरोपी की पहचान मोनिका भाटिया के रूप में हुई है, जो एचकेआरएनएल के तहत ज्वाइंट कमिश्नर एनआईटी कार्यालय में तैनात बताई जा रही है।

---

5 दिवसीय अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफल आयोजन

फरीदाबाद की संस्कृति से रूबरू हुए गुजरात के युवा

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ना, राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सहिष्णुता और भारतीय संस्कृति से परिचित कराना तथा ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण और जनप्रतिनिधियों से संवाद का अवसर प्रदान करना था। इस दौरान प्रतिभागियों को झरना मंदिर मोहफ्फताबाद, सूरजकुंड क्राफ्ट मेला, बढ़खल झील, ओम शांति केंद्र और सतयुग दर्शन ज्ञान केंद्र भूपानी का भ्रमण कराया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

मेरा युवा भारत फरीदाबाद द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 12 से 16 फरवरी 2026 तक 5 दिवसीय अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों के भोजन एवं आवास की व्यवस्था राजस्थान भवन, सेक्टर-10 फरीदाबाद में की गई।

ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण और जनप्रतिनिधियों से संवाद

जिला युवा अधिकारी प्रियंका मलिक ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ना, राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सहिष्णुता और भारतीय संस्कृति से परिचित कराना तथा ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण और जनप्रतिनिधियों से संवाद का अवसर प्रदान करना था। इस दौरान प्रतिभागियों को झरना मंदिर मोहफ्फताबाद, सूरजकुंड क्राफ्ट मेला, बढ़खल झील, ओम शांति केंद्र और सतयुग दर्शन ज्ञान केंद्र भूपानी का भ्रमण कराया गया।

आयुर्वेदाचार्य राजेश भाटी ने योग प्रशिक्षण भी दिया

कार्यक्रम में डॉ. एम.पी. सिंह, सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक एम.पी. शर्मा, डॉ. रचना सैनी और रेड क्रॉस सोसायटी से दर्शन भाटिया ने राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण, विकसित भारत-2047 और प्राथमिक चिकित्सा पर मार्गदर्शन दिया। योगी एवं आयुर्वेदाचार्य राजेश भाटी ने योग प्रशिक्षण भी दिया। गुजरात और फरीदाबाद के युवाओं ने भाषा, संस्कृति, खान-पान और लोकनृत्य के माध्यम से आपसी संवाद बढ़ाया। समापन समारोह में राज्य निदेशक पूनम शर्मा ने प्रमाण-पत्र वितरित किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसीएस ने वीसी कर लंबित कार्यों की समीक्षा की

नागरिकों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

खास बातें

- एग्रीस्टैक से जुड़े सभी कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए
- म्यूटेशन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो

गृह विभाग हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने मंगलवार को प्रदेशभर के जिला उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक लेते हुए विभिन्न एजेंडों पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने राजस्व से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों में अपेक्षित गति लाने के निर्देश दिए। कहा कि कई प्रमुख मामले जैसे पार्टीशन केस, म्यूटेशन, डिमार्केशन, राजस्व न्यायालयों के प्रकरण तथा पेपरलेस रजिस्ट्रेशन इन विषयों का सीधा संबंध आम नागरिकों से होने के कारण इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सतबीर मान संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस में शामिल हुए।

एडीसी सतबीर मान ने वीसी के उपरान्त सम्बंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए निर्देश दिए कि सभी लंबित म्यूटेशन कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि म्यूटेशन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो और आमजन को समय पर सुविधा मिल सके। इसके साथ ही प्रशासन ने ततिमा (भूमि नक्शा) को अद्यतन करने पर विशेष जोर दिया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी लंबित ततिमा रिकॉर्ड को शीघ्र अपडेट किया जाए, ताकि भूमि से जुड़े अभिलेख सही, पारदर्शी और डिजिटल रूप में उपलब्ध हो सकें। इससे भूमि विवादों में कमी आएगी और नागरिकों को राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

एडीसी सतबीर मान ने बताया गया कि एग्रीस्टैक परियोजना के अंतर्गत किसानों से संबंधित डिजिटल डाटा तैयार किया जा रहा है। प्रशासन ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि एग्रीस्टैक से जुड़े सभी कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही सीमा स्तंभ निर्माण कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भूमि सीमाओं को लेकर किसी प्रकार का भ्रम या विवाद न रहे।

बैठक में एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, डीआरओ विकास सिंह, बड़खल तहसीलदार नेहा सहारन, बल्लभगढ़ तहसीलदार भूमिका लांबा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी नगर निगम के मजबूत स्तंभ

सफाई कर्मियों को ट्रैकशूट, हाजिरी शेड के लिए मेडिकल किट वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

नगर निगम फरीदाबाद की महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने आज नगर निगम के सभी 2950 सफाई कर्मचारियों को ट्रैकसूट वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने हाजिरी शेड के लिए 82 मेडिकल किट प्रदान करने के साथ-साथ कर्मचारियों के बैठने की सुविधा हेतु 82 टेबल एवं 82 कुर्सियां भी भेंट कीं। महापौर ने कहा कि सफाई कर्मचारियों द्वारा पूर्व में रखी गई मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी कर्मचारियों की उचित मांगों को नगर निगम की ओर से पूरा किया जाता रहेगा और किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर निगम के मजबूत स्तंभ हैं, जिनकी मेहनत से शहर स्वच्छ और सुंदर बनता है।

ये अधिकारी रहे मौजूद

ट्रैकसूट वितरण कार्यक्रम के दौरान एडिशनल कमिश्नर गौरव अंतिल, कार्यकारी अभियंता डालचंद शर्मा, सफाई यूनियन के प्रधान बलवीर बालगुहेर, सफाई निरीक्षक मुख्यालय मिशन तेवतिया,सफाई निरीक्षक हरबीर रावत,सहायक सफाई निरीक्षक अजीत रावत, जितेंद्र छाबड़ा एवं श्रीनंद ढकोलिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनाधिकृत व्यावसायिक भवनों की जांच के निर्देश, हर शुक्रवार रिपोर्ट अनिवार्य

नगर निगम फरीदाबाद के आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने निगम क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे अनाधिकृत व्यावसायिक भवनों पर सख्ती दिखाते हुए व्यापक जांच के निर्देश दिए हैं। कहा कि बिना अनुमति निर्मित व्यावसायिक इमारतों के कारण निगम को भारी राजस्व हानि हो रही है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगमायुक्त ने मुख्य नगर योजनाकार, वरिष्ठ नगर योजनाकार और वरिष्ठ वास्तुकार को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ मिलकर प्रत्येक सप्ताह कम से कम पांच-पांच अनाधिकृत व्यावसायिक भवनों की पहचान सुनिश्चित करें। प्रत्येक प्रकरण की केसवार रिपोर्ट तैयार कर आवश्यक कार्रवाई के सुझावों सहित हर शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है।

कंपनी मालिक और मैनेजर पर केस

निष्पक्ष जांच व मुआवजे की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

सेक्टर-24 स्थित कालका स्टील कंपनी में हुए भीषण ब्लास्ट और आगजनी मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कंपनी मालिक और मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मुजेसर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 118(1) और 124(1) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री परिसर में ज्वलनशील केमिकल बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के ड्रमों में रखे गए थे, जिसके चलते यह बड़ा हादसा हुआ। सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे सीएनसी मशीन से निकली चिंगारी के कारण केमिकल ड्रम में आग लगी और देखते ही देखते एक के बाद एक धमाके होने लगे। आग का गुबार करीब 50 मीटर तक उठता दिखाई दिया। हादसे में अब तक 42 लोग झुलस चुके हैं, जिनमें तीन पुलिसकर्मी और दो दमकल कर्मचारी भी शामिल हैं। कई घायलों को दिल्ली के एम्स और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य का उपचार फरीदाबाद के सरकारी व निजी अस्पतालों में चल रहा है। कंपनी मालिक विजय मोगर भी गंभीर रूप से झुलसे हैं।

बजट स्वीकृत कर जर्जर स्कूल भवनों के पुनर्निर्माण की मांग, मंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭फरीदाबाद

चौधरी छोटू राम सेवा समिति, खेड़ी कलां ने आज हरियाणा सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री राजेश नागर को ज्ञापन सौंपकर गांव के राजकीय बाल प्राथमिक पाठशाला (11362) और राजकीय कन्या प्राथमिक मॉडल संस्कृति विद्यालय (11363) की जर्जर व अनुपयोगी घोषित इमारतों के पुनर्निर्माण की मांग की। समिति ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक, पंचकूला से बजट स्वीकृत कराने की अपील की। दोनों विद्यालयों के निर्माण प्रस्ताव का लागत अनुमान जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, फरीदाबाद द्वारा भेजा जा चुका है। समिति प्रधान सत्यपाल नरवत ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने मई 2025 में विद्यालयों का दौरा कर बच्चों की सुरक्षा पर चिंता जताई थी।

सरिया चोर गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद। स्वाट टीम, अपराध शाखा व थाना वेवसिटी पुलिस ने मंगलवार को संयुक्त कार्यवाही में सरिया चोर गिरोह का पर्दाफ़ाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कम्प्यूट्रीकृत धर्मकांटे में प्रयुक्त होने वाली 2 इलेक्ट्रॉनिक चिप व इलेक्ट्रॉनिक चिप को ऑपरेट करने वाले 10 अदद रिमोट, चोरी का सरिया को ढोने में उपयोग में लाये जा रहे फर्जी नम्बर प्लेट लगे 03 अदद 18 टायरा ट्रक ट्रॉले, जिनमें लदा 44,550 किलोग्राम चोरी का सरिया व घटना में प्रयुक्त ग्राण्ड विटारा कार व टेस्टिंग मशीन सहित अन्य उपकरण बरामद किये हैं।

नगर आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग तथा टीम से की बैठक

गार्बेज फ्री सिटी में गाजियाबाद को 7 स्टार बनाने के लिए निगम की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों तथा एसबीएम टीम से बैठक की गई ।साथ ही गाजियाबाद को उत्तर प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी नंबर वन बनाने के लिए टीम को मोटिवेट किया गया। गाजियाबाद को स्वच्छ सर्वेक्षण में गार्बेज फ्री सिटी में 7 स्टार बनाने, वाटर प्लस में फिर से शामिल होने के लिए योजना बनाई गई, मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, जोनल सफाई अधिकारी व समस्त जोन के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, एसबीएम टीम के सभी सदस्य उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण की शुरुआत हो चुकी है जिसके क्रम में लगातार जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के कार्यों को गति मिल रही है जिसमें हर घर को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी शहर वासियों को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक किया जा रहा है गीला कचरा अलग तथा सूखा कचरा अलग रखने की आदत बनाने के लिए निगम का प्रयास जारी है, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन को बढ़ावा दिया गया है ।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड, पंचकूला (एचएमएससीएल)	औषधियों के भण्डारण के लिए करनाल में भण्डार गृह की लीज के लिए ऑनलाइन निविदा।	17.02.2026 10.03.2026	रु.4,20,00,000/-	www.hmscl.org.in	0172-478822 hmsctenders@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/43086/I/88/7 दि. 17.02.26

एसबीईसी सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड
CIN: L74210DL1987PLC029979
पंजी. कार्यालय : 1400, हेमकुंट टावर 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
Ph.: 011-42504954/4878, Fax: 28293822
Email id: sbecsystems@rediffmail.com website: www.sbecsystems.in
फिजिकल शेयरों के हस्तांतरण आग्रह के पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु स्पेशल विंडो का खुलना

कम्पनी के शेयरधारकों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि सेबी सरकुलर नं. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026 दिनांक 30 जनवरी 2026 के अनुसरण में, फिजिकल शेयर जो 01 अप्रैल 2019 से पूर्व बेचे अथवा खरीदे गये थे, के हस्तांतरण और डिमैटीरियलाइजेशन ('डिमैट') हेतु एक स्पेशल विंडो 05 फरवरी 2026 से 04 फरवरी 2027 तक एक वर्ष की अवधि के लिए आगे खोली गई है।

यह सुविधा हस्तांतरण आग्रहों के लिए भी उपलब्ध होगी जो पूर्व में जमा करवाए गए थे परन्तु दस्तावेजीकरण में कमी(यां), प्रक्रियात्मक मुद्दों अथवा किसी अन्य कारण की वजह से निरस्त कर दिये गये थे, लौटा दिये गये थे, अथवा प्रोसेस नहीं किए गए थे।

शेयरधारक आगे ध्यान दें कि इस स्पेशल विंडो के तहत हस्तांरित किए गए शेयर केवल डिमैटीरियलाइज्ड रूप में हस्तांतरिती को अनिवार्य रूप से क्रेडिट किए जाएंगे और हस्तांतरण के पंजीकरण की तिथि से एक वर्ष की लॉक-इन अवधि के अधीन होंगे। उक्त लॉक-इन अवधि के दौरान, ऐसी प्रतिभूतियों को हस्तांतरित/गृहणाधिकार-चिन्हित, अथवा गिरवीकृत नहीं किया जाएगा।

शेयरधारकों से आग्रह किया जाता है कि ऐसे मामले शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) और किसी इश्यू के लिए रजिस्ट्रार के पास सभी सम्बन्धित दस्तावेजों सहित 04 फरवरी 2027 को या इससे पूर्व, मै. बीटल फाइनैंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसेज प्रा. लि., बीटल हाउस, तृतीय तल, 99 मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, निकट दादा हरसुखदास मंदिर, नई दिल्ली-110062 में beetalrta@gmail.com पर पुनः दायर करें।

कृते एसबीईसी सिस्टम्स इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
हिमानी मित्तल
(कम्पनी सचिव)
एम.एन. एसीएस 37715

दिनांक : 17.02.2026
स्थान : नई दिल्ली

एसबीईसी शुगर लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : गांव लोयान मलकपुर, तहसील बड़ौत, जिला बागपत, उत्तर प्रदेश-250611
CIN: L15421UP1991PLC019160
Tel.: 01234-259206 Fax:+91-1234-259200
E-mail: investors@sbecsugar.com, Website: www.sbecsugar.com
फिजिकल शेयरों के हस्तांतरण आग्रह के पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु स्पेशल विंडो का खुलना

कम्पनी के शेयरधारकों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि सेबी सरकुलर नं. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026 दिनांक 30 जनवरी 2026 के अनुसरण में, फिजिकल शेयर जो 01 अप्रैल 2019 से पूर्व बेचे अथवा खरीदे गये थे, के हस्तांतरण और डिमैटीरियलाइजेशन ('डिमैट') हेतु एक स्पेशल विंडो 05 फरवरी 2026 से 04 फरवरी 2027 तक एक वर्ष की अवधि के लिए आगे खोली गई है।

यह सुविधा हस्तांतरण आग्रहों के लिए भी उपलब्ध होगी जो पूर्व में जमा करवाए गए थे परन्तु दस्तावेजीकरण में कमी(यां), प्रक्रियात्मक मुद्दों अथवा किसी अन्य कारण की वजह से निरस्त कर दिये गये थे, लौटा दिये गये थे, अथवा प्रोसेस नहीं किए गए थे।

शेयरधारक आगे ध्यान दें कि इस स्पेशल विंडो के तहत हस्तांरित किए गए शेयर केवल डिमैटीरियलाइज्ड रूप में हस्तांतरिती को अनिवार्य रूप से क्रेडिट किए जाएंगे और हस्तांतरण के पंजीकरण की तिथि से एक वर्ष की लॉक-इन अवधि के अधीन होंगे। उक्त लॉक-इन अवधि के दौरान, ऐसी प्रतिभूतियों को हस्तांतरित/गृहणाधिकार-चिन्हित, अथवा गिरवीकृत नहीं किया जाएगा।

शेयरधारकों से आग्रह किया जाता है कि ऐसे मामले शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) और किसी इश्यू के लिए रजिस्ट्रार के पास सभी सम्बन्धित दस्तावेजों सहित 04 फरवरी 2027 को या इससे पूर्व, मै. बीटल फाइनैंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसेज प्रा. लि., बीटल हाउस, तृतीय तल, 99 मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, निकट दादा हरसुखदास मंदिर, नई दिल्ली-110062 में beetalrta@gmail.com पर पुनः दायर करें।

कृते एसबीईसी शुगर लिमिटेड
हस्ता/-
ए.के. गोयल
कम्पनी सचिव

दिनांक : 17.02.2026
स्थान : नई दिल्ली

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	सूचना जन सम्पर्क, भाषाएं एवं संस्कृति निदेशालय हरियाणा	''इको-फ्रैंडली डिजिटल वॉल प्रिंटिंग के लिए फर्म/एजेंसियों का पैनल तैयार करने'' हेतु ई-निविदा।	18.02.2026 05.03.2026	ईएमडी 2 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0172-5059128 diprexhibition@gmail.com
2	लोनिवि भ व प हिसार	डीएच हिसार, जिला हिसार में ई.आई. (वैद्युत कार्य) की विशेष मरम्मत (लैब, वरिष्ठ नागरिक कॉर्नर, स्टोर, क्वार्टर नं. 15, जीएनएम हॉस्टल और जीएनएम स्कूल के लिए ई.आई. आंतरिक का प्रावधान केवल)	16.02.2026 25.02.2026	21.08 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
3	लोनिवि भ व प करनाल	करनाल जिले में जाम्बा में राजकीय आईटीआई का निर्माण (ईएलवी सेवाओं का प्रावधान केवल) + 3 कार्य।	17.02.2026 26.02.2026	351.63 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
4	लोनिवि भ व प जीन्द	जीन्द जिले में सफीदों में एस.डी.ई. आवास की विशेष मरम्मत।	बंद होने की तिथि 23.02.2026	4.62 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8398098075 pwdeepdjind@gmail.com
5	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा बहादुरगढ़	आर.डी. 0 से 15000 तक केसीबी ड्रेन के किनारे का मजबूतीकरण + 2 कार्य।	बंद होने की तिथि 23.02.2026	599.42 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01276-298418 wsdivisionbgarh@gmail.com
6	सिविल सर्जन अम्बाला	वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु डीएचएफडब्ल्यूएस, अम्बाला हेतु समवर्ती अंकेक्षक की नियुक्ति के लिए ई-निविदा के सम्बन्ध में।	18.02.2026 04.03.2026		https://etenders.hry.nic.in	1712557473 dhs.csamb@hry.nic.in
7	सिविल सर्जन अम्बाला	अम्बाला जिले के शहरी क्षेत्र के लिए माइकिंग सहित ई-रिक्शा को किराये पर लेने के लिए ई-निविदा आमंत्रण।	17.02.2026 23.02.2026		https://etenders.hry.nic.in	1712557473 dhs.csamb@hry.nic.in
8	हरियाणा पुलिस	हरियाणा पुलिस के लिए 2000 अदद 9 एमएम पिस्टल की खरीद।	16.02.2026 03.03.2026	590 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416431319 Supdt.provphq@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2026/160/43083/I/88/7 दि. 17.02.26

राहुल गांधी व अखिलेश यादव की दृष्टि नकारात्मक, उन्हें कोई संतुष्ट नहीं कर सकताः योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के बढ़ते बजट और विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सोच को नकारात्मक बताते हुए कहा कि वे कभी संतुष्ट नहीं हो सकते।

इस बार 9 लाख, 12 हजार 600 करोड़ से ज्यादा का बजट

एजेंसी ⏭ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यानी मंगलवार को एक निजी चैनल के कार्यक्रम में कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के बारे में बात करते हुए उन्होंने दोनों को नकारात्मक सोच वाला बताया। एक निजी चैनल को इंटरव्यू देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि साल 2017 में जब उत्तर प्रदेश में डबल इंडिन की सरकार बनी, तब तक 2016-17 में पिछली सरकार ने 3 लाख करोड़ का बजट पेश किया था। उन्होंने कहा, आज उत्तर प्रदेश विकास के रथ पर सवार है और इस साल हमने इस बार 9 लाख, 12 हजार 600 करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया है।

'जैसी दृष्टि, वैसी सृष्टि

सीएम योगी ने 'जैसी दृष्टि, वैसी सृष्टि' मुहावरे का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी दृष्टि में ही खोट है। उनकी दृष्टि देश के लिए कभी भी सकारात्मक नहीं थी, बल्कि नकारात्मक ही है। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकारों ने यूपी को बहुत खराब स्थिति में पहुंचा दिया था। पिछले 9 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्गदर्शन में हम यूपी को विकास के रास्ते पर लेकर आए हैं। योगी ने कहा कि आजादी के बाद साल 1950 तक भारत की अर्थव्यवस्था में यूपी का योगदान 14 फीसद था। उन्होंने प्रश्न करने के अंदाज में पूछा कि इन 70 वर्षों में ऐसी कौन सी परिस्थिति थी कि यूपी का योगदान लगातार कम होता गया और 2017 तक आते-आते यूपी का भारत की इकोनॉमी में योगदान मात्र 8 फीसद रह गया।

'उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का राज्य था और है'

सीएम ने कहा कि उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हमेशा से अनलिमिटेड पोटेंशियल का राज्य था, यह बीमारू राज्य नहीं था। पहले की सरकारों ने प्रदेश की इस तरह की छवि बना रखी थी। जब पात्र लोगों के हाथों में सत्ता आई तो विकास दिखने भी लगा। सीएम योगी ने कहा कि कुपात्रों ने इस अनलिमिटेड पोटेंशियल को रसातल की ओर ले जाने का काम किया।

खबर संक्षेप

अंगूठी व माला पहनकर नहीं दे सकेंगे परीक्षा

वाराणसी। 18 फरवरी से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षा में अंगूठी या फिर

माला पहनकर परीक्षा नहीं देनी है। बालिका विद्यालयों में महिला कक्ष निरीक्षकों की व्यवस्था होगी। किसी भी दशा में सचल दल या निरीक्षण दल के पुरुष बालिका परीक्षार्थियों की तलाशी नहीं लेंगे। अपर सचिव विनोद राय ने बताया कि केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी गई है।

51 रुपए रोज पर नियुक्त माली ने लड़ी कानूनी लड़ाई

देवघर। झारखंड के देवघर में 51 रुपए प्रतिदिन की मजदूरी पर माली के रूप में काम करने वाले मोतीराम

को लंबी कानूनी लड़ाई के बाद बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सेवा नियमित करने का आदेश दिया है। 24 साल की सेवा व चार साल की कानूनी जंग के बाद 2026 में उन्हें यह राहत मिली। शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करते हुए यह आदेश दिया।

मनरेगा बचाओ महासंग्राम

यूपी विधानसभा घेराव करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, कई गिरफ्तार

बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता राजधानी लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने के लिए कूच कर रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई...

एजेंसी ⏭ लखनऊ/अलीगढ़

उत्तर प्रदेश में मंगलवार को मनरेगा और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर कांग्रेस विरोध प्रदर्शन कर रही थी, जिसे देखते हुए कई बड़े नेताओं को नजरबंद किया गया । बड़ी संख्या में कार्यकर्ता राजधानी लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने के लिए कूच कर रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में आज सुबह 11 बजे विधानसभा की ओर मार्च करने की योजना थी।

खास बातें

- सुबह विधानसभा की ओर जाते हुए कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए
- जाति और धर्म के आधार पर दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों को निशाना बना रही भाजपा सरकार

'कई कांग्रेस कार्यकर्ता नजरबंद'

पार्टी सूत्रों के मुताबिक कई जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नजरबंद किया गया। इसके बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पहुंच चुके थे। कई कार्यकर्ताओं ने रात पार्टी कार्यालय में ही गुजारी और आज प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं।

भाजपा सरकार में बढ़ रहा अपराध'

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार में अपराध लगातार बढ़ रहा है। पार्टी का कहना है कि सरकार जाति और धर्म के आधार पर दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों को निशाना बना रही है और अपराधियों को संरक्षण दे रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे

प्रदर्शन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, नेता विधानमंडल कांग्रेस आराधना मिश्रा मोना, विधायक वीरेंद्र चौधरी समेत कई सांसद, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हैं। प्रदेश भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे थे। सुबह विधानसभा की ओर जाते हुए कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए। अजय राय समेत कई नेता बैरिकेड्स के ऊपर चढ़ गए। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा।

पुलिस का कड़ा पहरा

अलीगढ़ में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ठाकुर सोमबीर सिंह को लोधा स्थित उनके पैतृक गांव मूसेपुर में हाउस अरेस्ट कर लिया। उनके आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया ताकि वह लखनऊ कूच न कर सकें। इसके अलावा, अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी रोक दिया गया, जिनमें विवेक बंसल (पूर्व विधायक),श्योराज जीवन (वरिष्ट नेता),नावेद खान (शहर अध्यक्ष),शेरपाल सविता आदि शामिल हैं।

चिराग पासवान के विधायक ने कहा-

शव जलाने से प्रदूषण होता है तो बरस पड़े एनडीए के मंत्री-विधायक

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार विधानसभा में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के एक विधायक के बयान पर सत्ता पक्ष में असहजता की स्थिति बन गई। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत शवदाह गृहों के निर्माण की मांग करते हुए लोजपा-आर विधायक राजू तिवारी ने सदन में कह दिया कि लकड़ी से शवों को जलाने पर प्रदूषण होता है। इस बात पर सत्ता पक्ष के सदस्य ही उन पर भड़क गए। पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश से लेकर भाजपा विधायक जीवेश मिश्रा समेत अन्य सदस्य उन्हें टोकने लगे।

ध्यानाकर्षण में विद्युत शवदाह गृह की कमी का मुद्दा उठाया

विधानसभा की बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान में लोजपा-आर के गोविंदगंज से विधायक राजू तिवारी ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में विद्युत शवदाह गृह की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य में पारंपरिक रूप से दाह संस्कार करने पर लकड़ियों की जरूरत पड़ती है। वर्तमान में लकड़ियों की बढ़ती कमी, लागत और पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण की आवश्यकता को देखते हुए, विद्युत शवदाह गृह बनाने की जरूरत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि बिहार के अधिकतर प्रखंडों में अभी विद्युत शवदाह गृह नहीं के बराबर हैं। इस कारण आम नागरिकों को दाह संस्कार के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लकड़ी से शवों को जलाने पर वनों की कटाई तेज हो गई है और प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

पंचायती राज मंत्री ने जताई आपत्ति

नीतीश सरकार में पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने लोजपा-आर विधायक की इस बात पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विधायक ने दाह संस्कार को प्रदूषण से जोड़ा है, जो ठीक नहीं है। पर्यावरण संरक्षण अच्छी बात है लेकिन इसे प्रदूषण के नजरिए से देखना उचित नहीं है। वहीं, सदन में मौजूद भारतीय जनता पार्टी के विधायक जीवेश मिश्रा और सत्ता पक्ष के अन्य सदस्यों ने भी राजू तिवारी को टोका। इससे सत्ता पक्ष में असहजता का माहौल बन गया।

पेज एक का शेष

सामरिक से 'विशेष ...

आयोजन स्थल पर दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की मौजूदगी रही। यहां बता दें कि फ्रांस के राष्ट्रपति राजधानी में आयोजित किए जा रहे एआई इंपैक्ट सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। पीएम मोदी के साथ हुई उनकी ये बैठक भी इसी के तहत हुई है। मुंबई के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति राष्ट्रीय राजधानी का रुख करेंगे और एआई इंपैक्ट सम्मेलन में शिरकत करेंगे। वैश्विक स्थिरता, प्रगति की साझेदारी बैठक के बाद दिए संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब हमारी साझेदारी केवल सामरिक नहीं है। बल्कि आज के अस्थिरता वाले इस युग में यह वैश्विक स्थिरता और प्रगति को एक ताकत प्रदान करने वाली साझेदारी है। जिसे राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर हमने अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा प्रदान की है। हम फ्रांस की विशेषज्ञता और भारत के कौशल को जोड़ते हुए विश्वसनीय तकनीक विकसित कर रहे हैं। दोनों देशों की कोशिश अंतरराष्ट्रीय सौर संघ, इंडिया मध्य एशिया आर्थिक गलियारे और संयुक्त विकास परियोजनाओं के जरिए मानव का विकास सुनिश्चित करने की है। साथ ही दोनों देश बहुपक्षवाद, संवाद और कूटनीति से स्थिरता और समृद्धि के प्रयासों को बल देते रहेंगे।

आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे: पीएम ने ये भी कहा, भारत, फ्रांस दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम के शासन और बहुध्रुवीय दुनिया में विश्वास रखते हैं। हम इस बात को लेकर भी एकमत हैं कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार से ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान निकलेगा। दोनों देश यूक्रेन, पश्चिम एशिया और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति के सभी प्रयासों को समर्थन प्रदान करते रहेंगे। इसके अलावा आतंकवाद के सभी रूपों और प्रकारों को जड़ से मिटाना हमारी साझा प्रतिबद्धता है।

नवाचार के लिए एकांत नहीं सहयोग जरूरी : उन्होंने कहा कि भारत-फ्रांस नवाचार के वर्ष के लांच से हम अपनी सामरिक साझेदारी को लोगों की साझेदारी बनाने जा रहे हैं। क्योंकि नवाचार कभी भी एकांत में नहीं होता है। बल्कि ये सहयोग से संभव है। इस कवायद से हमारा लक्ष्य लोगों के बीच संपर्क को मजबूत बनाने का है। रक्षा से लेकर स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष या फिर उभरती हुई तकनीक के क्षेत्र में दोनों देश अपने उद्योगों और नवाचार प्रवर्तकों को आपस में जोड़ेंगे। स्टार्टअप और एमएसएमई के बीच मजबूत नेटवर्क बनाएंगे। छात्रों, शोधकर्ताओं के बीच आदान-प्रदान सुगम होगा और संयुक्त नवाचार के नए केंद्र भी तैयार किए जाएंगे। जटिल खनिजों, जैव-तकनीक और उन्नत मटेरियल में अपना सहयोग और बढ़ाया जा रहा है। दोनों देश इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर एआई के जरिए स्वास्थ्य, सेंटर फॉर डिजिटल साइंस-टेक, एरोनॉटिक्स में कौशल के लिए नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस लांच करने जा रहे हैं। ये एक मात्र संस्थान नहीं बल्कि भविष्य निर्माण का प्लेटफार्म हैं।

भारत से दुनिया में जाएंगे हेलीकॉप्टर : प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में टाटा एडवांस सिस्टम और एयरबस द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित की गई एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन के उद्घाटन को लेकर गर्व जताते हुए कहा कि यहां से भारत, फ्रांस मिलकर माउंट एवरेस्ट की ऊंचाईओं तक उड़ान भरने वाला विश्व का एकमात्र हेलिकॉप्टर भारत में बनाएंगे और फिर इनका पूरे विश्व को भी निर्यात किया जाएगा। मतलब साफ है कि भारत, फ्रांस साझेदारी के लिए कोई बाउंड्री यानी सीमा नहीं है। ये गहरे समुद्र से लेकर ऊंचे शिखरों तक पहुंच सकती है।

संबंधों का टर्निंग पॉइंट है 2026 : उन्होंने मौजूदा साल को भारत, यूरोप के संबंधों में एक टर्निंग पाइंट बताया और कहा, कुछ दिन पहले हमने ईयू के साथ देश के इतिहास का सबसे बड़ा, महत्वाकांक्षी एफटीए किया है। जो भारत, फ्रांस संबंधों में भी अभूतपूर्व गति लाएगा। आपसी निवेश को बढ़ावा देने के लिए आज हम समझौता कर रहे है। जिससे हमारे लोगों और कंपनियों को दोहरा कर नहीं देना पड़ेगा। इन सभी पहलों से आपसी व्यापार, निवेश और मोबिलिटी को नई ऊर्जा मिलेगी। हमारी साझेदारी साझा प्रगति का रोडमैप है। दोनों देश प्राचीन और समृद्ध सभ्यताएं हैं। हम अपनी संस्कृति और आम जन के संबंधों को खासा महत्व देते हैं। मुझे खुशी है कि युगे युगीन भारत संग्रहालय में हमारा सहयोग रहा है। अब लोथल के राष्ट्रीय समुद्री विरासत कांप्लेक्स में भी हम फ्रांस के साथ सहयोग करने जा रहे हैं। भारतीय संस्कृति को जल्द फ्रांस तक पहुंचाने के लिए हम जल्द ही फ्रांस में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक सेंटर खोलने जा रहे हैं।

वीर सावरकर के बलिदान को किया याद : उन्होंने पिछले साल एआई सम्मेलन के लिए की गई अपनी फ्रांस यात्रा को याद करते हुए कहा कि उस समय हमने मारसे शहर की यात्रा की थी। जहां फ्रांस का सबसे बड़ा किला भी है। साथ ही इसे यूरोप का एक गेटवे भी कहते हैं। मारसे वही शहर है, जहां से भारत के सैनिकों ने दूसरे विश्व युद्ध में यूरोप में अपने कदम रखे थे। उनकी बहादुरी की गाथा यूरोप के कई भागों में आज भी याद की जाती है। ये वही शहर है। जहां स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर ने अंग्रेजों की पकड़ से निकलने के लिए समुद्र में छलांग लगाई थी। उनका ये कदम देश की आजादी के लिए उनके अटूट संकल्प का प्रतीक था। मुझे पिछले साल मारसे में उनको याद करने व नमन करने का अवसर मिला था। इस बार राष्ट्रपति मैक्रों जब भारत में एआई समिट के लिए आए हैं। तो हमारा यह सौभाग्य है कि हम उनका स्वागत भारत के गेटवे यानी मुंबई में कर रहे हैं।

इन 21 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर : दोनों देशों के बीच हुए 21 समझौतों में सबसे पहले सामरिक भागीदारी के स्तर में किया गया जरूरी बदलाव मुख्य है। साथ ही कई अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एमओयू-समझौते इसमें शामिल हैं। रक्षा सहयोग को लेकर दोनों देशों के बीच मौजूदा समझौते का नवीनीकरण, परिवर्तित साझेदारी की निरंतर समीक्षा करने के लिए वार्षिक विदेश मंत्रियों के संवाद तंत्र की स्थापना, बीईएल और सेफ्रॉन द्वारा भारत में हैमर मिसाइलों के उत्पादन के लिए संयुक्त उपक्रम की स्थापना, भारत-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन के लांच, हेलीकॉप्टर असेंबली लाइन का उद्घाटन, जटिल खनिजों और मेटल के क्षेत्र में सहयोग को लेकर आशय वाला संयुक्त घोषणा पत्र, भारत-फ्रांस के लोगों को दोहरे कराधान से बचाने वाला समझौता, एम्स दिल्ली में सेंटर फॉर एआई इन हेल्थ की स्थापना जैसे समझौते अहम हैं।

भारत संग मिलकर...

कहा कि इसी में हमारी आम जनता के बीच संबंध और अधिक गहरे होंगे, उद्योगों के बीच साझेदारी का विस्तार होगा। 2026 के जून महीने में फ्रांस में होने वाले भारत इनोवेट्स आयोजन के तहत हम दुनिया के सामने उन बेहतरीन तकनीक आधारित स्टार्टअप को रखेंगे। जो स्वास्थ्य, जलवायु और सुरक्षा जैसी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान बना रहे हैं।

नवाचार के इंजन से विकसित बनेगा भारत : उन्होंने कहा, विकसित भारत की यात्रा को इनोवेशन का इंजन चाहिए। इसलिए इस वर्ष के बजट में भी हमने इस पर खासा जोर दिया है। कंटेंट क्रिएशन को मजबूती देने के लिए 15000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब बनाई जाएंगी। एआई, क्वांटम, बायोटेक, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हम मिशन मोड में काम कर रहे हैं। साथ ही कपड़ा, केमिकल, सेवाओं, प्रिसिजन टूल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर में नवाचार को भी हम बढ़ावा देंगे। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम से बीते एक दशक में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन चुका है। 2014 में जहां देश में 4 यूनिकॉर्न थे। आज ये बढ़कर 120 से अधिक हैं और इनकी कुल कीमत 350 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। आज दुनिया की हर बड़ी तकनीक से जुड़ी कंपनी, भारत के स्टार्टअप इनोवेशन से जुड़ी हुई है। हमने स्कूलों से उद्योगों तक इनोवेशन के लिए बेहतर इकोसिस्टम बनाया है। युवाओं को अटल लैब, मेंटरशिप, छात्रवृत्ति दी गई हैं। भारत ही है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा हैकाथॉन इकोसिस्टम है। स्टार्टअप इंडिया 2.0 से कैपिटलाइजेशन कर रहे हैं।

महिलाओं की भूमिका पर जताया गर्व : पीएम ने गर्व जताते हुए कहा, भारत महिला आधारित नवाचार और शोध का उज्जवल उदाहरण बन रहा है। आज 50 फीसदी स्टार्टअप में कम से कम 1 महिला निदेशक है। जबकि एक बड़ी संख्या में छात्राएं स्टैम स्नातक बनी हैं। कृषि, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष मिशन से लेकर हर क्षेत्र में महिलाएं देश का नेतृत्व कर रही हैं। देश के इस गति और स्केल के साथ फ्रांस की ताकत जुड़े जाती है। तो दुनिया के लिए नए रास्ते बनते हैं। यहां पर दुनिया के बेस्ट माइंड आए हैं, प्रतिभाओं का खुले दिल से स्वागत किया है। फ्रांस ने 2030 तक भारत के 30 हजार छात्रों का स्वागत करने का लक्ष्य रखा है। ये युवा ऊर्जा, प्रतिभा के तालमेल का बेहतरीन प्रयास हैं।

साझा विश्वास, मूल्यों पर टिका रिश्ता : उन्होंने दोनों दोनों देशों के नवाचार प्रवर्तकों से कहा कि आज के दिन दुनिया के दो बड़े इनोवेशन हब एक साथ आ रहे हैं। जब हम भारत, फ्रांस की बात करते हैं, तो हमारा रिश्ता इनोवेशन के साथ-साथ साझा विश्वास और मूल्यों का है। इसी सोच के साथ राष्ट्रपति और मैंने वर्ष 2026 को इंडिया फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन के रूप में मनाने का निर्णय किया है। ये एक आयोजन ही नहीं बल्कि हमारी साझा प्रतिबद्धता भी है। दोनों देशों ने अनेक सामरिक तकनीकों के क्षेत्र में भी काम किया है। जिससे हमारा आपसी भरोसा मजबूत हुआ है। उसी ने हमारे रिश्तों को विशेष वैश्विक सामरिक भागीदारी के अहम पड़ाव तक पहुंचाया है। आने वाले समय में हर क्षेत्र में हमारी सामूहिक रचनात्मकता पूरे विश्व की भलाई के साथ एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेगी।

अटल इनोवेशन मिशन संग जुड़े उद्योग : उन्होंने कहा, भारत अपनी हजारों वर्षों की यात्रा में गणित, मेडिसिन, मेटलर्जी, आर्किटेक्चर जैसे क्षेत्रों में मानव कल्याण के लिए नवाचार करता रहा है। अब 21वीं सदी में भी देश के युवा इनोवेट फॉर ग्लोबल गुड की उस यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारे वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम से लेकर हमारी वर्ल्ड क्लास शोध प्रयोगशालाओं तक एक नया 'केन डू' आशा के रूप में उभर रहा है। अटल इनोवेशन मिशन 24 फरवरी को एक दशक पूरा करेगा। ये दुनिया के सबसे बड़े इनोवेशन में से एक बन चुका है। 10 हजार प्लस लैब्स हैं, 1 करोड़ प्लस छात्र नवाचार प्रवर्तकों संग काम कर रहे हैं। मैं, आज यहां उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी आग्रह करूंगा कि आप भी अटल इनोवेशन मिशन के साथ भी जरूर जुड़ें।

भारत-फ्रांस ने किया...

राजनाथ सिंह ने हस्ताक्षर किए हैं। जबकि फ्रांस से इस पर अंतरराष्ट्रीय मामलों-रणनीति मामलों के उप-महानिदेशक ने हस्ताक्षर किए हैं। वहीं, बीईएल और सेफ्रॉन के बीच हुए एमओयू पर बीईल के सीएमडी और सेफ्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष ने हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा, सुरक्षा मुद्दों पर हुई चर्चा : मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच हुए संवाद में द्विपक्षीय रक्षा, सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की गई। जिसमें प्राथमिकता हथियारों और उपकरणों के सह-उत्पादन और विकास को दी गई है। साथ ही दोनों पक्षों ने जरूरी तकनीक के क्षेत्र में बेहद करीबी रक्षा साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि इसमें उक्त तकनीक से जुड़े हुए दोनों देशों के उद्योगों को आपस में जोड़ने की जरूरत है। सामरिक साझेदारी के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी भारत, फ्रांस के रक्षा मंत्रियों ने अपनी बातचीत के दौरान जताई है। सामरिक साझेदारी के नए स्तर को लेकर दोनों पक्ष आशान्वित हैं। फ्रांस की रक्षा मंत्री से चर्चा के दौरान राजनाथ सिंह ने हाल ही में भारत-ईयू सुरक्षा, रक्षा साझेदारी को सामूहिक गतिविधियों को बढ़ाने वाला एक अहम कदम बताया। इस फ्रेमवर्क को दोनों रक्षा मंत्री मजबूती प्रदान करने के पक्ष में हैं। जिससे क्षेत्रीय स्थिरता, संयुक्त क्षमता और सामरिक साझेदारी को भी अधिक मजबूती मिलेगी।

समूचे क्षेत्र के लिए खतरा है पाकिस्तान : संवाद के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फ्रांस की रक्षा मंत्री वॉट्रिन को आश्वासन देते हुए कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में एक प्रमुख सुरक्षा प्रदाता के रूप में अपना सहयोग प्रदान करने की कवायद को भविष्य में भी जस का तस जारी रखेगा। आतंकवाद का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का आतंकवाद को पालने-पोसने के साथ ही उसे बढ़ावा देने का एक पुराना और लंबा इतिहास रहा है। जिससे उसने न केवल भारत में अशांति और हिंसा उत्पन्न की है। बल्कि इस समूचे क्षेत्र की शांति के लिए भी एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया है।

नौसेना के एआई आधारित ...

में काम कर रही है। अभी नौसेना का आईएनएस सूरत फिलहाल पहला ऐसा युद्धपोत है। जो पूरी तरह से एआई से लैस हो चुका है।

यूं प्रदान करता जहाजों को सुरक्षा कवचः प्रदर्शनी में मौजूद नौसेना कर्मियों ने मंगलवार को हरिभूमि से बातचीत में कहा कि सबसे पहले हम समुद्री मिशन पर जाने वाले जहाजों के लिए सर्वेक्षण की योजना बनाते हैं। जिसमें साइट को स्कैन करने वाले सोनार की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये सोनार समुद्र में एक निर्धारित स्थान पर समुद्र-तल में जाकर स्कैनिंग करता है। फिर हमें उसका डाटा देता है, जिसका विश्लेषण कर हम उसे संबंधित जहाज को मदद के लिए आगे बढ़ा देते हैं और वह समुद्री बारूदी सुरंगों से सुरक्षित बचकर किसी अन्य मार्ग का उपयोग करते हुए अपनी आगे की यात्रा पर निकल पड़ते हैं। बल को मिलने वाला ये डेटा एसडीएफ, एचडीएफ और जेएसएफ फॉर्मेट में हमारे पास आता है। नौसेना का सॉफ्टवेयर इन तीनों फॉर्मेट के डेटा के अध्ययन और विश्लेषण करने में सक्षम है। एआई डेटा समुद्री खोज यानी सर्च अभियान के दौरान भी नौसेना के जहाजों को बेहतर समुद्री आवागमन में मदद करता है। उदाहरण के लिए किसी सर्च अभियान के दौरान जब हम किसी ऑब्जेक्ट (डूबे हुए जहाज के अवशेष या बड़े टुकड़े) को ढूंढ रहे होते हैं। तो उसकी पूरी जानकारी भी हम इस सिस्टम के जरिए हासिल करते हैं। जैसे हम उस ऑब्जेक्ट का पूरा आकार (लंबाई, चौड़ाई के साथ) भी बता देते हैं। जिससे उस स्थान से गुजरने वाले जहाजों को अपना बचाव करने में आसानी होती है और वो किसी अन्य मार्ग का इस्तेमाल कर अपनी आगे की समुद्री यात्रा की ओर बढ़ जाते हैं।

एसएसओ करता व्यापक समुद्री निगरानी : उन्होंने बताया कि एआई का ये सिस्टम पूरी तरह से स्वदेशी है। नौसेना में इसकी तैनाती भी हो चुकी है और इसे लेकर बल की प्रतिक्रिया भी काफी सकारात्मक रही है। वहीं, प्रदर्शनी में लगाए गए नौसेना के एक अन्य एआई सिस्टम 'स्मार्ट शिप ऑपरेशंस (एसएसओ)' की भी अपनी खासियत है। ये कंप्यूटर विजन आधारित निर्णय लेने में सहयोग करने वाला सिस्टम है। मूल रूप से इसमें ऑप्टिकल विजन के जरिए समुद्री निगरानी की जाती है। जिससे जटिल समुद्री माहौल या अत्यधिक ट्रैफिक की स्थिति में बल के जहाजों को बचाते हुए सुरक्षित आवाजाही का मौका मिलता है। ये सिस्टम नौसेना को ऑलराउंड ऑप्टिकल सर्विलांस की सुविधा देता है, जिसमें ऑटोमेटिक डिटेक्शन के साथ ही युद्धपोत, मालवाहक जहाजों, मछली पकड़ने वाले जहाजों, अपतटीय प्लेटफार्म और तेल रिग के बारे में जानकारी दी जाती है। सिस्टम में 360 डिग्री फिक्स्ड कैमरा निगरानी के लिए लगे हुए हैं। इसका दायरा बढ़ाने के लिए इसे हवाई (एरियल) सिस्टम को भी जोड़ा गया है।

एसएसओ से मिलता रियल टाइम डेटा : एसएसओ को आईएमडी के दिशानिर्देशों और वॉरशिप अभियानों के तहत स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। जिससे यह भारी समुद्री ट्रैफिक, एक से अधिक खतरे वाली परिस्थितियों के बीच रियल टाइम अलर्ट के साथ आवाजाही के निर्देश देता है। सिस्टम के निमार्ण के साथ ही मानव श्रम घटता है और समुद्री क्षेत्र में बल की जागरूकता भी बढ़ती है।

नौसेना के प्रचलित एआई प्रोजेक्ट : नौसेना ने प्रदर्शनी में तीन श्रेणियों में अपने एआई प्रोजेक्ट्स को रखा है। जिसमें कंप्यूटर विजन में एसएसओ, वॉरशिप फाइंडर, गैंगवे मैनेजमेंट सिस्टम, थर्ड आई, दृष्टि और सत्यापन मुख्य हैं। जेन-एआई में संदर्भ, इकोनोट, क्यूबीएमएस, कांटेंट जनरेटर और निपुण शामिल हैं। जबकि लैंग्वेज ट्रांसलेशन की तीसरी व अंतिम श्रेणी में अंतरभाषी, अनुवाद और प्रशिक्षण नामक एआई प्रोजेक्ट की अहम भूमिका है।

जटिल सैन्य एप्लीकेशन ...

वाले समाधानों और एआई मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकते हैं। इसके अलावा हम जिस सिस्टम को भी अपना रहे हैं। उसे लेकर हमें शत-प्रतिशत भरोसा होना चाहिए। एआई की लगभग सभी क्षेत्रों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य में बढ़ते हुए दखल को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में जल्द समाधान पाने के लिए आप देखें तो छात्रों, शिक्षकों और आम जनता के पास मौजूद समाधान अधिकतर विदेशी या बाहर से आने वाले ही हैं।

डीआरडीओ ने बनाए दो फ्रेमवर्क : संगठन महानिदेशक ने बताया कि डीआरडीओ ने एआई को लेकर दो फ्रेमवर्क विकसित किए हैं। पहला ईटीएआई का नाम दिया गया है। जो एआई आधारित सिस्टम में लचीलापन प्रदान करता है। दूसरे में एआई समाधानों को प्रमाणित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। कुल मिलाकर हमारी ये पहल इस क्षेत्र में तकनीक के विकास करने वाले लोगों को एक ढांचागत सिस्टम मुहैया कराती है। अब संगठन द्वारा विकसित किए जा रहे हर समाधान में एआई का समावेश किया गया है। अब एआई एप्लीकेशन रणनीतिक माहौल की ओर तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

सम्मेलन से ...

है। डॉ.कौशिक ने देश के एआई इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए सभी भागीदारों को एक छत के नीचे लाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय से लेकर केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की है।

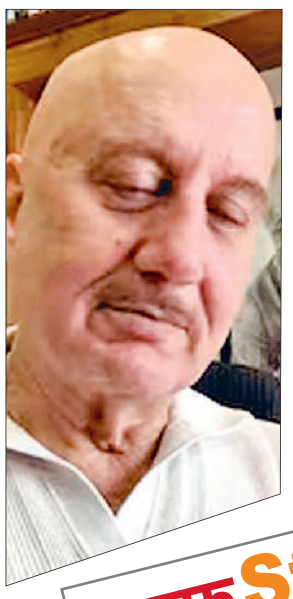

ऑस्कर विनर एक्टर के लिए अनुपम ने लिखा भावुक पोस्ट

मुंबई। हॉलीवुड के मशहूर एक्टर, फिल्म प्रोड्यूसर और ऑस्कर विनर रॉबर्ट डुवैल का 95 साल की उम्र में निधन हो गया। रॉबर्ट डुवैल ने 'द गॉडफादर' जैसी कल्ट फिल्म में अपनी दमदार एक्टिंग से दुनिया भर में पॉपुलैरिटी बटोरी थी। एक्टर अनुपम खेर ने रॉबर्ट डुवैल के निधन पर दुख जताया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रॉबर्ट डुवैल की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 'रॉबर्ट डुवैल ऐसे एक्टर थे, जिन्हें ध्यान खींचने के लिए कभी शोर की जरूरत नहीं पड़ी। शांत, सटीक और बहुत सच्चे... वह हर रोल में जबरदस्त गहराई लेकर आए और पर्दे पर कमाल की छाप छोड़ी।

लाइफ Style

मोना

स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स

टीवी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन में नजर आई हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। मोना सिंह ने अपने कॅरियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है।अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपए की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

हॉलीवुड मसाला

डैनी के साथ शेयर की तस्वीरें

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता इवेन जॉनसन ने फिल्म 'जुमांजी 3' की शूटिंग को लेकर अहम जानकारी सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। फैंस के बीच 'द रॉक' के नाम से मशहूर इवेन ने फिल्म के सेट से कुछ खास तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। 17 फरवरी को इवेन जॉनसन ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर कर बताया कि फिल्म 'जुमांजी 3' के लिए उनके सह-कलाकार डैनी डेविटो की शूटिंग पूरी हो गई है। उन्होंने डैनी और केविन हार्ट के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं।

स्पाई-थ्रिलर सीरीज तेहरान से मिली थी पहचान...

लॉस एंजिल्स। इस्राइली प्रोड्यूसर डाना ईडन का 52 साल की उम्र में निधन हो गया है। डाना एक होटल में मृत अवस्था में पाई गईं। वो एमी पुरस्कार विजेता जासूसी थ्रिलर 'तेहरान' की सह-निर्माता थीं। इस्राइल के पब्लिक ब्रॉडकास्टर 'कान' ने डाना ईडन के निधन की जानकारी दी है। इसके मुताबिक, वो ग्रीस में 'तेहरान' के चौथे सीजन की शूटिंग कर रही थीं। डाना ईडन को इस्राइल की सबसे सफल और प्रभावशाली टेलीविजन प्रोड्यूसर्स में गिना जाता था। वह हिट सीरीज 'तेहरान' की सह-निर्माता और क्रिएटर थीं। उन्होंने अपने करियर में कई चर्चित टीवी प्रोजेक्ट्स पर काम किया। जिनमें 'सेविंग्स द वाइल्डलाइफ', 'शी हैज इट', 'मैगपाई' और 'शाकशौका' जैसे शोज के जरिए उन्होंने अपनी पहचान बनाई। डाना ईडन ने अपने प्रोफेशनल पार्टनरशिप प्रोड्यूसर शूला स्पीगल के साथ मिलकर डोना और शुला प्रोडक्शंस की स्थापना की थी।

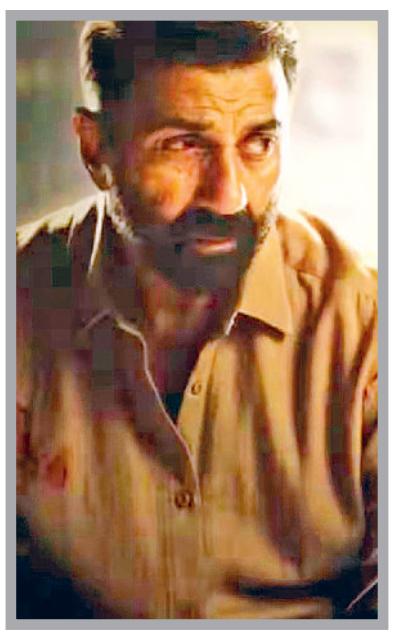

आगे खिसकी गबरू की रिलीज डेट...

मुंबई। सनी देओल अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल हुई है। इस बीच वे अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें फिल्म 'गबरू' का भी नाम है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। शशांक उदयपुरकर निर्देशित यह फिल्म पहले 13 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। यह फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में सनी देओल ने 'गबरू' को अपने दिल के सबसे करीब फिल्मों में से एक बताया। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' और यश की 'टॉक्सिक' 19 मार्च को रिलीज हो रही हैं। फिल्म 'गबरू' को विशाल राणा और ओम छंगानी के प्रोड्यूस किया है।

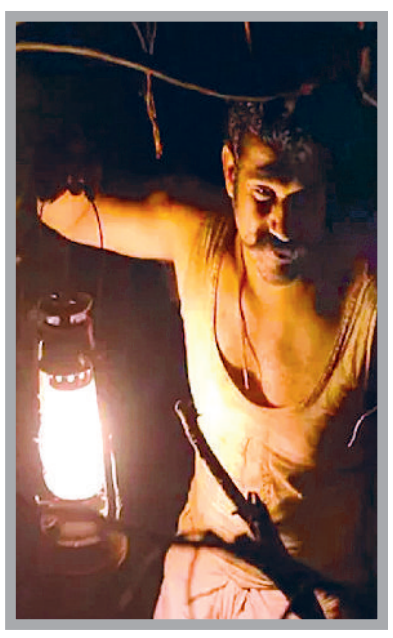

तुम्बाड 2 के लिए विलेन की तलाश जारी

मुंबई। साल 2018 में रिलीज हुई सोहम शाह की हॉरर फिल्म तुम्बाड थिएटर के बाद डिजिटल पर जबरदस्त रिएक्शन मिला था। फिल्म की कहानी, एक्टिंग ने ऑडियंस और गहरी छाप छोड़ी थी। अब सोहम शाह इस तुम्बाड 2 बना रहे हैं। फिल्म पर काम इस साल की शुरुआत में शुरू हो गया है। अब विलेन के सिलेक्शन पर काम चल रहा है। ताजा रिपोर्ट की मानें तो तुम्बाड 2 के लिए धुरंधर के रहमान डकैत अक्षय खन्ना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम सामने आ रहा है। दोनों में से कोई एक हॉरर फिल्म का विलेन बन सकता है। इस फिल्म से जुड़े सूत्र ने एक पोर्टल को जानकारी देते हुए बताया है कि तुम्बाड 2 में एक पावरफुल विलेन का किरदार अहम है। फिल्म की कहानी इसी किरदार के इर्द गिर्द रची गई है। इस विलेन का किरदार इंटेस और कई परतों से बना हुआ है।

टीवी मसाला

फिल्म की शूटिंग खत्म करते ही शादी के बंधन में बंधेंगी...

नई दिल्ली। कृतिका कामरा और गौरव कपूर इस मार्च शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी से पहले दोनों अपने-अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स को पूरा करने में व्यस्त हैं, ताकि जश्न के दौरान वे पूरी तरह फ्री रह सकें। कृतिका अपनी नई फिल्म की शूटिंग खत्म करने में जुटी हैं, जबकि गौरव एक बड़े स्पोर्ट्स टीवी और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की जानी-मानी जोड़ी कृतिका कामरा और गौरव कपूर अपने जीवन के सबसे खास पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं। दोनों इस मार्च शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं और जैसे-जैसे तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे उनकी जिंदगी में उत्साह बढ़ते नजर आ रहे हैं। शादी से पहले दोनों अपने-अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स को पूरा करने में पूरी तरह जुटे हुए हैं, ताकि जब जश्न का समय आए तो वे बिना किसी चिंता के हर पल को जी सकें। कृतिका इन दिनों एक इंडिपेंडेंट फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह प्रोजेक्ट लगातार चलने वाले शेड्यूल में शूट हो रहा है और उम्मीद है कि मार्च के पहले सप्ताह तक इसका काम पूरा हो जाएगा। लंबे शूटिंग घंटों के बावजूद कृतिका शादी की तैयारियों पर भी उतना ही ध्यान दे रही हैं। उनके करीबी बताते हैं कि वह चाहती हैं कि शादी के समय उनका कैलेंडर पूरी तरह खाली हो, ताकि वह इस नए सफर की शुरुआत पूरे सुकून और खुशी के साथ कर सकें। वहीं, गौरव कपूर भी अपने काम में व्यस्त हैं। वह इन दिनों एक बड़े स्पोर्ट्स इवेंट की मेजबानी कर रहे हैं और लगातार शूट व लाइव शेड्यूल में व्यस्त हैं।

अवनीत कौर का मिस्ट्री मैन कौन

नई दिल्ली। अवनीत कौर ने इस वैलेंटाइंस डे पर एक ऐसी तस्वीर शेयर की जिसके बाद से उनके मिस्ट्री मैन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

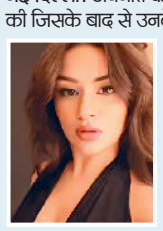

हालांकि, अवनीत ने वो पोस्ट डिलीट तो कर दिया लेकिन अब वो सवालों के घेरे में फंस गई हैं। पहले तो उन्होंने वैलेंटाइंस डे पर सरेआम प्यार का इजहार किया और फिर अपनी वो पोस्ट डिलीट कर डाली। बताया जा रहा है कि ये मिस्ट्री मैन कोई और नहीं, बल्कि राघव शर्मा हैं। हालांकि, भले अवनीत ने वो फोटो डिलीट कर दी लेकिन अब चर्चा है कि क्या एक्ट्रेस राघव शर्मा को डेट कर रही हैं? बताया जा रहा है कि राघव देसी म्यूजिक फैक्ट्री के को-फाउंडर हैं, जो साल 2022 से अवनीत के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर खबरों में हैं। एक्ट्रेस ने पहले तो पोस्ट किया लेकिन इसे लेकर शुरू होते बवाल को देखते हुए उन्होंने ये सबूत मिटाने की कोशिश की। हालांकि, तब तक ये झलक चारों तरफ फैल चुकी थी। उस तस्वीर में अवनीत डाइनिंग टेबल के दूसरी तरफ बैठे एक शख्स का हाथ पकड़े नजर आ रही थीं और जैसे ही उन्होंने ये पोस्ट किया लोगों ने स्क्रीनशॉट रख लिए थे।

अभिषेक अब शाहरुख की किंग में आएंगे नजर...

मुंबई। अभिषेक बच्चन ने अपने नए लुक को लेकर बात की और बताया है कि ये शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' का हिस्सा है। अब एक्टर के इस नए लुक पर लोग जमकर कॉमेंट करते दिख रहे हैं। अभिषेक बच्चन ने शाहरुख की फिल्म का हिस्सा बनने की बात खुद कही है। पिछले दिनों एक इंटरव्यू में अपने बदले हुए लुक पर बातें करते हुए अभिषेक बच्चन ये ये बातें बताई हैं। अब फिल्म 'किंग' में उनकी भूमिका को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड दिख रहे हैं। इसके अलावा लोगों ने उनके इस लुक की तारीफ भी की है। सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी अगली मी फिल्म 'किंग' के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। 'जवान' के बाद आ रही शाहरुख की इस फिल्म में कई बॉलीवुड सितारे दिखेंगे, जिसे लेकर अब अभिषेक बच्चन ने भी कन्फर्म कर दिया है। अभिषेक बच्चन ने 'किंग' में अपनी भूमिका पर भी बात की। उन्होंने हाल में आयोजित 'ग्लोबल बिजनेस समिट 2026' के एक सेशन के दौरान अपने नए हेयरस्टाइल को लेकर बातें की। जब उनसे उनके नए लुक के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि आपने मेरे बदले हुए लुक पर ध्यान दिया। जी हां, मैं फिलहाल अपनी नई फिल्म किंग की शूटिंग कर रहा हूं।' हालांकि उनसे ये भी पूछा गया कि क्या वो इस फिल्म के बारे में और बातें करना पसंद करेंगे? इसपर एक्टर ने ना में जवाब दिया और फिल्म के बारे में और कुछ कहने से साफ इनकार कर दिया।

अधूरी मोहब्बत की ताकत : सैड एंडिंग वाली फिल्में होती हैं सुपरहिट

नई दिल्ली। आज तक हम इस दुख में हैं कि गजनीमें कल्पना को अंत तक नहीं पता चल पाया कि सचिन ही संजय सिंहानिया है। हमें आज भी अफसोस होता है कि आमिर खान क्यों सही वक्त पर पहुंचकर आसिन को नहीं बचा पाए। तेरे नाम में जब राधे पागलखाने पहुंच जाता है और निर्जरा जहर पी लेती है, तो हम अंदर तक दुखी हो जाते हैं। रांझणा में कुंदन का जोया के लिए आखिरी मोनोलॉग आज भी तीर की तरह हमें चुभता है। सनम तेरी कसम में सरस्वती को मरते देख हम सब आंसू बहाते हैं। कल हो ना हो में शाहरुख खान का किरदार अमन माथुर चल बसता है, लेकिन हम आज भी उस फिल्म को याद करते हैं। सदमा में जब ट्रेन से श्रीदेवी चली जाती हैं तो पीछे कमल हासन का छूटना हमें आज भी सताता है। हम दिल दे चुके सनम में सलमान खान के किरदार को तड़पते देख

हम भी दर्द महसूस करते थे, मगर ये सारी फिल्में सुपरहिट रहीं। एक विलेन, आशिकी 2, लैला मजनूं, मोहब्बतें जैसी तमाम फिल्में हैं, जिनमें हीरो या हीरोइन या दोनों की मौत हो जाती है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्में शानदार प्रदर्शन करती हैं।

लेकिन सवाल है: जब इन फिल्मों को देखकर हम अंदर तक दुखी हो जाते हैं, फिर भी ये सैड एंडिंग वाली फिल्में सुपरहिट क्यों होती हैं? चलिए समझने की कोशिश करते हैं।

क्यों सुरक्षित रिश्ते लगते हैं बोरिंग, 'रजनीगंधा'ने 52 साल पहले समझा दिया था । इश्क दर्द और सिनेमा

अधूरी मोहब्बत का आकर्षण : जब कोई प्यार पूरी तरह से पूरा नहीं होता या हमें हासिल नहीं हो पाता, तो हमारा दिमाग उसे खास मानने लगता है। साइक्लॉजी में इसे 'अप्राप्य वस्तुओं का आदर्शवाद' कहा जाता है। मतलब, जो चीज मुश्किल या नामुमकिन लगती है, हमारा दिमाग उसे ज्यादा परफेक्ट और रोमांटिक मानता है। इसलिए देवदास, रांझणा, सनम तेरी कसम जैसी अधूरी मोहब्बत की कहानी हमें ज्यादा याद रहती है और दिल को छू जाती है। हमारा अचेतन इसे आइडियल मानता है।

जैसा हरिवंश राय बच्चन ने मधुशाला में लिखा- 'प्यार नहीं पा जाने में है, पाने के अरमानों में! पा जाता तब, हाय, न इतनी प्यारी लगती मधुशाला।' यानी, हासिल करने में प्यार उतना खास नहीं लगता जितना उसे पाने की तड़प में।

एक के लिए तो गिनीज बुक में दर्ज हो चुका है नाम

सिर्फ भारतीय फिल्मों में होती हैं ये 7 अजीब चीजें

नई दिल्ली। बात जब फिल्मों की आती है तो हम अक्सर बातें करते हैं कि बॉलीवुड वाले हॉलीवुड के टक्कर की फिल्में नहीं बना पाते हैं। कभी वीएफक्स तो कभी कोरियन सिनेमा जैसी सादगी हमारी फिल्मों में मिसिंग रहने की बात उठती है। लेकिन, क्या आपको पता है कि भारत साल भर में इतनी फिल्में रिलीज करता है जितनी दुनिया भर में और कहीं नहीं होती है। इतना ही नहीं और भी कई ऐसी बातें हैं जो भारतीय सिनेमा को बाकी फिल्म इंडस्ट्रीज से अलग बनाती हैं। तो चलिए जानते हैं भारतीय सिनेमा के बारे में 7 रोचक तथ्य।

फिल्मों की फैक्ट्री है अपना इंडिया

दुनिया को लगता है कि हॉलीवुड सबसे बड़ा है, लेकिन सच यह है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा फिल्में बनाने वाला देश है। जहां हॉलीवुड साल भर में लगभग 700-800 फिल्में बनाता है, वहीं भारत हर साल 1,500 से 2,000 के बीच फिल्में रिलीज करता है।

बिना गानों की फिल्म का पिटना तय

हॉलीवुड या यूरोपियन सिनेमा में फिल्में बिना गानों के होना सामान्य बात है, वहां 'म्यूजिकल' एक अलग जॉनर होता है। लेकिन, भारत में उल्टा है। यहां बिना गानों की फिल्म बनाना एक बहुत बड़ा जोखिम माना जाता है। भारतीय फिल्मों में औसतन 5-6 गाने होते हैं, जो फिल्म की मार्केटिंग और कमाई का आधा जरिया होते हैं।

स्टार्स का दूध अभिषेक और मंदिर

यह दुनिया के किसी और देश में नहीं होता। दक्षिण भारत में जब किसी बड़े सुपरस्टार की फिल्म रिलीज होती है, तो फैंस उनके कट-आउट्स को दूध से नहलाते हैं। इतना ही नहीं, अमिताभ बच्चन और सोनू सूद जैसे स्टार्स के तो भारत में बाकायदा मंदिर भी बने हुए हैं।

क्यों दुनिया से उलटा चल रहा इंडिया?

दुनिया भर की सिनेमा इंडस्ट्री आज 90 मिनट से 2 घंटे की फिल्मों की ओर बढ़ रहा है, लेकिन भारतीय दर्शक आज भी 'पैसा वसूल' अनुभव के लिए कम से कम 2.5 से 3 घंटे की फिल्म की उम्मीद करते हैं। भारत में फिल्म देखने जाना मतलब पूरा दिन इसके लिए निकालना पड़ता है। क्योंकि, कई बार 3 घंटे की फिल्म और इंटरवल फिर फिल्म से पहले और बाद थोड़ा घूमना-फिरना पूरा दिन लेता है।

सिर्फ यहां का बोर्ड लगाता है ऐसे नियम

भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां फिल्मों में स्मोकिंग या शराब के सीन आने पर स्क्रीन के नीचे 'चेतावनी' दिखाना जरूरी है। विदेशी फिल्मों को भी भारत में रिलीज होते समय इन नियमों का पालन करना पड़ता है, जो बाहर के फिल्ममेकर्स के लिए काफी अजीब अनुभव होता है।

दुनिया का सबसे बड़ा फिल्मी परिवार

भारतीय सिनेमा जगत में 'नेपोटिज्म' की खूब चर्चा तो होती है, लेकिन क्या आपको पता है कि इसी वजह से हमने गिनीज बुक में भी जगह पाई है। कपूर खानदान का नाम 'गिनीज वर्ल्ड बुक' में दर्ज है, क्योंकि उनकी एक ही परिवार की पांच पीढ़ियां (पृथ्वीराज कपूर से लेकर रणबीर-करीना तक) सिनेमा जगत का हिस्सा रही हैं।

कहीं नहीं मिलती ऐसी फैन फॉलोइंग

आपको जानकर हैरानी होगी कि राज कपूर रूस में वहां के लोकल हीरोज से ज्यादा पॉपुलर थे। वहीं, रजनीकांत का जापान में इतना जबरदस्त क्रेज है कि वहां उनकी फिल्मों के खास शोज चलते हैं। मिथुन चक्रवर्ती का 'डिस्को डांसर' अवतार आज भी रूस और मिड एशिया के देशों में एक कल्ट माना जाता है।

इंटरव्यू : पीएम मोदी ने बताया विज़न 2047

शीर्ष तीन एआई महाशक्तियों में भारत को एक होना चाहिए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का शुभारंभ राष्ट्रीय राजधानी में हुआ, यह पहली बार है कि वैश्विक दक्षिण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर इतने बड़े पैमाने की वैश्विक बैठक आयोजित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक एजेंसी को दिए गये विशेष साक्षात्कार में इस सम्मेलन की मार्गदर्शक भावना को 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के दर्शन के अंतर्गत रेखांकित किया ('सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए खुशियाँ')। शिखर सम्मेलन ने राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों, मंत्रियों, विश्व स्तर के तकनीकी विशेषज्ञों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साझा मंच प्रदान किया है, ताकि समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श किया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने साक्षात्कार में इस नए युग के लिए भारत के विज़न का उल्लेख किया और बताया कि एआई को पूरी तरह से मानव-केंद्रित बने रहकर वैश्विक विकास की गति को तेज करना चाहिए।

साक्षात्कार का प्रतिलेख

सवाल: भारत वैश्विक दक्षिण में पहली बार एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी कर रहा है। शिखर सम्मेलन का आदर्श वाक्य है, "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" ('सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए खुशियाँ')। इस शिखर सम्मेलन का विजन क्या है और यह आदर्श वाक्य क्यों है?

जवाब: आज, एआई एक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ा है। यह मानव क्षमता का अभूतपूर्व तरीकों से विस्तार कर सकता है, लेकिन यदि इसे निर्देशित न किया जाए तो यह मौजूदा सामाजिक आधार-स्तंभों को भी उद्वेलित कर सकता है। यही कारण है कि हमने जानबूझकर इस शिखर सम्मेलन को प्रभाव के इर्द-गिर्द तैयार किया है जो, न केवल नवाचार, बल्कि सार्थक और न्यायसंगत परिणाम सुनिश्चित करता है।

सवाल: आपने सशक्तिकरण और विकास के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में हमेशा बात की है। आप विकासित भारत 2047 में एआई की भूमिका को कैसे देखते हैं?

जवाब: एआई भारत के विकासित भारत 2047 की यात्रा में एक परिवर्तनकारी अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। एआई का सूझबूझ से और रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ लाभ उठाना, विकास से जुड़ी गंभीर चुनौतियों को हल करने में मदद करता है और पूरी तरह से नए आर्थिक अवसर पैदा करता है, जिससे समावेशी विकास संभव होता है, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच का अंतर कम होता है और अवसरों तक पहुँच का विस्तार होता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, एआई पहले से ही प्रभाव डाल रहा है। हम देख रहे हैं कि एआई आधारित समाधान; टीबी, मधुमेह दृष्टिपटल-विकृति उपचार (रेटिनोपैथी), मिरगी और कई अन्य बीमारियों का शुरुआती पता लगाने में प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों की मदद कर रहे हैं।शिक्षा में, भारतीय भाषाओं में एआई-संचालित व्यक्तिगत ज्ञान-प्राप्ति के प्लेटफार्म, ग्रामीण और सरकारी स्कूलों के छात्रों को अनुकूल शैक्षणिक समर्थन प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। एक बहुत ही अनूठी पहल के तहत, अमूल कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके हजारों गांवों की 36 लाख महिला डेयरी किसानों तक पहुंच बनाने में सक्षम हो रहा है, गायों के स्वास्थ्य और उत्पादकता पर गुजराती में वास्तविक समय पर मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है और जमीनी स्तर की महिला उत्पादकों को सशक्त बना रहा है। कृषि में, भारत विस्तार पहल का उद्देश्य फसल परामर्श, मृदा विश्लेषण और मौसम-संबंधी जानकारी में एआई को एकीकृत करना है, ताकि किसानों को बेहतर व स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने में मदद मिल सके।विरासत संरक्षण में भी, एआई प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और व्याख्या को सक्षम बना रहा है, जिससे भारत की सभ्यतागत ज्ञान प्रणालियां सामने आ रही हैं। ऐसे समय में, जब दुनिया एआई विभाजन के गहरा होने को लेकर चिंतित है, भारत इसका उपयोग विभाजन को पाटने के लिए कर रहा है। हम इसे हर गांव, हर जिले और हर नागरिक तक स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक अवसर पहुँचाने का एक प्रभावी उपकरण बना रहे हैं।

सवाल: पेरिस में आयोजित एआई एक्शन समिट 2025 में अपने भाषण में, आपने एआई के पूर्वाग्रह और सीमाओं पर जोर दिया था। क्या तब से अब तक स्थिति में कोई बदलाव आया है? भारत इस समस्या का समाधान कैसे करेगा, इस बारे में आपकी क्या राय है?

जवाब: एआई में पूर्वाग्रह और सीमाओं से संबंधित चिंताएं आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। एआई को अपनाने की गति बढ़ने के साथ-साथ जोखिम भी बढ़ते जा रहे हैं। एआई प्रणालियां अनजाने में लिंग, भाषा और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकती हैं। एआई इम्पैक्ट समिट 2026 विभिन्न हितधारकों को एक साथ ला रहा है और एआई के पूर्वाग्रहों और सीमाओं जैसे मुद्दों पर वैश्विक जागरूकता पैदा कर रहा है। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है।भारत के लिए विशेष रूप से, हमारे सामने अनूठी चुनौतियाँ और अवसर हैं। हमारी विविधता - भाषाई, सांस्कृतिक, क्षेत्रीय - का अर्थ है कि एआई पूर्वाग्रह ऐसे तरीकों से प्रकट हो सकता है जो पश्चिमी संदर्भों में स्पष्ट नहीं हो सकते। अंग्रेजी डेटा या शहरी संदर्भों पर मुख्य रूप से प्रशिक्षित एआई प्रणाली ग्रामीण उपयोगकर्ताओं या क्षेत्रीय भाषाओं के बोलने वालों के लिए खराब प्रदर्शन कर सकती है। सकारात्मक बात यह है कि भारत इस समस्या का अधिक व्यवस्थित ढंग से समाधान करना शुरू कर रहा है। हम देख रहे हैं कि भारत की विविधता को दर्शाने वाले विविध डेटासेट बनाने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, साथ ही एआई के विकास पर भी अधिक बल दिया जा रहा है। विशेष रूप से भारत को वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन एआई महाशक्तियों में शामिल होना चाहिए और क्षेत्रीय भाषाएँ, और भारतीय शैक्षणिक संस्थानों और तकनीकी कंपनियों में निष्पक्षता और पूर्वाग्रह पर बढ़ता शोध ध्यान देने योग्य है।

सवाल: आधार और यूपीआई जैसी कम लागत वाली डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के निर्माण में भारत की सफलता अभूतपूर्व है। डीपीआई और एआई के समन्वय से सार्वजनिक सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। इस संबंध में भारत ने क्या सीखा है, जिससे वैश्विक दक्षिण को मदद मिल सकती है?

जवाब: भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना यात्रा वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण और व्यावहारिक सबक प्रदान करती है। डिजिटल सूचना प्रौद्योगिकी (डीपीआई) और एआई का अभिसरण समावेशी विकास की अगली सीमा है। आधार, यूपीआई और अन्य डिजिटल सार्वजनिक सुविधाओं के क्षेत्र में हमारी सफलता आकस्मिक नहीं थी। सबसे पहले, हमने डिजिटल बुनियादी ढांचे को सार्वजनिक हित के रूप में विकसित किया, न कि किसी मालिकाना प्लेटफॉर्म के रूप में। इस खुली और अंतरसंचालनीय वास्तुकला ने सामान्य आधार परत के ऊपर नवाचार को फलने-फूलने की अनुमति दी। दूसरी बात, हमने पहले दिन से ही व्यापकता और समावेशिता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन तैयार किया। हमारी प्रणालियाँ 1.4 अरब लोगों के लिए काम करती हैं, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति, साक्षरता स्तर, क्षेत्र या भाषा कुछ भी हो। जब इस आधार पर एआई को लागू किया जाता है।

सवाल: इंजीनियरिंग प्रतिभा के लिहाज से भारत एक शक्तिशाली केंद्र है। हम विश्व को एक विशाल तकनीकी कार्यबल मुहैया कराते हैं। एआई युग में हम इसे और कैसे मजबूत कर सकते हैं?

जवाब: भारत में प्रतिभा और उद्यमशीलता की ऐसी ऊर्जा है, जिससे वह एआई का एक शक्तिशाली केंद्र बन सकता है, न केवल उपभोक्ता के रूप में, बल्कि निर्माता के रूप में भी। हमारे स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थान और तकनीकी व्यवस्था तंत्र ऐसा एआई समाधान तैयार कर सकते हैं, जो विनिर्माण को बढ़ावा दें, शासन में सुधार करें। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे युवा, भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप किसानों, लघु और मध्यम उद्यमों, महिला उद्यमियों और जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों के लिए डिजाइन किए गए एआई समाधान विकसित कर सकते हैं।

मप्र सरकार ने मध्यप्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का संकल्प लिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने कहा- 25 साल में प्रति व्यक्ति आय 22.50 लाख रु. करने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आगामी 25 वर्षों में मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को वर्तमान 1 लाख 55 हजार रुपए से बढ़ाकर 22 लाख 50 हजार रुपए तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य विकसित भारत@2047 के विजन के अनुरूप तय किया गया है, जिसमें प्रदेश की अहम भूमिका होगी। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का संकल्प लिया है और इसके लिए 25 वर्षों का विस्तृत दृष्टिपत्र तैयार किया गया है।

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित 'अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026' में वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल केटकर के साथ चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं वाला राज्य है। औद्योगिक निवेश, सोलर एनर्जी उत्पादन और कृषि उत्पादन में प्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

खास बातें

- 25 वर्षों का विस्तृत दृष्टिपत्र तैयार किया
- कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 'अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन

कॉन्क्लेव को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

बेरोजगारी दर 1 से 1.5 प्रतिशत तक

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में बेरोजगारी दर घटकर 1 से डेढ़ प्रतिशत के बीच रह गई है। धार्मिक पर्यटन और होम-स्टे मॉडल को बढ़ावा मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

माइनिंग, टैक्सटाइल और टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं: सीएम डॉ. यादव

कॉन्क्लेव में स्वदेशी जागरण मंच की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज व संस्थाओं, संस्थानों के पदाधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 18 नई औद्योगिक नीतियां लागू की गई हैं, जिनका उद्देश्य औद्योगिक विकास को बड़े शहरों से आगे बढ़ाकर छोटे शहरों तक पहुंचाना है। इसके लिए संभागीय स्तर पर सेक्टर-विशेष रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए गए हैं। माइनिंग, टैक्सटाइल और टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। कटनी और शहडोल में माइनिंग सेक्टर में निवेश के लिए देश के शीर्ष उद्योगपति आगे आए हैं, जबकि नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स निर्माण के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई प्रदेश के औद्योगिक विकास की बैक बोन है।

कृषक कल्याण वर्ष: कृषि और पशुपालन पर फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में किसानों की समृद्धि का संकल्प लिया गया है। कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। पिछले डेढ़ वर्ष में 7.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ाया गया है, जिसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी तक पहुंचने से मालवा अंचल के किसानों को विशेष लाभ मिला है। मध्यप्रदेश 31 मार्च की निर्धारित समय-सीमा से पहले नक्सलवाद से मुक्त होने वाला देश का पहला राज्य बना है। कॉन्क्लेव में स्वदेशी जागरण मंच की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज ने भी सहभागिता की।

कहा, पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को मिलेगा प्रोत्साहन

पचहत्तर से अधिक सेवाओं का हो रहा है साइबर पंजीयन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया साइबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संपदा-1.0 और संपदा 2.0 के बाद प्रदेश में साइबर पंजीयन की प्रक्रिया का आरंभ होना तकनीक आधारित सुशासन की नई शुरुआत है। मध्यप्रदेश भारत का पहला राज्य है, जिसने डिजिटल क्रांति के माध्यम से लोन, मुख्तयारनामा, माइनिंग लीज, हलफनामा, पावर आफ अटार्नी, पार्टनरशिप डीड जैसी 75 से अधिक सेवाओं के लिए सायबर पंजीयन प्रारंभ किया है।

राज्य सरकार के इस नवाचार से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिल रहा है। यह नई पीढ़ी के लिए पर्यावरण और पारदर्शिता के मामले में महत्वपूर्ण होगा। डॉ. यादव सोमवार को पंजीयन भवन में सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद बोल रहे थे।

साइबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

धन और समय दोनों की होगी बचत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब शासन और उसके उपक्रमों के अंतरण दस्तावेज भी पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पूरे होंगे। हाउसिंग बोर्ड और विकास प्राधिकरण के अंतरण के लिए जनता को पंजीयन कार्यालय नहीं आना पड़ेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वीडियो केवायसी सहित सभी कार्य होंगे, इससे धन और समय दोनों की बचत होगी। डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि संपदा 2.0 के नवाचार को वर्ष 2025 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार मिला है। अब तक 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है।

देश भर में सराहा गया प्रदेश के नवाचारों को

उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि वर्ष 2024-25 में दस्तावेजों के पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग के लिए एडवांस सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 लागू किया। इससे चल और अचल संपत्ति के दस्तावेज डिजिटल और पेपरलेस तरीके से पंजीकृत हो रहे हैं। कई दस्तावेज तो ऐसे हैं जिनके लिए उप-पंजीयक कार्यालय भी नहीं आना पड़ता है। सबसे पहले गुना,हरदा, रतलाम और डिण्डौरी जिलों में नए ई-पंजीयन और ई- स्थम्पिंग सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 का सफल पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नवाचारों को देशभर में सराहा गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में जारी इन नवाचारों का लाभ प्रदेश के नागरिकों को मिल रहा है। पंजीयन से जुड़े कार्यों को त्रुटि रहित पूरा करने के लिए प्रदेशभर के 14 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

फांसी लगाकर दी जान

दुर्ग। जामुल थाना क्षेत्र के घासीदास नगर में एक 17 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना छत्तीसगढ़ बोर्ड की दसवीं की परीक्षाएं शुरू होने से ठीक पहले हुई, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

डेल्टन केबल्स लिमिटेड

सीआईएन: L31300DL1964PLC004255,
पंजी. कार्यालय: डेल्टन हाउस, 4801, भरत राम रोड, 24, दरियागंज, नई दिल्ली–110002
वेबसाइट: www.deltoncables.com ई–मेल: secretarial@deltoncables.com
फोन: 0129–4523000

नोटिस

भौतिक शेयरों के हस्तांतरण अनुरोध को पुनः जमा करने के लिए विशेष विंडो खुलने का नोटिस

एतद्द्वारा कंपनी के शेयरधारकों को सूचित किया जाता है कि, सेबी के 30 जनवरी, 2026 के परिपत्र संख्या HO/38/13/11(2)2026–MIRSD–PoD/13750/2026 के अनुसार, कंपनी ने 01 अप्रैल, 2019 से पहले बेची या खरीदी गई भौतिक प्रतिभूतियों के हस्तांतरण और डीमैटेरियलाइजेशन ("डीमैट") के लिए 05 फरवरी, 2026 से 04 फरवरी, 2027 तक, एक साल के समय के लिए एक स्पेशल विंडो खोली है।

इस विशेष विंडो के तहत, भौतिक शेयर हस्तांतरण अनुरोध जो पहले प्रस्तुत किए गए थे, लेकिन किसी कारणवश दस्तावेजीकरण की खामियों, प्रक्रियात्मक चूकों, या अन्यथा के कारण अस्वीकार कर दिए गए, वापस कर दिए गए थे या संसाधित नहीं किए गए थे, उन्हें कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) के साथ त्रुटियों को दुरूस्त करने के बाद दुबारा दर्ज किया जा सकता है, जो कि मैसर्स बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज़ (प्राइवेट) लिमिटेड (यूनिट: डेल्टन केबल्स लिमिटेड) बीटल हाउस, तीसरी मंजिल, 99 मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, दादा हरसुखदास मंदिर के पास, नई दिल्ली–110062 में स्थित है, जिसका ईमेल: beetalrta@gmail.com है और जिसकी वेबसाइट: https://beetal.in है।

इस विशेष विंडो के अंतर्गत हस्तांतरित सभी प्रतिभूतियों को अनिवार्य रूप से हस्तांतरिती के डीमैट खाते में केवल डीमटेरियलाइज्ड रूप में जमा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कथित प्रतिभूतियों के हस्तांतरण के पंजीकरण की तिथि से एक साल के लॉक–इन–पीरियड तक होंगी, जिसके दौरान प्रतिभूतियों को हस्तांतरण, गिरवी रखना या ग्रहणाधिकार चिन्हित नहीं किया जाएगा। हस्तांतरिती को ऊपर उल्लेखित सेबी परिपत्र के अंतर्गत उल्लेखित सभी दस्तावेज जमा करने होंगे।

हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरिती के बीच विवादों के मामलों पर इस विशेष विंडो के तहत विचार नहीं किया जाएगा और संबंधित पार्टियों द्वारा उचित न्यायालय या एनसीएलटी कार्यवाहियों के माध्यम से उन्हें सुलझाया जा सकता है।

जो प्रतिभूतियां पहले ही निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में हस्तांतरित हो गई हैं, वे इस विशेष विंडो के तहत प्रोसेसिंग के लिए पात्र नहीं होंगी।

कृते डेल्टन केबल्स लिमिटेड
हस्ता/–
जितेंद्र कुमार
कंपनी सचिव और सामान्य परामर्शदाता
एसीएस नंबर: 30349

दिनांक: 17 फरवरी, 2026
स्थान: फरीदाबाद

छोटे शहरों से भी निकल सकते हैं बड़े स्टार्टअप्स

इंदौर। आज का स्टूडेंट सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि ऐसा प्लेटफॉर्म चाहता है, जहाँ वह अपने विचारों को खुलकर पेश कर सके और उसे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से रूबरू होने का मौका मिले। वह जानना चाहता है कि असली दुनिया में फैसले कैसे लिए जाते हैं, बिज़नेस कैसे चलता है और लीडरशिप क्या होती है। इसी जरूरत को समझते हुए बीते दिनों माफिया इंक चैंपियनशिप और आंत्रप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन समिट-2026 का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने स्पष्ट कर दिया कि आज के युवा सिर्फ नौकरी ढूँढने वाले नहीं, बल्कि खुद कुछ नया शुरू करने का माद्दा रखते हैं। समिट में माफिया इंक के संस्थापक मधुकर केशवमूर्ति, सीईओ सौरभ राठौर सहित कई विशेषज्ञों ने स्टूडेंट्स से सीधे संवाद किया। हेमंत राजोरिया, एलआईसी के प्रतिनिधि और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े अन्य वक्ताओं ने बताया कि छोटे शहरों से भी बड़े स्टार्टअप्स निकल सकते हैं। इंदौर के 5 कॉलेजों के 700 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने इस चैंपियनशिप में स्सिा लिया। फाइनल में लब्धि नाहर, पहल जैन, माधवी धुदानी, लक्ष्मी चौधरी, रवि ठाकुर, भावेश निकुम्बे और शीतल सोमानी विजेता बने। इन स्टूडेंट्स को 1 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, पेड इंटर्नशिप और रियल इंडस्ट्री एक्सपोज़र दिया जाएगा।

पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नक्सलियों ने छोड़े हथियार

22 नक्सलियों ने छोड़ा हिंसा का रास्ता, किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुकमा जिले में 22 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है।

इस घटना को नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। आत्मसमर्पण की यह प्रक्रिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस बड़ी सफलता में जिला रिजर्व गार्ड, जिला पुलिस बल, क्षेत्रीय फील्ड टीम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा बटालियन की सराहनीय भूमिका रही। सुरक्षाबलों द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे सघन तलाशी व घेराबंदी अभियानों के कारण नक्सली संगठनों पर लगातार दबाव बना हुआ था।

समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय

प्रशासन के अनुसार, सरकार की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति, बेहतर जीवन की संभावनाओं और विकास कार्यों के विस्तार से प्रभावित होकर नक्सलियों ने हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को नियमानुसार पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे नक्सल मुक्त भारत अभियान की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है। उनका कहना है कि आने वाले समय में नक्सलवाद के प्रभाव वाले क्षेत्रों में शांति, विकास और विश्वास का माहौल और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री बोले- 13 बैठकें कर बजट पूर्व परामर्श किया

लोगों के सुझाव से तैयार होगा बजट प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय ढाई गुणा बढ़ी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 20 से शुरू होने जा रहा विधानसभा का बजट सत्र प्रदेश के विकास की दिशा, जनकल्याण की प्राथमिकताओं, भविष्य की योजनाओं को सशक्त आधार प्रदान करेगा। प्रदेश की भाजपा सरकार ने कार्यभार संभालते समय जो संकल्प पत्र प्रदेश की जनता के समक्ष रखा था, वह हमारे लिए गीता के समान है। वह सुशासन, पारदर्शिता तथा जनहित के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट दस्तावेज है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को हरियाणा निवास चंडीगढ़ में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि इस बार वर्ष 2026-27 के लिए बजट बनाने की प्रक्रिया जारी है। पूर्व-बजट परामर्श की परंपरा को निभाते हुए, उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों के साथ अब तक कुल 13 बैठकें की हैं। इनमें उन्हें 2 हजार 199 सुझाव प्राप्त हुए। इस बार प्रदेश सरकार ने एआई चैटबॉट का नया प्रयोग किया। इसके माध्यम से भी लगभग 12 हजार 400 सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन सभी पर मंथन जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार कम से कम 4-5 हजार सुझावों को आगामी बजट वर्ष 2026-27 में सम्मिलित करेंगे। 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में राज्य की प्रतिव्यक्ति आय 3 लाख 58 हजार 171 रूपये रही है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिव्यक्ति आय 2 लाख 19 हजार 575 रुपये है। हरियाणा देश के पांच शीर्ष राज्यों में शामिल है।

- बोले- जन हितैषी होगा बजट, विकास को नया आयाम देगा

विपक्ष की पैसा न खर्च करने की टिप्पणियां गलत

उन्होंने कहा कि विपक्ष बार-बार टिप्पणियां करता है कि सरकार अर्थव्यवस्था पर खर्च नहीं कर रही है, लेकिन वे उन्हें बताना चाहेंगे कि प्रदेश सरकार के समय में अर्थव्यवस्था पर हुआ वास्तविक खर्च उनके समय में हुए वास्तविक खर्च से लगभग तीन गुणा है। लगभग 11 विभागों जिनमें पुलिस, परिवहन, राजस्व, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान शामिल हैं, का वर्ष 2025-26 के लिए कुल व्यय 80 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है। लगभग 21 विभागों का अब तक का व्यय वर्ष 2025-26 के लिए 70 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है तथा लगभग 18 विभागों का कुल व्यय वर्ष 2025-26 के लिए 60 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है।

पिछले दस सालों में तेजी से हो रहा विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय लगातार बढ़ी है। वर्ष 2014-15 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 47 हजार 382 रुपये थी। इन आंकड़ों से यह पूर्णतः स्पष्ट होता है कि पिछले 10 वर्षों में राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगभग ढाई गुणा की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार के सभी विभागों का वास्तविक खर्चा 1 लाख 75 हजार 801 करोड़ रुपए था, जबकि वर्ष 2014-15 में यह केवल 61 हजार 904 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में सभी विभागों का वास्तविक खर्चा एक लाख 59 हजार 747 करोड़ रुपये है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम हिसार	हिसार क्लस्टर (एम.सी. हिसार, हांसी, बरवाला, उकलाना, नारनौंद और सिवानी) में प्रतिदिन निकलने वाले नगरीय ठोस कचरे का प्रसंस्करण।	बंद होने की तिथि 02.03.2026	रु. 892.50 लाख (लगभग)	https://etenders.hry.nic.in	8295088152 xenmchissar@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2026/40/43073/1/88/7 दि. 17.02.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम हिसार	पुनः आमंत्रण–एम.सी. हिसार में दुग्ध डेयरियों की शिफ्टिंग + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 04.03.2026	रु.34,77,35,032/-	https://etenders.hry.nic.in	1662238001 xenmchissar@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2026/40/43079/1/88/7 दि. 17.02.26

चिंतन

युवा एआई को नए रूप में अपनाकर दक्षता निखारें

तेजी से बदलती दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब कोई भविष्य की कल्पना नहीं, बल्कि वर्तमान की ठोस वास्तविकता बन चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, मीडिया और प्रशासन हर क्षेत्र में एआई की पैठ बढ़ रही है। ऐसे समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि वे इसे किस रूप में अपनाते हैं। यदि युवा एआई को केवल आसान कामों का सहारा मानेंगे, तो उनकी मूल दक्षताएं कमजोर पड़ सकती हैं, लेकिन यदि वे इसे अपनी क्षमता बढ़ाने का उपकरण बनाएंगे, तो यही तकनीक उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। राजधानी नई दिल्ली में आयोजित पांच दिवसीय 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इस बदलते परिदृश्य का प्रतीक है। समिट का मुख्य आयोजन भारत मंडपम में हो रहा है, जहां 70,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में 'एआई इम्पैक्ट एक्सपो' लगाया गया है। 300 से अधिक कंपनियां यहां अपने नवाचारों का प्रदर्शन कर रही हैं। लाइव डेमो के माध्यम से यह दिखाया जा रहा है कि एआई किस तरह रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर सकता है। यह केवल तकनीकी प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भविष्य की झलक है। इस समिट में वैश्विक स्तर की बड़ी हस्तियों की मौजूदगी भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भागीदारी इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय महत्व देती है। वहीं, तकनीकी जगत की चर्चित हस्तियां सैम ऑल्टमैन, सुंदर पिचाई, एलेक्जेंडर वांग, डारियो आमोदेई और क्रिस्टियानो आमोन इस बात का संकेत हैं कि एआई अब वैश्विक सहयोग और प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। भारत से भी उद्योग जगत के दिग्गज जैसे मुकेश अंबानी, एन. चंद्रशेखरन और सलील पारेख की उपस्थिति यह दर्शाती है कि भारतीय उद्योग एआई को भविष्य की रणनीति का अहम हिस्सा मान रहा है। समिट का मुख्य लक्ष्य कृषि, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई के प्रभाव को बढ़ाना है। यदि एआई का सही उपयोग हो तो किसान फसल की बेहतर योजना बना सकते हैं, डॉक्टर सटीक निदान कर सकते हैं और छात्र व्यक्तिगत सीखने के अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। यह तकनीक केवल उत्पादकता नहीं बढ़ाती, बल्कि अवसरों के नए द्वार भी खोलती है। आसान कार्यों के लिए यदि हर बार एआई का सहारा लिया जाएगा, तो बुनियादी कौशल कमजोर पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि युवा एआई को प्रतिस्थापन नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखें। तकनीकी दक्षता, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और नैतिक समझ ये चार स्तंभ ही युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करेंगे। भारत पहले ही डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर चुका है। अब एआई के क्षेत्र में भी वह वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। डांसिंग रोबोट जैसे आकर्षक प्रदर्शन भले ही मनोरंजन का माध्यम लगें, पर इनके पीछे छिपी तकनीक यह संकेत देती है कि एआई आधारित रोबोट आने वाले समय में हमारे घरों, दफ्तरों और उद्योगों का हिस्सा बन सकते हैं। ऐसे में युवाओं के लिए यह समय तैयारी का है, नई तकनीकों को समझने और उन्हें रचनात्मक रूप से अपनाने का है। आज की युवा पीढ़ी के सामने विकल्प साफ है या तो वे एआई के बदलावों से डरकर पीछे रह जाएं, या फिर उसे अपना साथी बनाकर आगे बढ़ें। एआई का दौर आ चुका है, अब तय युवाओं को करना है कि वे इसके दर्शक बनेंगे या निर्माता।

शिक्षण संस्थानों में जातीय नफरत की बढ़ती खाई

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

आज जब पूरी दुनिया में धर्म, जाति, नस्ल और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठ रहा है तब भारत की राजनीति इसी पर केंद्रित है। देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में इन दिनों जातीय कटुता का जहर घोला जा रहा है जिसमें सीधे तौर पर वोटबैंक की राजनीति है। यह आलम तब है जब टाइम्स हायर एजुकेशन के साल 2026 के रैंकिंग में दुनिया के शीर्षस्थ 100 यूनिवर्सिटीज में भारत का कोई भी यूनिवर्सिटी शामिल नहीं है। हम 'विकसित भारत -2047' का सपना देख रहे हैं जिसका सारा दारोमदार हमारे उच्च शिक्षा संस्थानों पर निर्भर है। विचारणीय है कि उच्च शिक्षा संस्थान ज्ञान और अनुसंधान के केंद्र होते हैं जहां नवाचार और समावेशी विकास की बात होती है लेकिन हमारे शिक्षा संस्थानों में इन दिनों जातीय नफरत के नारे सुनाई पड़ रहे हैं। विडंबना है कि हमारे छात्र और युवा सदियों पुराने जातिवाद के झगड़े में उलझ रहे हैं इन परिस्थितियों में भारत कैसे विकसित होगा?

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 'यूजीसी' के 'इक्विटी रेगुलेशंस 2026' के समर्थन और विरोध में देश के विश्वविद्यालयों में जातीय वैमनस्यता की खाई लगातार बढ़ती जा रही है। नये नियमों के खिलाफत और समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों को विभिन्न राजनीतिक दलों और जातीय संगठनों द्वारा भी खूब हवा दिया जा रहा है।सवर्ण जातियों के संगठन जहां इसे 'काला कानून ' बताते हुए नियमों को वापस लेने के लिए सड़कों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए वहीं दलित, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के संगठन नये नियमों को उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता का अवसर देने वाला बताकर इसे लागू करने की मांग पर अड़े हुए हैं।

बहरहाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा नये रेगूलेशंस पर रोक लगाने और मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च निश्चित करने के बावजूद दोनों वर्गों के संगठनों द्वारा किए जा रहे भड़काऊ प्रदर्शनों से अनेक सवाल पैदा हो रहे हैं। सवाल यह कि सुप्रीम अदालत के नये नियमों पर रोक के बावजूद इसके पक्ष और विपक्ष में हो रहे प्रदर्शनों को सुप्रीम कोर्ट और सरकार पर बेजा दबाव की कोशिश नहीं माना जाना चाहिए? क्या यह अदालत की अवमानना नहीं है? यदि प्रदर्शनकारियों के मंसूबे यही है तो इस मुद्दे पर हो रहे सभी प्रदर्शनों पर सख्ती आवश्यक है। आखिरकार यह सरकार और सुप्रीम कोर्ट के साख के साथ ही देश के सामाजिक सौहार्द से जुड़ा मसला है। सियासी दलों और जातीय संगठनों से भी सवाल है कि शिक्षा के परिसरों में धर्म और जाति का जहर घोलकर देश को अराजकता के आग में झोंकना कितना उचित है? देश 1990 में मंडल कमीशन रिपोर्ट लागू करने के बाद हुए हिंसा, आगजनी और आत्मदाह के दंश को नहीं भूला है।

सोशल मीडिया आज आम आदमी के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है जिससे सभी उम्र के लोग जुड़े हुए हैं। विडंबना है कि सोशल मीडिया जातीय नफरत की आग में लगातार घी डाल रहा है। सोशल मीडिया पर गौर करें तो इस मुद्दे पर यूजर्स के बीच लगातार टकराव बढ़ रहा है और लोगों के बीच मर्यादा की सीमा भी टूट रही है।सोशल मीडिया इस मुद्दे पर जिस तरह से आपत्तिजनक कंटेंट को बढ़ावा दे रहा है उससे इस माध्यम के जवाबदेही पर भी सवालिया निशान लग रहा है। इस बीच अहम सवाल यह भी कि विश्वविद्यालय कैंपस में बढ़ रहे इस जातीय तनाव पर सरकार और प्रशासन क्यों चुप्पी साधे हुए है?

गौरतलब है कि देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित समझे जाने वाले दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी 'जेएनयू' और दिल्ली यूनिवर्सिटी ' डीयू' इन प्रदर्शनों के केंद्र बने हुए हैं। इन संस्थानों में हो रहे प्रदर्शनों में राजनीतिक दलों के छात्र संगठनों की प्रमुख भूमिका है जिसके पीछे जातीय संगठनों की सहभागिता है। वामपंथी फ्रंट से जुड़े 'अईसा' , 'एसएफआई', 'डीएसएफ' , 'एआईएसएफ',समाजवादी, दलित, आदिवासी, ओबीसी और अंबेडकरवादी छात्र संगठन जहां यूजीसी नियमों को लागू करने पर अड़े हुए हैं वहीं दक्षिणपंथी छात्र संगठन 'एबीवीपी' उपरोक्त प्रदर्शनों के खिलाफ आवाज उठा रहा है। नये नियमों के पक्ष और विपक्ष में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान कैंपस में छात्रों के गुटों के बीच झड़पों की खबरें भी सामने आ रही है। इन विश्वविद्यालयों के स्टूडेंट्स यूनियन में वामपंथी छात्र संगठनों ' लेफ्ट यूनिटी' का कब्जा है जो यूजीसी नियम के समर्थन में सवर्ण जातियों को अपने निशाने पर ले रहे हैं। इस यूनिवर्सिटी के छात्र केवल कैंपस में ही नहीं बल्कि दिल्ली के जंतर-मंतर में भी यूजीसी के समर्थन में ब्राम्हण के साथ ही अन्य सवर्ण जातियों के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी कर रहे हैं फलस्वरूप छात्रों के गुटों के बीच झड़प और जातीय कटुता बढ़ती जा रही है। बीते दिनों दिल्ली यूनिवर्सिटी में वामपंथी छात्र संगठन 'आईसा' और भीम आर्मी के अगुवाई में हो रहे प्रदर्शन के दौरान सवाल पूछने वाले एक महिला यूट्यूबर के साथ प्रदर्शनकारियों ने बदसलूकी और हाथापाई कर दिया जिसके बाद कैंपस में तनाव बढ़ गया। 'एबीवीपी' के छात्र इस घटना के बाद महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के समर्थन में सामने आ गए फलस्वरूप दोनों संगठनों के छात्रों के बीच जमकर टकराव हो गया।

जेएनयू स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा 9 फरवरी 2026 को द्वारा 2001 के संसद हमले के दोषी अफजल गुरु को फांसी दिए जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान जहां प्रदर्शनकारियों ने कश्मीर की आजादी को लेकर 'भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार' जैसे राष्ट्रविरोधी नारे लगाए गए। इस दौरान वामपंथी स्टूडेंट्स और एबीवीपी के छात्रों के बीच टकराव हुआ। बाद में इस मामले पर पुलिस कार्रवाई हुई तथा जेएनयू स्टूडेंट्स यूनियन के अध्यक्ष कन्हैया कुमार सहित अनेक छात्रों की गिरफ्तारी हुई थी। मोदी सरकार के 'सीएए-एनआरसी' बिल के खिलाफ जेएनयू में आंदोलन हुआ था और इसी दौरान 5 मार्च 2020 को कुछ नकाबपोश लोगों द्वारा कैंपस में घुसकर शिक्षकों और छात्रों पर हमला किया गया। इसी साल 6 जनवरी को कैंपस में उक्त घटना की छठवीं बरसी पर यहां के स्टूडेंट्स यूनियन ने एक कार्यक्रम रखा था।

अलबत्ता यूजीसी के नये रेगुलेशन को लेकर केवल दिल्ली में ही घमासान नहीं मचा है बल्कि देश के अनेक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इस कानून के पक्ष और विपक्ष में छात्र संगठनों के बीच तनातनी मची हुई है।उत्तरप्रदेश के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय 'बीएचयू', इलाहाबाद, गोरखपुर यूनिवर्सिटी और लखनऊ यूनिवर्सिटी में भी यूजीसी कानून के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान आपत्तिजनक नारेबाजी और तनाव की खबरें हैं। लखनऊ यूनिवर्सिटी में 'समता संवर्धन मार्च' के दौरान वामपंथी, कांग्रेसी, समाजवादी, दलित और अंबेडकरवादी छात्र संगठनों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। ' बीएचयू ' में भी यूजीसी कानून के पक्ष और विपक्ष में हो रहे प्रदर्शन के दौरान छात्रों के दो गुटों के बीच टकराव की खबरें हैं। इस विश्वविद्यालय के दीवारों पर भारत और ब्राह्मण विरोधी आपत्तिजनक नारे लिखे गए थे। इसी तरह गोरखपुर यूनिवर्सिटी में भी इस गाइडलाइंस के समर्थन और विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान कैंपस का माहौल गर्म हो गया है। इस यूनिवर्सिटी के कैंपस में भी सवर्ण समाज और नरेंद्र मोदी व योगी आदित्यनाथ के खिलाफ नारेबाजी हुई। यूजीसी के नये दिशा-निर्देश को लेकर राजस्थान, बिहार और झारखंड के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में प्रदर्शन की खबरें हैं। अलबत्ता इन प्रदर्शनों पर गौर करें तो यूजीसी के नए इक्विटी नियम के खिलाफत करने वालों के निशाने पर केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग था उन्होंने अपने प्रदर्शन के दौरान कभी भी एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के खिलाफ कोई भी टिप्पणी नहीं की। इसके इतर सुप्रीम कोर्ट द्वारा नये गाइडलाइंस पर रोक लगाने के बाद वामपंथी छात्र संगठनों के अगुवाई में हो रहे प्रदर्शनों में सीधे तौर पर ब्राह्मण, राजपूत, वैश्य सहित अन्य सवर्ण समाज के बारे में लगातार भड़काऊ और आपत्तिजनक नारेबाजी की जा रही जो अत्यंत चिंताजनक है। अलबत्ता देश के शिक्षण संस्थानों में छात्रों के साथ जातिगत, क्षेत्रवाद और लैंगिक आधार पर भेदभाव की खबरों को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है। यूजीसी ने संसदीय समिति को सौंपे अपने रिपोर्ट में बताया है कि बीते पांच सालों के दौरान उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव में 118 फीसदी वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ही नया विनियमन जारी किया गया था लेकिन अदालत ने इन नियमों को अस्पष्ट बताते हुए इसके दुरुपयोग की संभावना जताई है। चूंकि मामला सुप्रीम कोर्ट के निगरानी में है लिहाजा इस रेगुलेशंस के समर्थन और विरोध में हो रहा प्रदर्शन किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। इन परिस्थितियों में सभी वर्ग के छात्रों और छात्र संगठनों से अपेक्षा है कि वे देश के सामाजिक सौहार्द और समरसता के दृष्टिगत कोई भी ऐसा कदम न उठाएं जिससे शिक्षा परिसरों की मर्यादा और शुचिता पर आंच आए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

मुद्दा

डॉ. मोनिका शर्मा

शादी के वादे और शोषण के जाल से सजग रहें महिलाएं

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के लिए विवाह पूर्व शारीरिक संबंध बनाने को लेकर सजग रहने का प्रभावी संदेश का दिया। ज्ञात हो कि इस विषय पर सुप्रीम अदालत की रेखांकित करने योग्य टिप्पणियां एक 30 वर्षीय महिला की शिकायत से जुड़े मामले में आई हैं। मैट्रिमोनियल साइट के माध्यम से 2022 में आरोपी से मिली महिला के मुताबिक आरोपी ने पहले से शादीशुदा होने के बावजूद शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने दिल्ली और फिर दुबई में कई बार उसके साथ संबंध बनाए। इतना ही नहीं, दुबई में उसकी बिना अनुमति के अंतरंग वीडियो भी बना लिए। विरोध करने पर वीडियो को उसे ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया और वायरल करने की धमकी भी दी। बाद में 2024 में आरोपी ने पंजाब में किसी दूसरी महिला से शादी कर ली। हालिया बरसों में कभी सहमति तो कभी बहकावे में आकर शारीरिक सबन्ध बनाने के बाद आरोप-प्रत्यारोप के मामले तेजी से बढ़े हैं। किशोरिया और युवतियां ही नहीं परिपक्व उम्र की महिलाएं जाने-अनजाने शारीरिक शोषण के इस जाल में फंस रही हैं। यह स्थिति आपराधिक आंकड़े बढ़ाने वाली ही नहीं, संबंधों में भरोसे के भाव को कमजोर करने वाली भी है। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियां हर आयु वर्ग की महिला के लिए अपने सम्मान को सहेजने और सुरक्षित रहने के दिशानिर्देशों के समान हैं।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाने से पहले लोगों को बहुत सावधानी बरतने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि

'शायद हम पुराने खयालात वाले हैं, लेकिन शादी से पहले लड़का और लड़की कानूनी और सामाजिक रूप से अजनबी ही होते हैं। रिश्ते कितने भी गहरे क्यों न हों, शादी पक्की होने तक शारीरिक सम्बन्धों में जाना समझ से परे है। शादी से पहले किसी पर भी पूरी तरह भरोसा नहीं करना चाहिए। लोगों को बहुत सतर्क रहना चाहिए।' निस्संदेह, न्यायालय की टिप्पणियां महिलाओं को व्यावहारिक और जागरूक रहने का सन्देश देने वाली हैं। हालांकि, अब समाज में उदारवादी दृष्टिकोण बढ़ रहा है पर ऐसे संबंधों के परिणाम और उनसे जुड़े शारीरिक-मानसिक शोषण से बचने के लिए स्त्रियों को स्वयं भी सजग होना होगा। आज की महिलाएं घर और बाहर अपनी मौजूदगी दर्ज करवा रही हैं। हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं। ऐसे में कोई भी पढ़ी-लिखी महिला ऐसे संबंधों के मामले में अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। कहना गलत नहीं होगा कि शोषण और धोखाधड़ी के ऐसे मामलों में झांसा देने की दलील भी उचित नहीं लगती। कानून ही नहीं, समाज और परिवार भी यह नहीं मानेगा कि शिक्षित-सजग महिला ने बहकावे में आकर संबंध बनाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में भी महिला से पूछा कि 'आखिर दुबई तक इतनी दूर क्यों गईं? यह तो आपसी सहमति से हुआ लगता है। ऐसे मामलों में जहां शारीरिक संबंध दोनों की मर्जी से बनाए गए हों, वहां बलात्कार का केस चलाना और सजा देना ठीक नहीं लगता।' स्पष्ट है कि इस केस को लेकर न्यायालय का सार्थक संवाद और सवाल सब कुछ विचारणीय है। हमारे देश में अधिकतर कानूनी प्रावधान महिलाओं की सहायता के लिए ही बने हैं, लेकिन इन प्रावधानों का इस्तेमाल महिलाएं अपने ही निर्णय के नकारात्मक परिणाम से बचने के लिए नहीं कर सकतीं। चिंतनीय यह भी है कि तमाम आधुनिकताओं के बावजूद महिलाओं को लेकर लोगों की मानसिकता नहीं बदली है। स्त्रियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के आंकड़े समाज के समक्ष सबसे बड़ी चिंता बने हुए हैं। बावजूद इसके शादी के वादों-इरादों के नाम पर शारीरिक संबंध बनाने के बाद आरोप लगाने के वाकये भी खूब हो रहे हैं। तकलीफदेह यह भी है कि इन मामलों से महिलाओं का ही पक्ष कमजोर होता है। खासकर किसी पढ़ी-लिखी महिला के साथ अगर ज़ोर-जबर्दस्ती नहीं की गई है तो उसे भी इन सबन्धों की जिम्मेदारी लेनी होगी। दायित्व का यह भाव किसी की बातों के भुलावे में आने से पहले ही होना चाहिए। शिक्षित और सशक्त होने के मायने यही हैं कि अपनी सुरक्षा के लिए जागरूक रहा जाए। ऐसे धोखे या झांसे में ना आएं जो शोषण का शिकार बनाने का जाल हो। मौजूदा दौर में महिलाओं को अपने विचार और व्यवहार में इतनी समझ और जवाबदेही तो रखनी ही होगी ।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को अच्छी बातों से जोड़ें

संकलित

दर्शन

नए साल में संकल्प करने की परंपरा है। बहुत-से लोग बहुत प्रकार के संकल्प करते हैं, जैसे- वजन कम करेंगे, मीठा नहीं खाएंगे, झूठ नहीं बोलेंगे। ऐसे संकल्प करना भी अच्छी बात है, क्योंकि उससे भी आपके मन की शक्ति बढ़ जाती है और मन की कमजोरी दूर हो जाती है। बहुत-से लोग संकल्प तो करते हैं, परंतु उसे पूरा नहीं कर पाते हैं, क्योंकि मन बेईमान हो जाता है। जरूरी है कि हम अपने मन पर नियंत्रण करें। उसके गुलाम नहीं बने। यह कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं है। इसके लिए जरूरी है ईमानदारीपूर्वक निरंतर प्रयास करने की। जैसे पानी के लिए नीचे गिरना आसान और सहज होता है, परंतु अगर उसे ऊपर उठाना हो, तो मोटरपंप की जरूरत पड़ती है। ऐसे ही हमारे मन के लिए नीचे गिरना आसान और सहज है। मन को ऊंचा उठाना बहुत मुश्किल है। मन के लिए अच्छी बातों से जुड़ना बहुत मुश्किल है, उनको छोड़ देना सहज है।मन की आदतें ऐसी होती हैं कि उन्हीं आदतों में मन को सुविधा महसूस होने लगती है। हमारा मन कुछ आदतों को पाल लेता है और उन्हीं में खुश रहता है। अगर आप अपनी दिनचर्या में साधना को बढ़ाने का संकल्प करते हैं, तो उसको बिना किसी अटकाव के सालभर चलाते रहना बहुत जरूरी है। भूतकाल बीत चुका है, परंतु वर्तमान आपके हाथ में है, इसलिए आनेवाले कल में क्या होगा, यह आपके आज पर निर्भर करता है। अगर आप अपने आज को साधनापूर्ण, शांतिपूर्ण और सुंदर बना लोगे, तो निश्चित रूप से आपका कल भी वैसा ही होगा।

माता-पिता और गुरु के ऋणों से कैसे मुक्त हों

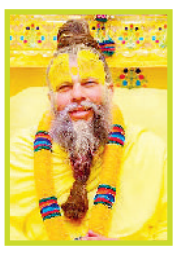

संकलित

प्रेरणा

वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उनके दर्शन के लिए लोगों की लाइनें लगी रहती हैं। भक्त महाराज जी का दर्शन करते ही हैं, साथ में उनसे सवाल भी पूछते हैं। ऐसे ही एक भक्त ने प्रेमानंद महाराज जी से सवाल पूछा कि इसी जन्म में माता-पिता और गुरु के ऋण से मुक्त होने के क्या उपाय है? ताकि सभी ऋण उतरने से और नाम जप के प्रभाव से दोबारा जन्म ना लेना पड़े। चलिए जानते हैं कि प्रेमानंद महाराज जी ने क्या जवाब दिया। महाराज जी कहते हैं कि नाम जप करते हुए जब हमारा भगवत साक्षात्कार हो जाता है। उन्होंने बताया कि एकादशी स्कंध में भागवत में लिखा हुआ है उद्धव जी को भगवान उपदेश करते हैं कि जिसको मेरी प्राप्ति हो जाती है, तो वह समस्त ऋणों से मुक्त हो जाता है। भगवान की प्राप्ति होते ही ऋषि ऋण, मातृ-पितृ, देव, गुरु ऋण सभी ऋणों से मुक्त हो जाता है। पर भगवान की प्राप्ति होनी चाहिए। प्रेमानंद महाराज जी कहते हैं कि भगवान की प्राप्ति का कलयुग में सहज और सरल उपाय है- नाम जप। तो नाम का आधार लेकर निरंतर नाम जप करें, तो भगवत प्राप्ति होगी। वो कहते हैं कि निरंतर नाम जप तभी होगा, जब हमारा आहार पवित्र होगा, हमारे आचरण ठीक होंगे। आचरण गलत हो, नाम गलत हो तो नाम घसीटने पर भी नहीं चलता, मन नहीं लगता है।

लूनर न्यू ईयर

चीनी समुदाय के लोग कोलकाता में मंगलवार को लूनर न्यू ईयर सेलिब्रेशन में हिस्सा लेते हुए। लूनर न्यू ईयर को कभी-कभी चीनी न्यू ईयर भी कहा जाता है।

आज की पाती

असंगठित बल को संगठित करने की पहल

हमारे देश में संगठित क्षेत्र में औपचारिक रूप से पंजीकृत वो व्यवसाय आते हैं, जो श्रम कानूनों का पालन करते हैं, नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं। जबकि असंगठित क्षेत्र में अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं, जिनमें बहुत कम या कोई विनियमन नहीं है, अक्सर नौकरी की सुरक्षा, लाभ और कानूनी सुरक्षा का अभाव रहता है। असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के अंतर्गत घरों में काम करने वाले श्रमिक, स्व-नियोजित श्रमिक या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले श्रमिक असंगठित क्षेत्र के दायरे में आते हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई अधिनियम लागू किए जा चुके हैं। असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों के आंकड़े एकत्रित करने और उनके नि:शुल्क पंजीकरण के लिए प्रयास हुए हैं। *-विजय साहू , रायपुर*

ट्रेंड

एआई का उपयोग

भारतीय युवा पिछली पीढ़ियों से अलग सोच रखते हैं। शिक्षा में एआई और एआई में शिक्षा परस्पर जुड़े हुए हैं। मैं अपने युवाओं से आह्वान करता हूं कि वे एआई का उपयोग शिक्षा देने, इसे अपनाने, सशक्त बनाने और ऐसे अभूतपूर्व पहल करने के लिए करें जो भारत को एआई क्षेत्र में एक सशक्त शक्ति के रूप में स्थापित करें।

- धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

अस्पतालों की उपेक्षा

भाजपा सरकार ने सपा काल में बने मेडिकल कॉलेज, केसर इंस्टीट्यूट व अन्य अस्पतालों की जानबूझकर अनदेखी की है। भाजपाइयों ने अपने कार्यालय, और आयुष यूनिवर्सिटी तो खोल ली है परंतु जनहित के आम अस्पतालों की पूरी तरह उपेक्षा की है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

नशा मुक्त पंजाब

पंजाब में पिछले एक साल में 2000 किलो से ज़्यादा नशा बरामद, बड़े तस्कर जेल में और अवैध संपत्तियों पर बुलडोज़र चला है। आम आदमी पार्टी सरकार का साफ़संदेश है, पंजाब में नशा तस्कर नहीं बचेंगे। नशा मुक्त पंजाब बनाकर ही दम लेंगे।

-अरविन्द केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

एआई की दुनिया

एआई की दुनिया में नए सीईओ का आगमन हो चुका है। हर कोई संभावित रूप से सीईओ है... और कोई भी सीईओ नहीं है। एआई की दुनिया में शीर्ष-स्तरीय संगठन व्यवस्था समाप्त हो चुकी है।

- शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

एआई में स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों के बोझ कम करने की क्षमता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों के बोझ कम करने और चिकित्सक-रोगी संबंधों को मजबूत करने की क्षमता है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने सोमवार को कहा कि भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव के लिए एआई का विस्तार : सार्वजनिक-निजी भागीदारी विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय सामूहिक परिचर्चा में श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत की स्वास्थ्य प्रणाली राष्ट्रीय स्तर पर अंतर-संचालनीय डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हुई है। एक प्रमुख भागीदार मंत्रालय के रूप में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय उच्चस्तरीय सामूहिक परिचर्चा, प्रमुख पहल की शुरुआत और अपने समर्पित प्रदर्शनी स्टॉल पर एआई-संचालित स्वास्थ्य सेवा समाधानों के प्रदर्शन के माध्यम से शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पिछले एक दशक में रिकॉर्ड के बुनियादी डिजिटलीकरण और बेहतर डेटा रिपोर्टिंग से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अंतरसंचालनीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण तक विकसित हुई है।

ऑफ बीट

होता कुछ है, देखते कुछ हैं भ्रम में कुछ प्रजातियां

कई प्रजातियों द्वारा समझा जाने वाला भ्रम दृश्य भ्रम का अध्ययन मस्तिष्क कैसे काम करता है इसकी दिलचस्प जानकारी प्रदान करता है। दृश्य भ्रम अवधारणात्मक त्रुटियां हैं, जो संभवत: हमें जटिल प्राकृतिक जानकारी को कुशलतापूर्वक संसाधित करने में सक्षम बनाती हैं। एकल भ्रम एक छवि में बिंदुओं के विन्यास के आधार पर मात्रा की गलत धारणा का कारण बनता है। जो लोग भ्रम का अनुभव करते हैं वे एक साथ गुच्छित होने पर बिंदुओं की संख्या का अधिक अनुमान लगाएंगे और/या बिखरे होने पर बिंदुओं की संख्या को कम आंकेंगे। हम जानते हैं कि एकल भ्रम मनुष्यों, कैपुचिन बंदरों, गप्पियों और भौंरों द्वारा महसूस किया जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि चिंपैंजी, रीसस बंदर और घरेलू कुत्तों को भ्रम का एहसास नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि इंसानों में उम्र एकल भ्रम की धारणा को प्रभावित करती है - छोटे बच्चे बड़ों की तुलना में कम संवेदनशील होते हैं। मनुष्यों और अन्य प्रजातियों द्वारा मात्राओं की इस गलत धारणा का अनुभव करने का एक संभावित विकासवादी कारण यह है कि यह हमें बड़ी संख्या में वस्तुओं को अधिक कुशलतापूर्वक और तेज़ी से संसाधित करने और तुलना करने में मदद दे सकता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

नेताओं के भाषणों पर सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

देश में माहौल जहरीला बनता जा रहा, नेता भाईचारा बढ़ाने पर ध्यान दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में नेताओं के भाषणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। कोर्ट ने शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा समेत 12 याचिकाकर्ताओं से राजनीतिक भाषणों पर दिशानिर्देश के लिए एक नई याचिका दाखिल करने को कहा है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जयमाल्य बागची की बेंच ने मौजूदा जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में नेताओं और मीडिया के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कुछ नेताओं के भाषण भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को प्रभावित करते हैं।

शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा समेत 12 याचिकाकर्ताओं की सुनवाई

सीजेआई, जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस बागची की बेंच ने कहा

दिशानिर्देश देने की याचिका खारिज

आदेश का पालन करना चुनौती बना: जस्टिस बागची

सिब्बल ने चुनाव आचार संहिता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू होती है, लेकिन उससे पहले दिए गए भाषण सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। उन्होंने पूछा कि ऐसे मामलों में मीडिया की क्या जिम्मेदारी है ताकि लोकतांत्रिक माहौल खराब न हो।

गाइडलाइन का पालन कौन करेगा: जस्टिस नागरत्ना

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर हम गाइडलाइन बना भी दें, तो उनका पालन कौन करेगा? भाषण की उत्पत्ति विचारों से होती है। आप विचारों को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं? हमें संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप विचारों को बढ़ावा देना होगा।

गाइडलाइन का अनुरोध किया: सिब्बल बोले

याचिकाकर्ताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने कहा कि देश में माहौल जहरीला होता जा रहा है। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के कथित हेट स्पीच के संदर्भ में दायर की गई थी। सिब्बल ने दलील दी कि किसी एक नेता के खिलाफ राहत नहीं मांगी जा रही है, बल्कि भाषणों में जवाबदेही तय करने के लिए गाइडलाइन बनाने का अनुरोध किया गया है। बेंच सिब्बल की दलील से सहमत नहीं हुई। सीजेआई ने कहा कि यह याचिका एक खास राजनीतिक दल के कुछ चुनिंदा व्यक्तियों के खिलाफ दिखती है। उन्होंने कहा कि इसे वापस लें। एक दूसरी याचिका दायर करें जिसमें यह बताया जाए कि राजनीतिक दल कैसे नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। वह एक निष्पक्ष याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार है।

लालू से जुड़े केस में सीबीआई से कहा

वो 60, 70 और 80 की उम्र के हैं... आपको भी पता है क्या होगा?

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो सीबीआई की उस अर्जी पर सुनवाई 22 अप्रैल तक के लिए टाल दी, जिसमें देवघर कोषागार से जुड़े चारा घोटाले के एक मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को झारखंड हाई कोर्ट से मिली जमानत को चुनौती दी गई थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह कहते हुए मामले को टाल दिया कि दलीलें पूरी नहीं हुई हैं और मामले से जुड़े कुछ आरोपियों की मौत हो चुकी है। सीबीआई की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलील दी कि हाई कोर्ट ने एक गैर-कानूनी आदेश पारित किया है और कानून का उल्लंघन करते हुए दोषियों की सजा निलंबित की गई है। ऐसा नहीं किया जा सकता। लालू की तरफ से पेश हुए सिब्बल ने कहा कि मामले में एक से ज्यादा आरोपी हैं और कुछ आरोपियों ने अभी तक सीबीआई की अपील पर अपने जवाब दाखिल नहीं किए हैं।

यह कैसी विशेष अनुमति याचिका

कोर्ट ने कहा कि हम दोनों (जज) ही जानते हैं कि यह कैसी विशेष अनुमति याचिका है। हमें लगता है कि आप दोनों भी जानते हैं कि इसका नतीजा क्या होगा। लोग 60, 70 और 80 की उम्र के हैं। इस पर राजू ने कहा कि वे सभी गैर-कानूनी तरीके से बाहर हैं। यह (बेल) सजा के बाद है। इसके बाद कोर्ट ने आखिरकार मामले की सुनवाई अप्रैल में टाल दी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि फाइलें बस पड़ी हैं। हम अप्रैल में तारीख देंगे। जिन मामलों में रेस्पोंडेंट की मौत हो गई है, हम उन्हें बंद कर देंगे।

खबर संक्षेप

अहमदाबाद सहित गुजरात के 6 कोर्ट को धमकी

नई दिल्ली। गुजरात की 6 अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद हड़कंप मच गया।

अधिकारियों ने कहा कि अहमदाबाद, वडोदरा, वलसाड, राजकोट, गांधीनगर और मेहसाणा की कोर्ट को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। बम की धमकी मिलने बाद अधिकारियों ने सभी अदालतों की तलाशी ली। जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को एनजीटी की मंजूरी

नई दिल्ली। एनजीटी ने ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट

टर्मिनल सहित बड़ी अवसंरचना परियोजना को मंजूरी दे दी है। ट्रिब्यूनल ने कहा पर्यावरणीय स्वीकृति में पर्याप्त सुरक्षा उपाय शामिल किए गए हैं और हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। कोलकाता स्थित पूर्वी जोनल बेंच की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश प्रकाश श्रीवास्तव ने की।

सुल्तान और शिवाजी की तुलना, अब मांगी माफी

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल के बयान को लेकर घमासान मचा

हुआ था। उन्होंने टीपू सुल्तान की तुलना शिवाजी महाराज से कर ऐसी फजीहत मोल ली कि अब उन्हें माफी मांगनी पड़ी। उन्होंने कहा कि माफी 'शिवप्रेमियों' और छत्रपति शिवाजी महाराज के अनुयायियों से मांग रहे हैं। उनका बयान किसी को ठेस पहुंचाना वाला नहीं था।

हेलिकॉप्टर असेंबली लाइन का उद्घाटन

वेमगल। कर्नाटक के वेमगल में एच-125 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली

लाइन का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे और इसे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए अहम उपलब्धि बताया। यह पहल टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयरबस हेलीकॉप्टर्स के संयुक्त सहयोग से शुरू की गई है। सिंह ने बधाई दी।

जेल से बाहर आए राजपाल, बोले-शुक्रिया

नई दिल्ली। अभिनेता राजपाल यादव तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। बीते दिनों चेक बाउंस से जुड़े

एक मामले में उन्होंने तिहाड़ में आत्मसमर्पण किया था। अब उन्हें हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। अभिनेता जेल से बाहर आने के बाद मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने मुश्किल वक्त में साथ देने वालों का और अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया।

विंध्याचल में दर्शन करने पहुंचे असम के सीएम सरमा बोले

कोई भी राहुलवादी नहीं हो सकता, वे मानसिक रूप से बीमार चल रहे, इलाज कराना चाहिए

सरमा ने शिवाजी महाराज व टीपू सुल्तान पर भी रखी अपनी राय

■ राज्य में हिंदू- मुस्लिम की डेमोग्राफी पर भी की बात

एजेंसी ▶▶ मिर्जापुर/ गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि कोई भी राहुलवादी नहीं हो सकता है। राहुल गांधी मानसिक रूप से बीमार हैं और उन्हें अपना इलाज कराना चाहिए। वे सोमवार को मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने विंध्याचल आए थे। पत्रकारों से यह पूछे जाने पर कहा कि मणिशंकर अय्यर ने कहा कि वे राहुल राहुल वादी नहीं है, उन्होंने यह बात कही। सरमा ने महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज व टीपू सुल्तान के मामले में पूछे जाने पर कहा कि दोनों कभी बराबर नहीं हो सकते। एक हिंदू का रक्षक था तो दूसरा हिंदू का भक्षक दोनों कभी बराबर नहीं हो सकते हैं। असम के बारे में पूछे जाने पर कहा कि असम की स्थिति बहुत नाजुक है। हिंदू मुस्लिम की डेमोग्राफी में वहां पर 40 प्रतिशत मुस्लिम है, इनमें से चार प्रतिशत भारत के हैं।

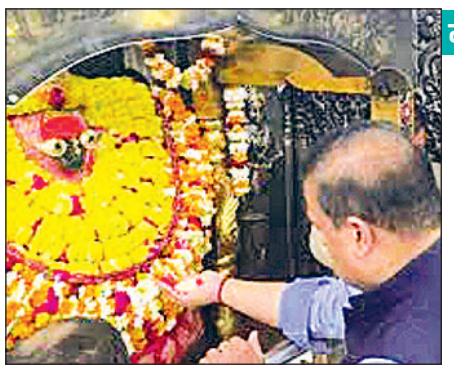

गोगोई से संबंधित सबूत केंद्र को दे दिए

गौरव गोगोई के मामले में कहा कि उन्होंने सारे सबूत केंद्र सरकार को दे दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने एनआरसी के मामले में कहा कि यह मामला न्यायालय के हवाले है। उन्होंने कहा कि वह यहां पर ढाई साल पूर्व आए थे, काफी बदल गया है और इस कायाकल्प के लिए यहां के विधायक जी, प्रदेश की सरकार प्रदेश के मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। मैं मां विंध्यवासिनी का सेवा करने आया हूं। इसके पूर्व विंध्याचल पहुंचने पर उनका विधायक रत्नाकर मिश्र जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक सहित अधिकारियों ने स्वागत किया। दर्शन पूजन धीरज मिश्रा ने कराया।

2014 में ही सीएम बनने वाला था राहुल के फोन से पलटी बाजी

सरमा ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि साल 2014 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन्हें खुद असम का मुख्यमंत्री बनने के लिए शपथ की तारीख तय करने को कहा था। उस समय कांग्रेस के 58 विधायकों का समर्थन उनके साथ था और वे मुख्यमंत्री बनने की स्थिति में थे।साल 2011 विधानसभा चुनाव के बाद असम कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान शुरू हो गई थी। पार्टी के कई विधायक चाहते थे कि उस समय के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की जगह हिमंत सरमा को सीएम बनाया जाए। सोनिया ने उनसे कहा था कि वे शपथ लेने की तारीख तय कर लें। उन्होंने सोचा था कि वे कामाख्या मंदिर के अंबुबाची मेले के बाद जून 2014 में शपथ लेंगे। सरमा ने आगे बताया कि उस समय राहुल गांधी अमेरिका में थे और उन्होंने वहां से कांग्रेस नेताओं को फोन किए। इसके बाद पूरा माहौल बदल गया और वे बाहर हो गए।

बंगाल में बन रही बाबरी पर तंज

जब असली ही नहीं रही, तो पुतला क्या करेगा?

सरमा ने तृणमूल कांग्रेस के सस्पेंड विधायक हुमायूं कबीर के पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद बनाने के ऐलान पर तंज कसा है। प्रस्तावित मस्जिद के बारे में पूछे जाने पर सरमा ने सोमवार को मिर्जापुर में रिपोर्टर्स से कहा कि यह बाबरी मस्जिद का 'पुतला' (डमी) है, असली (मस्जिद) नहीं। जब असली मस्जिद ही नहीं रही, तो 'पुतला' क्या करेगा?

बढ़ती मुस्लिम आबादी चिंता का विषय

कुछ लोग बांग्लादेश का कर रहे समर्थन

सरमा ने मंगलवार को राज्य में मुस्लिम आबादी में बढ़ोतरी को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि असम की वर्तमान स्थिति 'बहुत अच्छी नहीं' है और इसके पीछे बड़े पैमाने पर हुई अवैध घुसपैठ जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि असम में मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा बांग्लादेश से अवैध रूप से आया है। यह घुसपैठ मुख्य रूप से उस समय हुई जब राज्य और केंद्र में कांग्रेस की सरकारें थीं। उन्होंने कहा कि उन सरकारों ने सीमाओं की सही तरीके से निगरानी नहीं की, जिससे राज्य की जनसांख्यिकीय संतुलन प्रभावित हुई है। सरमा ने यह भी दावा किया कि राज्य के कुछ लोग भविष्य में किसी भी संघर्ष की स्थिति में बांग्लादेश का समर्थन कर सकते हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी खतरा पैदा हो सकता है। अवैध घुसपैठ असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। सरमा ने बताया कि उनकी सरकार राज्य की पहचान, जमीन और संसाधनों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रही है।

चुनाव आयोग की असम में सर्वदलीय बैठक

ज्ञानेश कुमार ने चुनाव की तैयारियों पर लिया फीडबैक

असम विधानसभा चुनाव 2026 से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मंगलवार को गुवाहाटी में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य दलों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया।इसमें असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस संवाद में कई मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय दलों में आप, भाजपा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), सीपीआई (एम) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस शामिल थीं।

राज्य में 2 चरणों में चुनाव कराने की मांग

आयोग के साथ बैठक में अधिकांश राजनीतिक दलों ने चुनाव एक ही चरण में या अधिकतम 2चरणों में कराने की मांग की। उन्होंने चुनाव की तारीखों को बिहु उत्सव को ध्यान में रखते हुए निर्धारित करने की मांग भी रखी। राजनीतिक दलों ने असम में चुनावी रूल्स की विशेष समीक्षा के आयोजन की सराहना की। उन्होंने राज्य में शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सुझाव भी दिए।

ट्रेड डील पर अटकलों का खंडन

गेहूं, चावल, मक्का व डेयरी पर 'दरवाज़ा बंद' किसी भी कीमत पर आयात नहीं: शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चल रही विभिन्न अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए आज राजस्थान के जयपुर से स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वे किसानों के बीच भारत के कृषि मंत्री के रूप में पूरी जिम्मेदारी से कह रहे हैं कि किसी भी समझौते में भारतीय किसानों के हितों से समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि गेहूं, चावल, मक्का जैसी संवेदनशील फसलों पर दरवाजा बंद है, चावल उत्पादन में भारत आज दुनिया में नंबर-1 है और चीन से आगे निकल चुका है। ऐसे में किसानों को नुकसान पहुँचाने वाला कोई आयात स्वीकार ही नहीं किया गया।

सेब के मुद्दे पर उठाए जा रहे सवालों पर कृषि मंत्री चौहान ने बताया कि भारत को हर साल लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन सेब की जरूरत होती है जो अभी तुर्की और ईरान जैसे देशों से भी आता है। उन्होंने कहा कि यदि इसमें से मात्र 1 लाख मीट्रिक टन सेब अमेरिका से लिया जाए और उस पर आयात मूल्य 80 रुपए प्रति किलो के ऊपर 25 रुपए शुल्क जोड़कर कोटा तय किया जाए तो यह भारत के सेब उत्पादकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा, बल्कि "तुर्की से लेने के बजाय कहीं और से लेने का मामूली बदलाव मात्र है।

सोयाबीन और मक्का पर उन्होंने स्पष्ट किया कि इन पर कोई रियायत नहीं दी गई है और यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस शासन में 20 अरब डॉलर के कृषि उत्पादों का आयात होता था जिसमें डेयरी उत्पाद भी शामिल थे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने साफ निर्देश दिए हैं कि दूध, घी, दही, पनीर सहित कोई भी डेयरी उत्पाद भारत की धरती पर किसी भी कीमत पर आयात नहीं होने दिया जाएगा, ताकि देश के दूध उत्पादक किसानों को नुकसान न हो।

हरियाणा के 3 मंत्रियों ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात

मंत्री विपुल गोयल, राज्य मंत्री राजेश नागर और राज्यमंत्री गौरव गौतम ने संगठन से जुड़े प्रकल्पों पर की चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर और खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन से मुलाकात की। दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में यह शिष्टाचार भेंट हुई। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान पार्टी द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्रों में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों व प्रकल्पों को लेकर बातचीत हुई।

अयोध्या में होगा विशेष कार्यक्रम

मंदिर निर्माण से जुड़े श्रमिकों का करेंगी अभिनंदन करेंगी राष्ट्रपति: नृपेंद्र मिश्रा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा 2 दिनी बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में जारी विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तार से जानकारी दी और निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दोहराई। समिति के अध्यक्ष मिश्रा ने बताया कि 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अयोध्या आएंगी। इस

दौरान वे मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले करीब 400 श्रमिकों को सम्मानित करेंगी। मिश्रा ने बताया कि हुतात्मा स्मारक और अस्थायी रामलला मंदिर को स्थायी स्मारक के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन निर्माण कार्यों को अप्रैल के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है।

नई दिल्ली-चेन्नई एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में आग, यात्रियों में मचा हड़कंप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यहां से चेन्नई जा रही ट्रेन नंबर 12616 के स्लीपर कोच में मंगलवार दोपहर आग लग गई। यह घटना सेंट्रल रेलवे के नागपुर डिविजन में सिंधी और तुलजापुर स्टेशनों के बीच हुई। धुआं देखते ही ट्रेन को सुरक्षा के मद्देनजर तुरंत रोक दिया गया। यात्रियों को सुरक्षित रखा गया और किसी को चोट नहीं आई। रेलवे स्टाफ ने तेजी से कार्य करते हुए प्रभावित कोच को ट्रेन से अलग

कर दिया। स्थानीय फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। स्थानीय रेलवे कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंग्विशर का इस्तेमाल करके आग पर काबू पाया।

एआई समिट के बीच राजस्थान में चौहान ने लॉच किया एआई बेस्ड 'भारत-विस्तार' फेज 1

भारत-विस्तार: 'पूछो और सीधे जवाब पाओ 155261 नंबर हर किसान के लिए: शिवराज

किसानों के बीच कार्यक्रम में एआई-भारती ने अद्भुत ढंग से दिए कृषि संबंधी सवालों के संतुष्टिजनक जवाब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को जयपुर में भारत विस्तार योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चौहान ने आई बेस्ड 'भारत-विस्तार' फेज-1 के तहत किसान केंद्रित AI हैकथन, एग्री कोष एआईस् टेटेडी रोडमैप का भी अनावरण किया।

चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य किसान की उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाना है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित भारत विस्तार योजना को

शुरू किया है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को तकनीक की मदद से कृषि संबंधित विभिन्न जानकारी प्रदान करना है। जिससे किसान अपने स्मार्टफोन अथवा साधारण मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर अपनी समस्याओं के समाधान के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ उठा सकते हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि भारत विस्तार योजना के अंतर्गत किसान 155261 नंबर पर डायल करके अपनी समस्या बताएंगे और उन्हें तुरंत उसका समाधान मिलेगा। इसी नंबर से देश भर की विभिन्न मंडियों का बाजार भाव भी पता लग सकता है। उन्होंने कहा कि भारत विस्तार योजना में सवाल पूछने पर तत्काल जवाब अपनी स्थानीय भाषा में प्राप्त करने की सुविधा है। योजना की शुरुआत हिंदी और अंग्रेजी भाषा से की गई है। जल्द ही इसमें 11 भाषाओं में किसान संवाद कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत विस्तार योजना में किसान आईडी अर्थात किसान पहचान पत्र भी बनाया जा रहा है। जिससे किसानों की सम्पूर्ण जानकारी उसमें उपलब्ध रहेगी। इस योजना में फिलहाल पीएम फसल बीमा योजना और सॉइल हेल्थ कार्ड समेत कुछ योजनाओं को शामिल किया गया है। भविष्य में इसमें किसानों से सभी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध होगी। पूरी कृषि व्यवस्था को भारत विस्तार योजना से जोड़ने की तैयारी है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी यह बताएं कि जब स्वामीनाथन कमिटी ने लागत पर 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर एमएसपी तय करने की सिफारिश की थी तब यूपीए सरकार ने कोर्ट में हलफनामा देकर इसे मानने से इंकार क्यों किया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विकसित किसान होना आवश्यक है। वर्ष 2047 में भारत विकसित होगा तो इसमें भारतीय किसान की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारे देश के लिए गर्व की बात है कि किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए भारत विस्तार योजना को शुरू किया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 356(2)ii भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजेश** पुत्र जोगेश्वर शर्मा निवासी सी–372, गली नं. 6, प्रताप नगर, हर्ष विहार, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 536/2024 धारा 65(1)/75/208 भारतीय न्याय संहिता और 4, 8, 12 पोक्सो एक्ट, थाना हर्ष विहार, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राजेश** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राजेश** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 356(2)ii भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 536/2024 धारा 65(1)/75/208 भारतीय न्याय संहिता और 4, 8, 12 पोक्सो एक्ट, थाना हर्ष विहार, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **राजेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **02.04.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री मुनिश मड़कन,
अति. जिला एवं सत्र न्यायाधीश–1, विशेष न्यायालय (पोक्सो)
कमरा नं. 79, छठा तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2057/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आकाश कुमार** पुत्र श्री राजेश कुमार निवासी जी–139, सावित्री नगर, मालवीय नगर, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 514/2016 धारा 392/411/34 भा.द.स., थाना हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **आकाश कुमार** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आकाश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 514/2016 धारा 392/411/34 भा.द.स., थाना हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **आकाश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **19.03.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री मनुज कौशल,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03, (दक्षिण–पूर्व)
कमरा नं. 512,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/2123/SE/2026

खबर संक्षेप

क्लीनमैक्स का आईपीओ 23 फरवरी को खुलेगा

नई दिल्ली। वाणिज्यिक और औद्योगिक (सीएंडआई) नवीकरणीय ऊर्जा प्रदाता कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस का 3,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सार्वजनिक बिक्री के लिए 23 फरवरी को खुलेगा। कंपनी ने प्रति शेयर 1,000-1,053 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है।कंपनी का आईपीओ 25 फरवरी को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशक 20 फरवरी को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे।

भारत में नई 'पैकिंग' में नजर आएगा लेज़

नई दिल्ली। पेप्सिको का आलू चिप्स ब्रांड लेज़ अब भारत में अपनी नई ब्रांड पहचान यानी नई 'पैकिंग' में नजर आएगा। कंपनी बयान के अनुसार, नए 'लोगो' (पहचान

चिह्न) वाले लेज़ के नए पैकेट मार्च के पहले सप्ताह से पूरे भारत में उपलब्ध होंगे। यह कंपनी के करीब 100 साल के इतिहास में सबसे बड़े वैश्विक ब्रांड नवीनीकरण अभियान का हिस्सा है। पेप्सिको इंडिया में खाद्य उत्पादों की मुख्य विपणन अधिकारी साक्षी वर्मा मेनन ने कहा, '' खेत से पैकेट तक की हमारी यात्रा को अधिक स्पष्ट तरीके से दर्शाते हुए तथा पुनर्चक्रण योग्य 'पैकेजिंग' ढांचे को आगे बढ़ाकर, हम लेज़ के विकास में टिकाऊपन तथा गुणवत्ता को केंद्र में रख रहे हैं।''

सुस्त मांग से चांदी और सोने की कीमतों में दो प्रतिशत तक की गिरावट

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में दो प्रतिशत तक की गिरावट आई। कमज़ोर वैश्विक संकेतों के बीच सुस्त मांग की वजह से चांदी की कीमत 2.45 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और सोने की कीमत 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। चांदी की कीमत सोमवार के बंद स्तर 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम से 5,000 रुपये या दो प्रतिशत घटकर 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) रह गई। सर्राफा बाजार में, 99.9% शुद्धता वाला सोना 2,200 रुपये या 1.4% की गिरावट के साथ 1,57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा, समस्या तेजी से बढ़ रही

'डीपफेक' पर कहीं ज्यादा कड़े नियमों की जरूरत, उद्योग जगत से बातचीत जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि 'डीपफेक' की समस्या तेजी से बढ़ रही है और बच्चों व समाज की सुरक्षा के लिए इससे निपटने के वास्ते कहीं अधिक कड़े नियमों की जरूरत है। 'डीपफेक', कृत्रिम मेधा (एआई) से तैयार की गई ऐसी तस्वीरें व वीडियो होती हैं जो नकली होने के बावजूद असली प्रतीत होती हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार मौजूदा प्रावधानों से आगे अतिरिक्त सुरक्षा उपायों को लेकर उद्योग जगत से परामर्श शुरू कर चुकी है। मंत्री ने कहा कि 'डीपफेक' और उम्र आधारित प्रतिबंधों से निपटने को लेकर सोशल मीडिया मंचों से बातचीत जारी है, ताकि इस मुद्दे पर सबसे उपयुक्त तरीके से निपटा जा सके।

एआई से तैयार तस्वीर व वीडियो नकली होने के बावजूद असली लगते हैं

बच्चों व समाज की सुरक्षा के लिए कड़े नियमों की जरूरत

समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही

मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी चाहे वह नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, मेटा या एक्स हो, सभी को देश के कानूनी ढांचे और संविधान का पालन करना होगा। वैष्णव ने कहा कि 'डीपफेक' की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और इससे निपटने के लिए कड़े नियमन की जरूरत है।

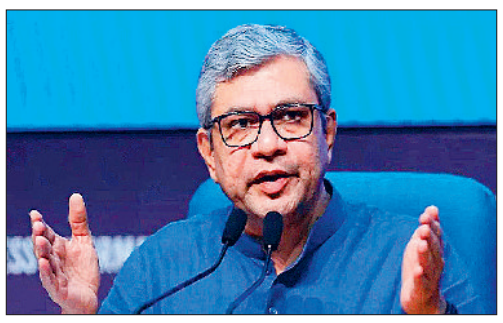

समाज को होने वाले नुकसान से बचाना जरूरी

वैष्णव ने कहा, ''मेरा मानना है कि 'डीपफेक' पर कहीं ज्यादा कड़े नियम चाहिए। यह समस्या रोजाना बढ़ती जा रही है। बच्चों और समाज को इनसे होने वाले नुकसान से बचाना बेहद जरूरी है हमें पहले से मौजूद नियमों के अतिरिक्त नियमन चाहिए, इस पर उद्योग जगत के साथ बातचीत शुरू की जा चुकी है।''

उम्र आधारित नियमन होने चाहिए

वैष्णव ने कहा, '' यह ऐसी बात है जिसे कई देशों ने माना है कि उम्र आधारित नियमन होना चाहिए। यह हमारे डेटा संरक्षण कानून का भी हिस्सा था जब हमने छात्रों और युवाओं के लिए उपलब्ध सामग्री में उम्र के आधार पर अंतर तय किया था। उसी समय हमने यह दूरदर्शी कदम उठाया था।'' केंद्रीय मंत्री ने साथ ही कहा कि 'एआई इम्पैक्ट समिट' में संप्रभु एआई मॉडल उपलब्ध कराए गए हैं।

डीपफेक पर बेहद कड़े नियम बनाने होंगे

मंत्री ने बताया कि संसदीय समिति ने भी इस विषय पर गहराई से गौर किया है। 'एआई इम्पैक्ट समिट' से इतर सम्मेलन में मंत्री ने कहा, '' हमें 'डीपफेक' पर बेहद कड़े नियम बनाने होंगे और संसद के भीतर इस पर व्यापक सहमति बनानी होगी, ताकि समाज को इन खतरों से सुरक्षित रखा जा सके।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा कई देशों ने उम्र आधारित प्रतिबंधों की आवश्यकता को स्वीकार किया है।

संप्रभु मॉडल पेश किए गए

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि संप्रभु मॉडल वैश्विक स्तर के बड़े एआई मॉडल के सभी मानकों पर खरे उतरे हैं। वैष्णव ने कहा, '' यहां संप्रभु मॉडल पेश किए गए हैं। आप जाकर देख सकते हैं कि वैश्विक मानकों पर वे कैसे खरे उतरते हैं। आने वाले समय में, एआई मिशन 2.0 के लिए संप्रभु मॉडल के लिए एक विशाल बुनियादी ढांचा तैयार करने की आवश्यकता होगी। इससे भारत की क्षमता एक नए स्तर पर पहुंच जाएगी।''

20 हजार करोड़ से अधिक के निवेश को अंतिम रूप

गौरतलब है कि ओपनएआई के चैटजीपीटी, गूगल के जेमिनी आदि जैसी वैश्विक कंपनियों ने बड़े एआई मॉडल व्यावसायिक रूप से पेश किए हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे मजबूत होकर 90.69 पर बंद

शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल में गिरावट से रुपया मजबूत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे मजबूत होकर 90.69 (अस्थायी) पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया बढ़त में रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी निवेशकों के लगातार पूंजी निकासी और डॉलर की मजबूती ने रुपया पर दबाव बनाया और इसकी तेजी पर अंकुश लगाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला और सीमित दायरे में रहा। रुपया ऊंचे में 90.64 तक गया और नीचे में 90.78 तक आया।

कारोबार के अंत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.69 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से पांच पैसे मजबूत है।

रुपया सोमवार को आठ पैसे की गिरावट के साथ 90.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक, अनुज चौधरी ने कहा कि रुपये में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और डॉलर की मजबूती के कारण थोड़ी कमजोरी के साथ कारोबार हुआ। हालांकि, घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से गिरावट पर अंकुश लगा।

निवेशकों की नजर अमेरिका के जीडीपी आंकड़ों पर

चौधरी ने कहा, ''निवेशक अब इस सप्ताह अमेरिकी आवास बाजार और जीडीपी आंकड़ों पर नजर रख सकते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 90.50 रुपये से 91 रुपये के बीच रहने का अनुमान है।'' इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत बढ़कर 97.03 पर रहा।

शेयर बाजार में दूसरे दिन तेजी सेंसेक्स 174 अंक मजबूत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 174 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी 42 अंक मजबूत हुआ। बैंक, आईटी और पूंजीगत वस्तुओं से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 प्रतिशत चढ़कर 83,450.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक ऊंचे में 83,598 अंक तक गया तथा नीचे में 82,987.43 अंक तक आया।

पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.65 अंक यानी 0.17 प्रतिशत बढ़कर 25,725.40 अंक पर बंद हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में, जापान का निक्की नुकसान में रहा, जबकि चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के कारण बंद रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख है। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को 'प्रेजिडेंट डे' के कारण बंद रहा।

■ **बैंक, आईटी व पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में रही खरीदारी**

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 972.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,666.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.79 प्रतिशत टूटकर 68.13 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

इन शेयरों में रहा लाभ

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, मारुति सुजुकी इंडिया, इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक और टेक महिंद्रा प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

इन शेयरों ने दर्ज किया नुकसान

दूसरी ओर, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इटर्नल, टाटा स्टील, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले सूचकांकों में भी मजबूती देखी गई।

एलन दिल्ली के अनय को 100 पर्सेन्टाइल, दिल्ली में 99.9 पर्सेन्टाइल स्कोर के सर्वाधिक 32 स्टूडेंट्स एलन से

नई दिल्ली। टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई-मेन जनवरी सेशन का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट नई दिल्ली के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। वाइस प्रसीडेंट पंकज अग्रवाल ने बताया कि एलन दिल्ली के अनय जैन ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया है और हरियाणा स्टेट टॉपर भी है। एलन के 32 से अधिक स्टूडेंट्स ने 99.9 पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। इसमें रिशित गर्ग, सुशांत अग्रवाल, दिव्यांश ने 99.99 पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। इसके साथ ही निष्कर्ष सिंह, सहज गुप्ता, दक्ष सिक्का, अनीश आनन्द ने 99.98 पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। अभी तक देखे गए परिणामों में सैकड़ों स्टूडेंट्स ने 99 पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। अग्रवाल ने बताया कि देशभर में 12 स्टूडेंट्स को ओवरआल 100 पर्सेन्टाइलर घोषित किया गया है, इसमें से 8 स्टूडेंट्स एलन से हैं। साथ ही 18 स्टेट टॉपर्स एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट से हैं। एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट कबीर छिल्लर ने 300 में से 300 अंक हासिल किए हैं। इसके साथ ही क्लासरूम कोर्स से अर्णव गौतम, शुभम कुमार, भावेश पात्रा, अनय जैन, निमय पुरोहित और चिरंजीब कर ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया है। एलन ऑनलाइन रिकॉर्डेड एण्ड टेस्ट सीरीज कोर्स स्टूडेंट श्रेयस मिश्रा ने भी 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया है।

मालवा क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई दिशा देगा चार लेन दोराहा रेलवे ओवर ब्रिजः रवनीत सिंह

लुधियाना। लेवल क्रॉसिंग संख्या 164एबी, दोराहा पर चार लेन रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण मालवा क्षेत्र, पंजाब की राजधानी तथा आसपास के जिलों के बीच संपर्क को मजबूत करने वाला एक ऐतिहासिक बुनियादी ढांचा परियोजना साबित होगा। यह बात केंद्रीय राज्य मंत्री (रेलवे एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग) श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कही। आज के कार्यक्रम में श्री विनोद भाटिया, मंडल रेल प्रबंधक, अंबाला, श्री राजीव रंजन राजू, चीफ इंजीनियर (रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें। मीडिया से बातचीत करते हुए, चार लेन आरओबी का शिलान्यास करने के बाद मंत्री ने बताया कि लगभग ₹70.55 करोड़ की लागत से बनने वाली यह परियोजना अगले एक वर्ष के भीतर पूर्ण कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि अब इस कार्य को युद्ध स्तर पर शुरू किया जाएगा और इसे जल्द से जल्द आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। पिछले लगभग 12 वर्षों से इस लेवल क्रॉसिंग पर लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था, जिससे अब उन्हें राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि दोराहा का यह लेवल क्रॉसिंग रूपनगर से लुधियाना को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पर स्थित है, जो पंजाब की राजधानी और पूरे मालवा क्षेत्र के बीच एक अहम कड़ी का काम करती है।

एएम/एनएस इंडिया ने अपनी वैल्यू-एडेड स्टील श्रृंखला का विस्तार किया

नई दिल्ली। एएम/एनएस इंडिया ने विश्वस्तरीय ब्रांडेड उत्पाद वाईब्रेसन वाइब्रेंस और ओप्टिमा के साथ अपनी वैल्यू- एडेड स्टील श्रृंखला का विस्तार किया, जो घरेलू उपकरण और औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त बनाएंगे यह कदम घरेलू उपकरण और औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्र को विश्वस्तरीय, आयात-विकल्प गुणवत्ता प्रदान कर "मेक इन इंडिया" को सशक्त बनाएगा. यह पहल "आत्मनिर्भर भारत" और पीएलआई योजनाओं के अनुरूप विनिर्माण क्षेत्र को गति देगी. भारत का उपभोक्ता बाजार तेजी से प्रीमियम श्रेणी की ओर बढ़ रहा है। उपभोक्ता अब आकर्षक फिनिश और डिजाइन- आधारित उपकरणों की बढ़ती मांग दिखा रहे हैं। भारत में कोटेड स्टील की वार्षिक मांग वर्तमान में लगभग 11.1 मिलियन टन आंकी गई है और आने वाले वर्षों में इसमें 8 से 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की संभावना है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण चल स्टॉक, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल. गाजियाबाद द्वारा निविदा संख्या **230-TRS-GZB-2025-26-35** के आधार पर ई निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।

1.	कार्य का विवरण: 'Cleaning of Electric Locomotive including cleaning of Radiators, Filters, Loco body, Look out glass & window glass, Driver cabs, Machine room, Corridors etc. of 3-phase locomotives' for a period of 24 (Twenty Four) months at Electric Loco Shed-Ghaziabad	
2.	कार्य की अनुमानित लागतः	Rs. 47,23,076.00
3.	धरोहर राशिः	Rs. 94,500.00
4.	निविदा बोली प्रस्तुत करने की समापन तिथि और समयः	09-03-2026 (15:00 Hrs.)
5.	निविदा खोलने की तिथि और समयः	09-03-2026 (After 15:00 Hrs.)
6.	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है:	www.ireps.gov.in

नोटः (i) निविदाकर्ता को ई–निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए।
(ii) सभी नियमो और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
(iii) कोई मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं हैं।

संख्या 230-TRS-GZB-2025-26-35 दिनांकः 10–02–2026 523/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय
कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 09.03.2026 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रम
185577	36/व.ले.लि / 2025-26 दिनांक 16.02.2026	रायगढ़ / सक्ति जिले के विकासखण्ड रायगढ़ अंतर्गत माण्ड व्यपवर्तन योजना के नहरों का आधुनिकीकरण, उन्नयन, जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य (आर.डी. मी से 26610 मी तक)	3064.42	प्रथम आमंत्रण
185578	37/व.ले.लि / 2025-26 दिनांक 16.02.2026	रायगढ़ / सक्ति जिले के विकासखण्ड रायगढ़ अंतर्गत माण्ड व्यपवर्तन योजना के नहरों का आधुनिकीकरण, उन्नयन, जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य (आर.डी. 26610 मी से 43200 मी तक)	1352.46	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 23.02.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संषोधन के अनुसार है।
3. **निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में जी.एस.टी. सहित निविदा भरा जाना है।**

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

G-252606729/4

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या — पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु — आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर–परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर — क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन — पठन–पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

भारत में कैश का जमकर उपयोग, जेब व तकिए के नीचे पड़े हैं 39 लाख करोड़

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था में इन दिनों दो विरोधाभासी चलन देखने को मिल रहे हैं जिसने बड़े-बड़े अर्थशास्त्रियों का सिर चकरा दिया है। एक तरफ देश में डिजिटल पेमेंट रिकॉर्ड बना रहा है, तो दूसरी तरफ नकदी यानी कैश का भी जमाकर यूज लोग कर रहे हैं। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2026 तक भारत में चलन में कुल कैश 40 लाख करोड़ के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है। यह पिछले साल के मुकाबले 11.1 प्रतिशत की तगड़ी उछाल है। सबसे मजेदार बात यह है कि करंसी विद पब्लिक (सीडब्ल्यूपी) यानी लोगों के पास मौजूद कैश भी 39 लाख करोड़ रुपए के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है, जो कुल नकदी का लगभग 97.6 प्रतिशत हिस्सा है। यानी 39 लाख करोड़ रुपए तो सीधा 'पब्लिक' की जेब में, तकिए के नीचे या रसोई के डिब्बों में पड़ा है। देश में नकदी का चलन बढने के कई कारण हैं। ऑनलाइन लेनदेन पर सरकार के रडार पर आने की वजह से भी बहुत से लोग नकदी को प्राथमिकता देते हैं। जुलाई 2025 में कर्नाटक के करीब 18,000 छोटे व्यापारियों को उनके यूपीआई ट्रांजैक्शन के आधार पर जीएसटी नोटिस भेज दिए गए।

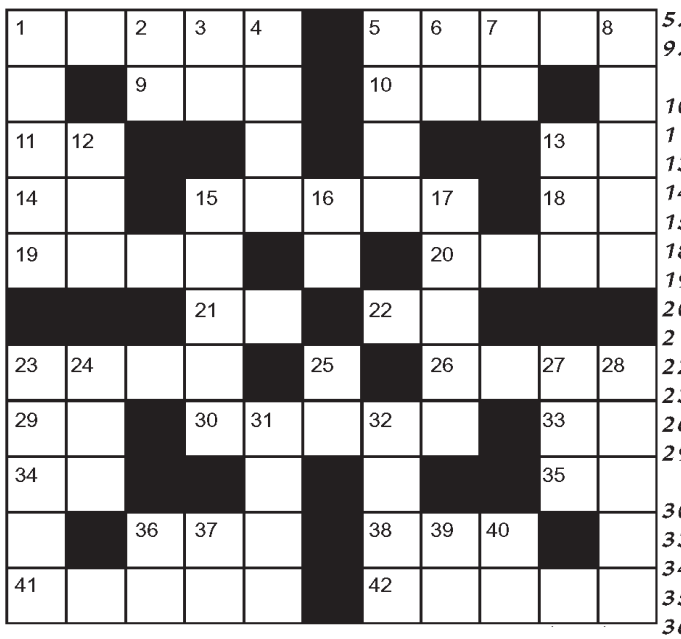

शब्द पहेली - 6142

बाएँ से दाएँ
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना, रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम, प्यार-2
13. थोड़ा, जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन, संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्, अच्छा-2
22. दम, ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल, दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक. चिताकर्षक-5
2. वैक्स, मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ, कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता, बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न, नग-2
37. टी, चहा-2
39. याचिका, वाद (अंग्रेजी-2)
40. वहम, संदेह-2

शब्द पहेली -6141 का हल

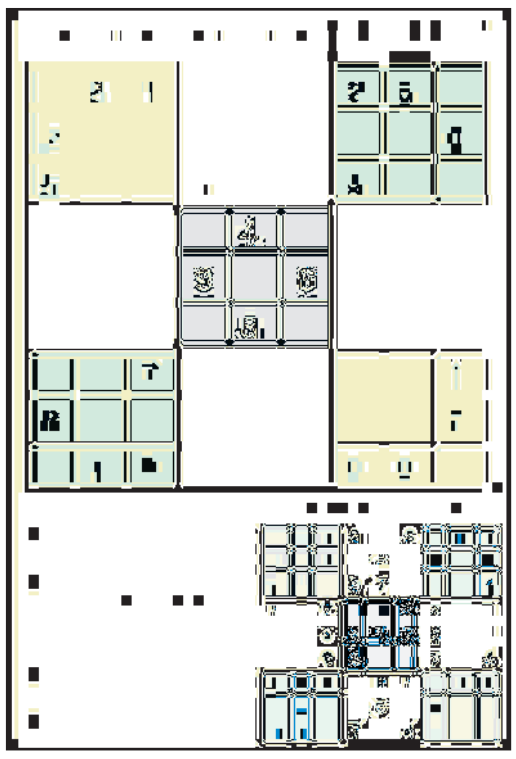

पाकिस्तान के लिए आज करो या मरो का मुकाबला

- नामीबिया पर हर हाल में करनी होगी जीत दर्ज
- पाक का विश्वकप में अभियान नाजुक मोड़ पर पहुंचा
- भारत से हार ने उसे बुरी तरह से झकझोर दिया है

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान का टी20 विश्व कप में अभियान नाजुक मोड़ पर पहुंच गया है और इससे नामीबिया के खिलाफ बुधवार को होने वाला मैच उसके लिए करो या मरो जैसा बन गया है। एक समय पाकिस्तान सुपर आठ में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन भारत से हार ने उसे बुरी तरह से झकझोर दिया है जिसके कारण उसे ग्रुप ए के अपने आखिरी मैच में करो या मरो की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। विश्व कप में प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो टीमें ही सुपर आठ में पहुंचेंगी।

पाक तालिका में तीसरे स्थान पर

पाकिस्तान वर्तमान में भारत और अमेरिका के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर है। भारत ने तीन मैचों में तीन जीत के साथ सुपर आठ के लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि अमेरिका चार अंक और बेहतर रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है।

शाहिन को शुरुआत में विकेट लेने होंगे

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी भी संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने अपने दो ओवरों में 31 रन लुटाकर एक विकेट लिया। एकमात्र सकारात्मक पहलू साइम अयूब का रहा, जिन्होंने तीन विकेट लेकर भारत के शीर्ष क्रम को मुश्किल में डाल दिया था। नामीबिया के खिलाफ अफरीदी को शुरुआत में ही विकेट लेने होंगे क्योंकि पहले छह ओवरों में प्रमुख बल्लेबाजों को आउट करने से पाकिस्तान को मैच पर हावी होने का मौका मिल जाएगा।

पाक की पावरप्ले में कमजोरी उजागर

पाकिस्तान की पावरप्ले की कमजोरियां भी चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले मैच में उसकी टीम ने पावरप्ले में चार विकेट गंवाए। उसके मध्य क्रम में बार-बार होने वाले बदलावों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है, जिससे निचले क्रम में तेजी से रन बनाने की संभावना कम हो गई है। नामीबिया के पास प्रतिभाशाली गेंदबाज हैं जिससे पाकिस्तान के लिए बीच के ओवरों में संघर्ष करना महंगा साबित हो सकता है। नामीबिया की टीम तीन हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है लेकिन वह जीत हासिल करके सम्मान के साथ विदाई लेने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

टीम इंडिया की नीदरलैंड से होगी भिड़ंत, मैच शाम 7:00 बजे से

अहमदाबाद को आज अभिषेक से आक्रामक पारी की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

अपनी पिछली दो पारियों में खाता खोलने में नाकाम रहे सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नीदरलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के मैच में बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जबकि भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। अभिषेक शर्मा ने पिछले 18 महीने में खुद को इस प्रारूप का खतरनाक खिलाड़ी साबित किया है लेकिन घरेलू मैदान पर खेली जा रही आईसीसी प्रतियोगिता में वह अभी तक अपना जलवा नहीं दिखा पाए हैं। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद वह पेट के संक्रमण के कारण नामीबिया के खिलाफ दूसरे मैच में नहीं खेल पाए थे।

अभिषेक जोखिम लेने से नहीं कतराते

अभिषेक ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में वापसी की लेकिन खाता खोलने में नाकाम रहे। लेकिन दूसरे छोर पर ईशान किशन की शानदार फॉर्म के कारण अभिषेक के बल्ले से रनों की कमी का टीम की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभिषेक जोखिम लेने से नहीं कतराते हैं और उनकी इस तरह की बेखौफ बल्लेबाजी से भारत को कई मैच में जीत भी मिली है।

अभिषेक के लिए शानदार अवसर

भारत पहले ही टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंच चुका है और ऐसे में नीदरलैंड के खिलाफ मैच अभिषेक के लिए रन बनाने का शानदार अवसर होगा। किशन और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पाकिस्तान को आसानी से हरा दिया था। लेकिन लगातार दूसरे मैच में भारत के अन्य बल्लेबाजों ने किशन जैसा आत्मविश्वास नहीं दिखाया।

नीदरलैंड के पास अच्छे स्पिनर नहीं

नीदरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण में बहुत अच्छे स्पिनर नहीं हैं और ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को उनको खेलने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। नीदरलैंड की स्पिन आक्रमण में आर्यन दत्त और रोएलॉफ वैन डेर मेरवे शामिल है जो काफी समय से खेलने के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करें इसकी संभावना कम लगती है।

बुमराह सहित कुछ गेंदबाजों को दे सकता हैं आराम

गेंदबाजी के मोर्चे पर भारत के पास सुपर आठ से पहले कुछ गेंदबाजों को आराम देने का विकल्प है, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं। कोलंबो में अतिरिक्त स्पिन विकल्प के रूप में अर्शदीप सिंह के स्थान पर कुलदीप यादव को चुनने के बाद उम्मीद है कि भारत फिर से दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के संयोजन पर वापस लौटेगा। अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो मोहम्मद सिराज और अर्शदीप के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना है। ऐसे में स्पिन विभाग की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल संभाल सकते हैं। नीदरलैंड को मौजूदा चैंपियन से मुकाबला करने के लिए अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में जबरदस्त सुधार करना होगा। नामीबिया पर शानदार जीत के बाद पिछले मैच में उसे अमेरिका से करारी हार मिली थी।

नामीबिया व पाक के स्पिन गेंजबाजों ने भारत को किया परेशान

नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने अपनी 'राउंड आर्म' और 'बिहाइंड द स्टंप्स' गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया जबकि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में एक अन्य अपरंपरागत स्पिनर उस्मान तारिक ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। यहां तक कि साइम अयूब भी भारतीयों के खिलाफ प्रभावी साबित हुए थे।

टीम इस प्रकार

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

नीदरलैंडः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, नोआ क्रोज, बास डी लीडे, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, माइकल लेविट, जैक लायन-कैशेट, मैक्स ओ'डोव्ड, लोगान वैन बीक, टिम वैन डेर गुगटेन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन, साकिब जुल्फिकार।

खबर संक्षेप

प्रतिका आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला टीम में शामिल

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल को टखने की चोट से उबरने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन में 24 फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया। प्रतिका पिछले साल विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ मैच में फील्डिंग करते समय चोटिल हो गई थी। उनकी जगह शेफाली वर्मा को उस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया था। भारत ने पहली बार यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, ''महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए प्रतिका रावल को भारतीय टीम में शामिल किया है।'बयान के अनुसार, ''प्रतिका ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है और वह अक्टूबर में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के दौरान लगी टखने की चोट से पूरी तरह उबर चुकी हैं।''

जेल में बंद इमरान के साथ मानवीय व्यवहार की अपील

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और कपिल देव सहित 14 पूर्व कप्तानों ने जेल में बंद क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान के बिगड़ते स्वास्थ्य पर ''गहरी चिंता'' व्यक्त करते हुए पाकिस्तान सरकार से उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उचित चिकित्सा और सम्मानजनक परिस्थितियां प्रदान करने का आग्रह किया है। ऐसी खबरें आई हैं कि 1992 के विश्व कप विजेता टीम के कप्तान इमरान खान ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में उचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण अपनी दाहिनी आंख की लगभग 85 प्रतिशत दृष्टि खो दी है। लगभग 14 पूर्व कप्तानों ने ''पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों की अपील'' शीर्षक से पाकिस्तान सरकार को एक पत्र लिखकर इमरान के साथ उचित व्यवहार करने की मांग की।

आयरलैंड के खिलाफ मैच में दोनों टीमों को मिले एक-एक अंक

एजेंसी ▶▶| पाल्लेकल

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप ग्रुप बी का मैच बारिश में धुलने के बाद सुपर आठ में प्रवेश कर लिया जबकि पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया और आयरलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दोनों टीमों को एक एक अंक मिला जिससे जिम्बाब्वे के पांच अंक हो गए।

अब 26 फरवरी को पहले सुपर आठ मुकाबले में चेन्नई में जिम्बाब्वे का सामना भारत से होगा। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा ,'' हमने अभी लक्ष्य हासिल नहीं किया है, बस उसकी ओर कदम बढाया है। थोड़ा बहुत जश्न होगा लेकिन फोकस अगले मैच पर है।''

बारिश से धुली कंगारूओं की आस दूसरी बार अंतिम आठ में नहीं पहुंचा

26 फरवरी को सुपर आठ में भारत से होगा मुकाबला

सुपर आठ में पहुंचने वाली बनीं 7वीं टीम

पिछली बार टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने से चूकी जिम्बाब्वे सुपर आठ में पहुंचने वाली सातवीं टीम बन गई। ग्रुप वन में भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज भी सुपर आठ में पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे को आखिरी ग्रुप मैच 19 फरवरी को श्रीलंका से खेलना है।

श्रीलंका पहले ही सुपर-8 में

श्रीलंका छह अंक लेकर पहले ही सुपर आठ में पहुंच चुका है। आस्ट्रेलिया के दो अंक है जिसे जिम्बाब्वे और श्रीलंका ने हराया। ग्रुप दो में श्रीलंका, इंग्लैंड , न्यूजीलैंड , पाकिस्तान या अमेरिका होंगे।

न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में पहुंचा

युवराज के रिकॉर्ड शतक पर भारी पड़ी फिलिप्स की तूफानी पारी

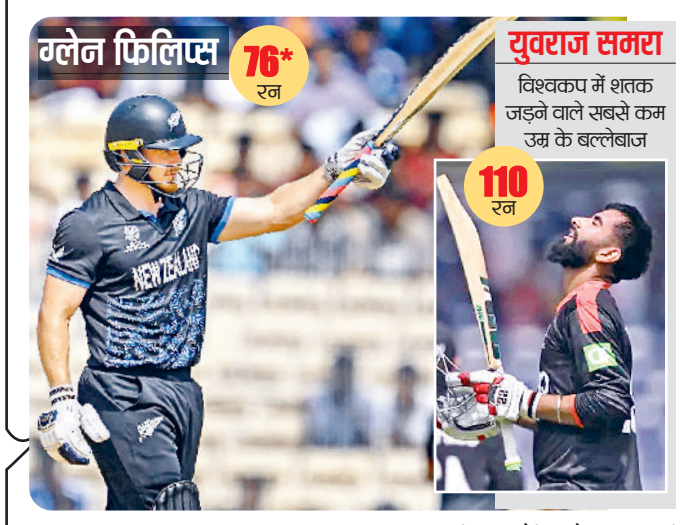

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

युवराज समरा टी20 विश्व कप में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने लेकिन यह उलटफेर करने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुई क्योंकि न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स की तूफानी पारी के दम पर मंगलवार को यहां ग्रुप डी के मैच में कनाडा को 29 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की।

भारत के विश्व कप विजेता ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर 19 वर्षीय समरा का नाम रखा गया था और उन्होंने अपने नाम को सही साबित करते हुए आखिरी ओवर में आउट होने से पहले 65 गेंद पर 110 रन बनाए जिसमें 11 चौके और छह छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 173 रन बनाए। फिलिप्स की 36 गेंद पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से खेली गई नाबाद 76 रन की पारी तथा रचिन रविंद्र (39 गेंद पर नाबाद 59) के साथ उनकी 146 रन की अटूट साझेदारी की मदद से न्यूजीलैंड ने 15.1 ओवर में दो विकेट पर 176 रन बनाकर कनाडा के स्कोर को बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और शान से अगले चरण में प्रवेश किया। न्यूजीलैंड ने चार मैच में छह अंक के साथ ग्रुप चरण के अपने अभियान का समापन किया। वह ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर है।

फिलिप्स चुने गए प्लेयर ऑफ द मैच

न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट (06) और फिन एलन (21) के विकेट गंवा दिए। एलन ने दिलन हेइलिगर पर चौका और छक्का लगाया लेकिन इसी गेंदबाज ने अगले ओवर में उन्हें पवेलियन की राह दिखा दी। न्यूजीलैंड ने पावरप्ले में दो विकेट पर 60 रन बनाए। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए फिलिप्स ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और कनाडा के अनुभवहीन आक्रमण की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिलिप्स ने पारी के 11वें ओवर में अंश पटेल पर दो छक्के लगाकर केवल 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की तरफ से नया रिकॉर्ड है। उन्होंने आरोन रेडमंड का 2009 में आयरलैंड के खिलाफ और वर्तमान टूर्नामेंट में सीफर्ट का यूएई के खिलाफ 23 गेंद में अर्धशतक बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ा।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स : भारत 'ए' ने नेपाल को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

सीनियर टीम की गेंदबाज तनुजा कंवर और मिन्नू मणि के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ए ने मंगलवार को यहां नेपाल को सात विकेट से हराकर महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

बाएं हाथ की स्पिनर तनुजा ने 12 रन देकर चार विकेट लिए जबकि मिन्नू ने आठ रन देकर तीन विकेट हासिल किये। इन दोनों स्पिनरों की शानदार गेंदबाजी से भारत ने नेपाल को 18 ओवर में केवल 78 रन पर आउट कर दिया। दिनेश वृंदा की 18 गेंदों पर नाबाद 39 रन की शानदार पारी से भारत ए ने महज 7.5 ओवर में तीन विकेट पर 82 रन बनाकर दो अंक हासिल किए। भारतीय टीम अब चार अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है। इस ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम का फैसला यूएई और पाकिस्तान ए के बीच होने वाले मैच के बाद होगा। यूएई के चार अंक हैं, लेकिन पाकिस्तान के जीत हासिल करने पर दोनों टीम के चार-चार अंक हो जाएंगे जिसके बाद नेट रन रेट के आधार पर यह तय होगा कि कौन सी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। अगर यूएई जीत जाता है तो वह छह अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच जाएगा, जिससे भारत दूसरे स्थान पर खिसक जाएगा। भारत ने नेपाल के खिलाफ सभी विभागों में दबदबा बनाया।

नेपाल ने स्कॉटलैंड को हराकर 12 साल के जीत के सूखे को खत्म किया

मुंबई। कुशल भुर्तेल (43) की तूफानी शुरुआत और दीपेंद्र सिंह ऐरी (नाबाद 50) की आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी से नेपाल ने मंगलवार को यहां ग्रुप सी महज औपचारिकता वाले मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में 12 साल के जीत के सूखे को खत्म किया। नेपाल ने 2014 में अपने पदार्पण विश्व कप में अफगानिस्तान और नीदरलैंड को हराया था, लेकिन उसके बाद से जीत का स्वाद नहीं चखा था। 'राइनोज' ने वानखेड़े स्टेडियम में 19,000 से अधिक दर्शकों के सामने प्रभावशाली जीत के साथ अभियान का समापन किया। स्कॉटलैंड को सात विकेट पर 170 रन पर रोकने के बाद नेपाल ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 171 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' एरी ने 23 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और चार चौके जड़े। गुलशन झा (नाबाद 24) ने उनका शानदार तरीके से साथ दिया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 73 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों ने वानखेड़े स्टेडियम का चक्कर लगाकर दर्शकों का अभिवादन किया। माइकल जोन्स की 71 रन की तेजतर्रार पारी की बदौलत स्कॉटलैंड ने सात विकेट पर 170 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

- स्कॉटलैंड को 7 विकेट से हराया, दीपेंद्र ने 50 रन बनाए, कामी को 3 विकेट

हरमनप्रीत निजी कारणों से बाहर

हार्दिक संभालेंगे भारतीय हॉकी टीम की कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से 20 से 25 फरवरी तक होबार्ट में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों में नहीं खेल पाएंगे और उनकी जगह मिडफील्डर हार्दिक सिंह को मंगलवार को भारतीय पुरुष की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। भारत, स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट के आगामी चरण में होबार्ट के तस्मानिया हॉकी सेंटर में एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे। भारतीय टीम ने राउरकेला में समाप्त हुए चरण में अपने सभी चार मैच गंवा दिए थे, जिसमें अर्जेंटीना के हाथों 0-8 की शर्मनाक हार भी शामिल है। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''राउरकेला में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा और परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे लेकिन हमने कुछ अच्छे सबक सीखे हैं और कुछ उल्लेखनीय सुधार किए हैं।'' नए कप्तान हार्दिक दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हैं। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा, ''हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से टीम का हिस्सा नहीं होंगे।''

मनिंदर की टीम में वापसी

इस खिलाड़ी के करीबी एक सूत्र ने बताया कि हरमनप्रीत अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण अपनी पत्नी अमनदीप कौर के साथ रहना चाहते हैं और इसलिए वह टीम से हट गए हैं। स्ट्राइकर मनिंदर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। वह आखिरी बार 2023-24 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत के लिए खेले थे। एक अन्य फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। फुल्टन ने कहा, ''हमारा लक्ष्य होबार्ट में बेहतर प्रदर्शन करना और विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देना है।''

भारतीय टीम इस प्रकार हैः

गोलकीपरः सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार। डिफेंडरः अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लाकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी। मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल। फॉरवर्डः अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य अर्जुन लालगे, अंगद बीर सिंह, मनिंदर सिंह।

श्रीजेश ने मुख्य कोच पद के लिए दोबारा किया आवेदन

नई दिल्ली। महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अपने कार्यकाल के पिछले साल दिसंबर में समाप्त होने के बाद इस पद के लिए दोबारा आवेदन किया है। इस नियुक्ति पर अगले पखवाड़े में फैसला होने की संभावना है। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनके मार्गदर्शन में भारत ने बीते दिसंबर में चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य जीता था।

उत्तर रेलवे
ई-नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा सेवाएँ, दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे, के द्वारा रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022/टीसी(एफएम)/10/04 दिनांक 13.06.2022 के अनुसार, दिल्ली मंडल के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहाड़गंज (प्लेटफार्म संख्या-1) तथा अजमेरी गेट (प्लेटफार्म संख्या-16) साईडो पर स्थित क्लॉकरूमों के प्रबंधन और संचालन (आरओएमटी आधार पर) के प्रथक अनुबंधों के लिए ई–नीलामी (www.ireps.gov.in) के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। यह ई–नीलामी प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर पहाड़गंज की ओर स्थित क्लॉकरूम तथा प्लेटफॉर्म संख्या-16 पर अजमेरी गेट की ओर स्थित क्लॉकरूम के लिए अलग–अलग आमंत्रित की गयी है जिसका विवरण और अनुसूची नीचे दी गई है:

क्र. संख्या	ई-नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	संसाधन जिनकी नीलामी की जानी है:
1	03.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (प्लेटफार्म संख्या-1), पहाड़गंज की ओर स्थित क्लॉकरूमः नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 (पहाड़गंज साइड) पर स्थित क्लोकरूम जिसका निर्धारित क्षेत्रफल 120 वर्ग मीटर है के प्रबंधन और संचालन (आरओएमटी आधार पर) को 2 (दो) वर्षीये अनुबंध हेतु पट्टे पर देने के लिए।
2	03.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (प्लेटफार्म संख्या-16), अजमेरीगेट की ओर स्थित क्लॉकरूमः नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 16 (अजमेरीगेट साइड) पर स्थित क्लॉकरूम जिसका निर्धारित क्षेत्रफल 128.53 वर्ग मीटर है के प्रबंधन और संचालन (आरओएमटी आधार पर) को 3 (तीन) वर्षीये अनुबंध हेतु पट्टे पर देने के लिए।

महत्वपूर्ण सूचना:
1. ई–नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को https://www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning centre.html. (e-Auction leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है।
2. धरोहर राशि जमा (ईएमडी): नीलामी के दौरान कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10% ऑनलाइन जमा किया जाना है। सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी।
3. रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन अनुबंधों को शीघ्र समाप्त करने और/या स्थितियों के आधार पर संशोधित/अतिरिक्त नियमों और शर्तों के साथ इन अनुबंधो को बंद करने/जारी रखने के संबंध में कोई भी निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 542/2026

"अगर आप भी कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियों से घिरे हुए है, तो आज ही लीजिए, आयुर्वेदिक पेट सफा ग्रेन्यूल्स। यह पहले दिन से असर दिखाता है, मुंह में चिपकता नहीं और इसकी आदत भी नहीं बनती।"
मोर्निंग होगी मस्त क्योंकि पेट सफा है जबरदस्त
Safe for daily use | No Side Effect | No added Sugar
पेट सफा... तो हर रोग दफा
24x7 Helpline: 91197 88888 • www.petsaffa.com • Available at all medical and general stores
Dr. Juneja's
पेट सफा
Natural Laxative Granules & Tablets

10,000 से ज्यादा एआई रिसर्चर्स और इनोवेटर्स के लिए यहां खास जगह होगी

बेंगलुरू में दुनिया की पहली 'एआई सिटी' का शंखनादः भारत वन डॉट एआई रचने जा रहा इतिहास, होंगे नए रिसर्च और इनोवेशन

साल के अंत तक पहले फेज का काम पूरा करने का लक्ष्य है

एआई एजेंट्स वास्तविक दुनिया के अनुभवों से ट्रेंड किया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरू ने अब पूरी दुनिया को पीछे छोड़ने की तैयारी कर ली है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में बेंगलुरू के स्टार्टअप भारत वन डॉट एआई ने दुनिया की पहली 'एआई सिटी' बनाने का ऐलान कर ग्लोबल टेक जगत में हलचल मचा दी है। यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट शहर के सरजापुर इलाके में आकार लेगा, जिसका मुख्य केंद्र 5 लाख वर्ग फीट में फैला 'बी1 एआई सुपरपार्क' होगा। कंपनी का लक्ष्य एक ऐसा अत्याधुनिक रिसर्च और इनोवेशन कैंपस तैयार करना है जहां एआई सिर्फ बंद कमरों और कंप्यूटर स्क्रीन्स तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि असल जिंदगी की चुनौतियों के बीच अपनी काबिलियत साबित करेगा।

इस प्रोजेक्ट की सबसे क्रांतिकारी बात इसका 'ह्यूमन-सेंट्रिक' दृष्टिकोण है। भारत वन डॉट एआई के सीईओ उमाकांत सोनी के मुताबिक, यह दुनिया के लिए एक 'मून्शॉट' की तरह है जहां एआई मॉडल्स को न केवल स्मार्ट बनाया जाएगा, बल्कि उन्हें इंसानी मूल्यों और सुरक्षा के मानकों पर भी परखा जाएगा। यहाँ एआई के वैलिडेशन के लिए आधार कार्ड जैसा एक पुख्ता सिस्टम विकसित किया जा रहा है, ताकि कोई भी एआई एजेंट बिना पूरी जांच और स्ट्रेस टेस्टिंग के समाज के बीच न पहुँच सके। इस शहर में 10 हजार से ज्यादा एआई रिसर्चर्स और इनोवेटर्स एक साथ काम करेंगे, जिनके पास 400 जीबीपीएस जैसी सुपरफास्ट इंटरनेट कनेक्टिविटी और हाई-डेंसिटी कंप्यूटिंग की ताकत होगी।

मशीनें इंसानियत का पाठ सीखेंगी

फाइल फोटो

भारत के सबसे बड़े दिमाग भी इस मिशन में साथ जुड़ चुके हैं। आईआईटी कानपुर, आईआईएससी का सार्क सेंटर, बिट्स पिलानी और आईस्पिरिट फाउंडेशन जैसे दिग्गज संस्थान यहां रोबोटिक्स, ऑटोनोमस इंफ्रास्ट्रक्चर और ह्यूमन-मशीन इंटरैक्शन पर काम करेंगे। कंपनी ने इसे एक 'सिटी-स्केल वर्ल्ड मॉडल' के रूप में पेश किया है, जहां एआई एजेंट्स को रियल-वर्ल्ड कंडीशन में ट्रेनिंग दी जाएगी। इस साल के अंत तक पहले फेज का काम पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि अगले तीन सालों में यह पूरी एआई सिटी बनकर तैयार हो जाएगी। यह सिर्फ एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भविष्य की वह प्रयोगशाला है जहां मशीनें इंसानियत का पाठ सीखेंगी।

बी1एआई सुपरपार्कः रिसर्च और इनोवेशन का नया पावरहाउस

इस प्रोजेक्ट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा 5,00,000 वर्ग फीट में फैला बी1एआई सुपरपार्क होगा। बेंगलुरू के सरजापुर में स्थित यह कैंपस एआई रिसर्च और इनोवेशन के लिए दुनिया का सबसे आधुनिक केंद्र बनेगा।

भावनाओं से अवगत एआई

शहर का फोकस 'ह्यूमनिटी सेंट्रिक ए1' पर है। जिस तरह नागरिकों के लिए आधार कार्ड होता है, उसी तरह यहाँ एआई के वैलिडेशन के लिए एक मजबूत सिस्टम तैयार किया जाएगा।

क्या-क्या होगा

❑ नेटवर्क स्पीड	400 जीबीपीएस की हाई-स्पनेट कनेक्टिविटी
❑ प्रोजेक्ट अवधि	36 महीने (3 साल) में पूर्ण विस्तार
❑ मुख्य फोकस	सिटी-स्केल वर्ल्ड मॉडल और स्ट्रेस टेस्टिंग
❑ टेक्नोलॉजी	रोबोटिक्स, ऑटोनोमस इंफ्रास्ट्रक्चर और मोबिलिटी

जन-केंद्रित एआई पर भारत का फोकस

'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का मुख्य उद्देश्य एआई को केवल तकनीक तक सीमित न रखकर उसे जन-केंद्रित बनाना है। इस सम्मेलन में वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं, प्रख्यात शोधकर्ताओं और बहुपक्षीय संस्थानों के प्रतिनिधि एक साथ आए हैं, ताकि एआई के जरिए सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने पर ठोस रणनीति बनाई जा सके। भारत का यह कदम एआई के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर एक बड़ा और निर्णायक मोड़ माना जा रहा है।

एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगी रफ्तार भारत में जुड़ेंगे 20,000 नए जीपीयू

भारत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक दौड़ में सिर्फ शामिल नहीं है, बल्कि उसे लीड करने की तैयारी कर चुका है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को ऐलान किया कि देश के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को बूस्ट देने के लिए 20,000 नए जीपीयू जोड़े जाएंगे। इसके साथ ही भारत की कुल क्षमता मौजूदा 38,000 जीपीयू से कहीं ज्यादा हो जाएगी, जिससे स्टार्टअप्स और रिसर्चर्स को रॉकेट जैसी रफ़्तार मिलेगी। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इंडिया एआई मिशन के तहत मिल रहे जीपीयू की कीमत महज 65 प्रति घंटा है। यह ग्लोबल औसत कीमत का सिर्फ एक-तिहाई हिस्सा है। यानी भारत अब दुनिया का सबसे सस्ता और ताकतवर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया करा रहा है। मंत्री ने साफ किया कि भारत की स्ट्रैटेजी अब बुनियादी ढांचे से आगे बढ़कर देश की जरूरतों के हिसाब से 'कस्टम सॉल्यूशन' बनाने की ओर मुड़ चुकी है। वैष्णव ने वैश्विक प्लेटफॉर्म्स (मेटा, नेटफ्लिक्स आदि) को दो टूक लहजे में कहा कि उन्हें भारत के संवैधानिक ढांचे और सांस्कृतिक मर्यादा का पालन करना ही होगा। उन्होंने कहा, "चाहे कोई भी कंपनी हो, उन्हें उस देश के कॉन्स्टिट्यूशनल फ्रेमवर्क के तहत काम करना होगा जहाँ वे ऑपरेट कर रही हैं।"

आने वाले समय में कोडिंग नहीं रहेगा टेक प्रोफेशनल्स का मुख्य कार्यः नीलेकणि

इंफोसिस के सह-संस्थापक और चेयरमैन नन्दन नीलेकणि ने मंगलवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सॉफ्टवेयर बनाने और उसे लागू करने के तरीके को पूरी तरह बदल देगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कोड लिखना टेक्नोलॉजी पेशेवरों का मुख्य काम नहीं रहेगा। इंफोसिस के 'इन्वेस्टर डे' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीलेकणि ने कहा कि एआई का यह बदलाव केवल तकनीक जोड़ने भर का नहीं है, बल्कि कंपनियों को अपने कस्टमर जर्नी, बिजनेस प्रोसेस और संगठनात्मक ढांचे पर दोबारा विचार करना होगा। उन्होंने इसे 'जड़ से बदलाव' बताया।नीलेकणि ने कहा कि भविष्य में टेक्नोलॉजी टैलेंट का मकसद सिर्फ कोडिंग करना नहीं होगा, बल्कि एआई सिस्टम को प्रभावी तरीके से काम करने लायक बनाना होगा। इससे नौकरियों की प्रकृति और कंपनियों के ऑपरेटिंग मॉडल में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि कंपनियों को एआई इंजीनियरिंग, एजेंट ऑर्केस्ट्रेशन और नॉन-डिटरमिनिस्टिक सिस्टम्स (गैर-निर्धारित प्रणालियों) को मैनेज करने जैसे नए कौशल की जरूरत होगी। ऐसे सिस्टम में एक ही प्रॉम्प्ट से हर बार अलग-अलग परिणाम मिल सकते हैं।

परीक्षण

पीएम मोदी ने स्वदेशी चश्मा पहनकर परखी भारत की डिजिटल ताकत

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के मंच से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत मंडपम में 'सरवम काज ' नाम का एक हाई-टेक एआई चश्मा पहने देखा गया। यह कोई साधारण वियरेबल नहीं, बल्कि शुद्ध रूप से 'मेड इन इंडिया' एआई डिवाइस है जिसे भारतीय स्टार्टअप सरवम एआई ने तैयार किया है। समिट के दौरान पीएम मोदी ने खुद इस चश्मे को पहनकर इसके रियल-टाइम रिस्पॉन्स और फीचर्स को टेस्ट किया।यह एक चश्मा नहीं, बल्कि एक पर्सनल असिस्टेंट है। यूजर जो कुछ भी देखता है, यह एआई ग्लास उसके बारे में बोलकर जानकारी दे सकता है।

अमिताभ कांत बोले- भारत और विकासशील देश बनाएं एलएलएम

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि बड़ी कंपनियां ग्लोबल साउथ के देशों से प्राप्त डेटा का इस्तेमाल अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) को प्रशिक्षित करने में कर रही हैं। ऐसे में एआई का समान लाभ सुनिश्चित करने के लिए भारत और अन्य विकासशील देशों को अपने स्वयं के डेटा के आधार पर अपने मॉडल बनाने चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक पैनल चर्चा के दौरान बोलते हुए, कांत ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों से प्राप्त डेटा का इस्तेमाल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) को प्रशिक्षित करने में किया जा रहा है। भारत आज संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक डेटा प्रदान करता है। कांत के अनुसार, ग्लोबल साउथ के डेटा के आधार पर एलएलएम में सुधार हो रहा है और उन्होंने चेतावनी दी कि बड़ी तकनीकी कंपनियां इस डेटा पर आधारित व्यावसायिक मॉडल बना सकती हैं और बाद में उत्पादों को उच्च लागत पर बेच सकती हैं। इस कारण भारत और अन्य विकासशील देशों को समान लाभ सुनिश्चित करने के लिए अपने स्वयं के डेटा के आधार पर अपने मॉडल बनाने चाहिए।

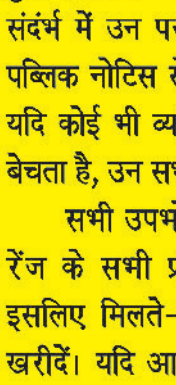

20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष 60 से अधिक देशों के मंत्री और 500 से ज्यादा

एआई के 'महाकुंभ' में पीएम- भारतीय प्रतिभा अब दुनिया के लिए गढ़ेगी भविष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' को नवाचार और इरादों का एक शक्तिशाली संगम करार दिया है। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक्सपो की विशेषताओं को साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह आयोजन वैश्विक भलाई के लिए एआई के भविष्य को आकार देने में भारतीय प्रतिभा की असाधारण क्षमता का प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत एआई का उपयोग न केवल व्यापक स्तर पर, बल्कि पूरी जिम्मेदारी और समावेशी सोच के साथ करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत मंडपम में जुटे नवप्रवर्तकों, शोधकर्ताओं और तकनीकी दिग्गजों की यह ऊर्जा न केवल देश के लिए परिवर्तनकारी समाधान निकालेगी, बल्कि पूरी दुनिया की उन्नति में बड़ा योगदान देगी। पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया, "हम मिलकर न केवल भारत के लिए, बल्कि दुनिया के लिए समाधान तैयार करेंगे।

ग्लोबल साउथ में एआई का सबसे बड़ा शक्ति प्रदर्शन

गौरतलब है कि सोमवार को प्रधानमंत्री ने इस भव्य एक्सपो का उद्घाटन किया था। यह आयोजन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के साथ किया जा रहा है, जो ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) में आयोजित होने वाला अपनी तरह का पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है। इस शिखर सम्मेलन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 से अधिक देशों के मंत्री और 500 से ज्यादा वैश्विक एआई लीडर्स है।

कौशल ही भविष्य

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने दिल्ली में छात्रों और डेवलपर्स को संबोधित करते हुए कहा कि एआई केवल एक तकनीक नहीं है, यह मानवीय क्षमता को बढ़ाने वाला एक को-पायलट' है। उन्होंने भारत में 20 लाख से अधिक लोगों को एआई स्किल्स सिखाने के अपने वादे को दोहराया और कहा कि भारत में दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली डेवलपर्स हैं।

सॉफ्टवेयर से आगे का सोच

विभिन्न पैनल चर्चाओं में दिल्ली के प्रमुख स्टार्टअप यूनिकॉर्न्स के संस्थापकों ने कहा कि सेक्टर-विशिष्ट एआई अब समय सामान्य चैटबॉट्स का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, कृषि और कानून जैसे क्षेत्रों के लिए विशिष्ट समाधान बनाने का है।

कांग्रेस ने बिल गेट के एआई सम्मेलन में भागीदारी पर भी उठाए सवाल

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद हरदीप पुरी ने किस हैसियत से किए एपस्टीन से 14 मुलाकात?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों को लेकर "खुला झूठ" बोला है। पार्टी ने पुरी से तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए पूछा कि उन्होंने 2014 में 14 बार एपस्टीन से किस हैसियत से मुलाकात की और 62 ईमेल का आदान-प्रदान क्यों किया। कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि पुरी की एपस्टीन से मुलाकातों का सिलसिला उस समय शुरू हुआ जब नरेंद्र सिंह मोदी ने मई 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। पार्टी के अनुसार, जून 2014 के पहले सप्ताह से ही दोनों के बीच बैठकें और दोपहर भोज आयोजित होने लगे।

पवन खेड़ा ने उठाए सवाल

- पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस प्रवक्ता और मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कहा कि पुरी उस समय केंद्र सरकार में मंत्री नहीं थे, ऐसे में वे किसके निर्देश पर और किस अधिकार से नीति संबंधी चर्चाएं कर रहे थे?
- खेड़ा ने कहा, "क्या एक दोषी यौन अपराधी के साथ संबंध रखना अपराध नहीं है? यदि वे निजी नागरिक के रूप में मिल रहे थे, तो सरकारी नीतियों पर चर्चा क्यों कर रहे थे?"
- उन्होंने जून, सितंबर और अक्टूबर 2014 की कथित बैठकों का हवाला देते हुए कहा कि ईमेल में फॉलो-अप ब्रीफिंग और समन्वय के संकेत मिलते हैं। उन्होंने एक ईमेल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि एपस्टीन ने उद्यमी रीड होफमैन को भारत में उनका आदमी लिखा था— खेड़ा ने सवाल किया कि एपस्टीन को इतना भरोसा कैसे हुआ?
- कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मंत्री सार्वजनिक रूप से अपने संबंधों को "सीमित" बताते रहे हैं, जबकि उपलब्ध तथ्यों से व्यापक संवाद का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि पुरी "खुलेआम झूठ बोल रहे हैं" और संभवतः किसी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री से भी जवाब मांगा

- खेड़ा ने प्रधानमंत्री से पूछा कि जब पुरी उस समय सरकार का हिस्सा नहीं थे, तब वे किस हैसियत से सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि क्या वरिष्ठ अधिकारियों को दरकिनार कर किसी निजी व्यक्ति को विदेश नीति से जुड़े कामों के लिए आगे किया गया?
- कांग्रेस ने 2017–2019 के दौरान नीति चर्चाओं, व्यापार वार्ताओं और विदेश संपर्कों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इस पूरे मामले के व्यापक निहितार्थ हो सकते हैं।

एआई समिट में बिल गेट्स को लेकर 'हाइड एंड सीक' का आरोप

- कांग्रेस ने नई दिल्ली में चल रहे एआई समिट में अरबपति बिल गेट की संभावित भागीदारी को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि एपस्टीन से जुड़े विवादों के मद्देनजर गेट्स के निमंत्रण को लेकर सरकार स्पष्ट रुख नहीं अपना रही और जानकारी 'अनाम सूत्रों' के हवाले से दी जा रही है।
- खेड़ा ने कहा कि स्वयं गेट्स ने समिट में भाग लेने और भाषण देने की बात कही है, ऐसे में सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि उनका निमंत्रण वापस लिया गया है या नहीं। उन्होंने सवाल किया कि सरकार किससे डर रही है और प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप क्यों है ?

इस्तीफे की मांग दोहराई

- कांग्रेस ने दोहराया कि जब तक पुरी इन आरोपों पर विस्तृत और पारदर्शी स्पष्टीकरण नहीं देते, उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। पार्टी ने कहा कि देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि 2014 में हुई इन मुलाकातों का उद्देश्य क्या था और क्या उनमें सरकारी नीतियों पर चर्चा हुई थी।
- हालांकि, इस मामले पर अभी तक केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी या केंद्र सरकार की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के मिलते-जुलते नामों से प्रोडक्ट बेचने वालों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी

जागरूक रहें, आजकल सस्ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के मद्देनज़र कुछ दुकानदार डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के मिलते-जुलते नामों से अन्य गद्दे बेच रहे हैं। इस संदर्भ में उन पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। आज की इस पब्लिक नोटिस से यह स्पष्ट माना जाए कि प्रसिद्ध ब्रांड डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस को यदि कोई भी व्यक्ति, फर्म, संस्था अथवा कम्पनी किसी भी रूप में नकल करता या बेचता है, उन सभी पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

सभी उपभोक्ता एवं दुकानदार कृप्या यह ध्यान दें कि डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस रेंज के सभी प्रोडक्ट्स केवल डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के नाम से ही आते है। इसलिए मिलते-जुलते नामों से धोखा न खाएं व पूरा नाम पढ़कर ही प्रोडक्ट खरीदें। यदि आपको कोई प्रोडक्ट डा. ऑर्थो गद्दे/मैट्रेस के मिलते जुलते नाम से बाजार में मिलता है तो इसकी सूचना तुरन्त हमारी Email: info@drorthooil.com या Helpline No.: 8264822252 पर दें।

आपके द्वारा दी गई सूचना पर यदि कोई दुकानदार अथवा निर्माता पकड़ा जाता है तो आपको ₹ 1,00,000/- का नकद इनाम दिया जाएगा एवं आपका नाम गुप्त रखा जायेगा। जागरूक रहें- डा. ऑर्थो मैट्रेस का पक्का बिल अवश्य लें।

Dr. Juneja's
Dr. Ortho
ORTHOPAEDIC MATTRESS
सम्पर्क करें
8264822252
Email: info@drorthooil.com • Website : www.drorthooil.com
Divisa

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी समारोह में रहे मौजूद

तारिक रहमान बने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री एक हिंदू और एक बौद्ध समेत 49 मंत्री बने

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में तारिक को पीएम पद की शपथ दिलाई। इस समारोह में भारत के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी मौजूद रहे। तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। इससे पहले मंगलवार दोपहर में बीएनपी के सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं। 17 साल तक लंदन में रहने के बाद वह दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे।

रहमान के अलावा 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई है। इनमें एक हिंदू मंत्री निताई रॉय चौधरी और एक बौद्ध मंत्री दिपेन देवान चकमा भी शामिल है। 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे हैं। सभी 24 राज्य मंत्री नए हैं। पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 299 में से 209 सीटें जीतकर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया था। इसके अलावा 3 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियों ने जीत हासिल की। भारत के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने तारिक रहमान से मुलाकात की। उन्होंने नई सरकार बनने पर भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं। यह मुलाकात ढाका में नई सरकार के शपथ लेने के तुरंत बाद हुई। बैठक के दौरान ओम बिरला ने तारिक रहमान को भारत आने का निमंत्रण दिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109